28 जून, 2025
आषाढ़, शुक्ल पक्ष, तृतीया
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
शनिवार, वर्ष 10, अंक 248

* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा

पुरी और रांची में रथयात्रा की धूम, उमड़े श्रद्धालु

अविराम ए ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशंस

मान्यता एवं संबद्धता R.U., N.P.U., J.A.C., P.C.I., N.C.T.E., J.N.R.C.,I.N.C.

(अविराम ग्रामीण विकास स्वयंसेवी संस्थान द्वारा संचालित)

वर्षों से उच्च शिक्षा में कार्यरत

टिको, कुडू, लोहरदगा एवं हुटाप, चन्दवा, लातेहार (झारखंड)

INC मान्यता प्राप्त नर्सिंग कॉलेज

B.Sc. Nursing एवं सभी कोर्स में
अति न्यूनतम शुल्क एवं आसान किश्तें

आजाद सिपाही के 10वें स्थापना दिवस पर आजाद सिपाही परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

NURSING & D. PHARMACY COURSES

INC से मान्यता प्राप्त

बी.एससी. नर्सिंग (बेसिक)

चार वर्षीय कोर्स में प्रवेश लें जीव-विज्ञान वर्ग से इंटर पास बालक-बालिकायें

ए. एन. एम. (नर्सिंग)

दो वर्षीय कोर्स में प्रवेश लें सभी वर्ग से इंटर पास बालिकायें

डी. फार्मेसी

दो वर्षीय कोर्स में प्रवेश लें विज्ञान वर्ग से इंटर पास बालक/बालिकायें

प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ है

वर्ष 2025 हेतु प्रवेश फार्म उपलब्ध

स्थान सीमित

उपलब्ध सुविधाएं :

- छात्रवृत्ति, बस एवं छात्रावास
- अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं
- उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम
- प्लेसमेंट सुविधा
- प्रतिष्ठित अस्पतालों में प्रशिक्षण सुविधा

B.Ed. & D.El.Ed. Courses

डी.एल.एड.

दो वर्षीय कोर्स में प्रवेश लें, सभी वर्ग से इंटर पास बालक-बालिकाओं के प्रवेश हेतु आवेदन फार्म उपलब्ध 2025 तक
प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण 100 क्रमांक वालों को प्रवेश लेने पर मिलेगी छूट।

बी.एड.

दो वर्षीय कोर्स में प्रवेश लें सभी वर्ग से स्नातक पास बालक-बालिकायें कांउसिलिंग में प्रथम स्थान पर चुनें
JCECEB ऑनलाईन फार्म भरे 2025 तक

प्रवेश परीक्षा तिथि- 2025 तक

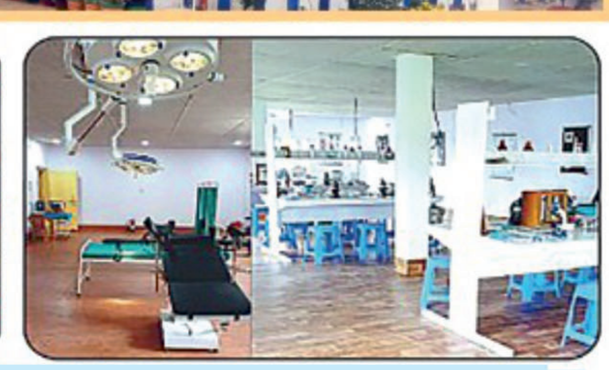

अविराम कॉलेज ऑफ एजुकेशन में **डी0एल0एड0 कोर्स 2025-2027** के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते है।

नामांकन हेतु आज ही संपर्क कीजिए :- 7782054270, 9570222160, 8864004304

Website : www.aviramcollege.com, www.aviramcollegeofnursing.com • E-mail : bedcollege2011@gmail.com/aviram.gv@gmail.com

URGENT REQUIREMENT

अविराम कॉलेज ऑफ एजुकेशन (बी.एड.) : शिक्षा के परिप्रेक्ष्य-2, पाठ्यचर्चा तथा शिक्षण शास्त्रीय पाठ्यक्रम-3. निष्पादन कलायें-1. दृश्य कलायें-1, पुस्तकालयाध्यक्ष-1, कंप्यूटर लैब असि.-1

अविराम कॉलेज ऑफ एजुकेशन (डी.एल.एड.) : विभागाध्यक्ष-1, शिक्षा के आधार परिप्रेक्ष्य-3, गणित-2, भाषाएं-1, मानविकी और समाज विज्ञान-3

Note : Eligibility and salary will be as per NCTE and State Govt. Norms.
Send your resume within one week of publication of vacancy email: pratimat063@gmail.com, WhatsApp: 7782054270

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

बिहार में इंडिया ब्लॉक के सामने दावों का बड़ा अवरोध

■ कांग्रेस ने 90 सीटों पर दावा कर बढ़ा दिया गठबंधन का सिरदर्द
■ वाम दलों और अन्य पार्टियों ने भी ठोका है अपना-अपना दावा
■ इसलिए हकीकत से दूर, फसाने पर टिकी है इंडिया ब्लॉक की धुन

आजाद सिपाही विशेष

बिहार में अक्टूबर-नवंबर 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले महागठबंधन में अंदरूनी खींचतान तेज हो गयी है। सीट शेयरिंग फाइनल होने से पहले ही घटक दलों ने सीटों को लेकर अपनी-अपनी मांगें सामने रख दी हैं। कांग्रेस ने जहां 90 सीटों पर दावा किया है, वहीं वाम दलों की प्रमुख पार्टी भाकपा माले ने 45 सीटों पर दावेदारी ठोंकी है। उधर इंडिया ब्लॉक की नयी सहयोगी, विकासशील इंसान पार्टी (वीआइपी) ने 60 सीटों पर उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है और कहा है कि वह इससे कम पर नहीं मानेगी। कांग्रेस ने तो साफ कर दिया है कि वह राजद द्वारा तय फॉर्मूले पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार नहीं है, क्योंकि इस बार उसकी स्थिति पहले से ज्यादा मजबूत है। पार्टी का कहना है कि वह राज्य में एक निर्णायक भूमिका निभाने को तैयार है। इससे सीट बंटवारे को लेकर तेजस्वी यादव पर दबाव और बढ़ गया है। जहां तक बिहार में पिछले प्रदर्शन का सवाल है, तो 2020 में महागठबंधन ने वीआइपी को छोड़कर चुनाव लड़ा था, जिसमें राजद ने 144, कांग्रेस ने 70, भाकपा माले ने 19, भाकपा ने छह और माकपा ने चार सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। हालांकि, महागठबंधन को केवल 110 सीटों पर जीत मिली और वह सत्ता से बाहर रह गया। राजद ने 75, कांग्रेस ने 19 और माले ने 12 सीटें जीती थीं। इस बार सहयोगियों के दावे को राजद कैसे सुलझायेगा और इंडिया गठबंधन एकजुट रह सकेगा या नहीं, यह बड़ा सवाल है। क्या है इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग का पेंच और क्या हो सकता है इसका असर, बता रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर गहमागहमी जारी है। इस वर्ष के अक्टूबर-नवंबर में होने वाले चुनाव में यहां विपक्षी इंडिया गठबंधन (राजद, कांग्रेस, भाकपा, माकपा, भाकपा (माले) और वीआइपी) की सीधी सियासी लड़ाई सत्ताधारी राजग (जदयू, भाजपा, लोजपा (आर), हम और रालोमो) से प्रतीत हो रही है। कहा जा रहा है कि बिहार में विपक्ष के संघर्ष की दिशा हकीकत से दूर और फसाने के करीब दिख रही है। अभी वक्त है। इसलिए दिशा में बदलाव भी संभव है।

सीट शेयरिंग की हकीकत और घटक दलों का फसाना

इंडिया गठबंधन में सबसे अधिक मुसीबत सीट शेयरिंग को लेकर है। गठबंधन का नेतृत्व कर रहे राजद ने कम से कम 150 सीटों पर प्रत्याशी उतारने का मन बनाया है। बिहार में विधानसभा की कुल 242 सीटें हैं। राजद के दावे के बाद कुल 92 सीटें ही बचती हैं, जो घटक दलों को दी जानी हैं। राजद ने जो फॉर्मूला तय किया है, उसके अनुसार कांग्रेस को 70 और वाम दलों को 20 सीटें दी जायेंगी, जबकि नयी सहयोगी मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी को अधिकतम पांच सीटें दी जा सकती हैं। उस स्थिति में राजद 147 सीटों पर मान सकता है। लेकिन अब कांग्रेस ने कहा है कि वह 90 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि वाम दलों ने 45 और वीआइपी ने 60 सीटों पर दावा ठोका है। कांग्रेस ने कहा है कि इस बार उसकी तैयारी अच्छी है और वह पिछली बार से अच्छा प्रदर्शन करेगी।

क्या है वर्तमान स्थिति

बिहार विधानसभा में इंडिया गठबंधन के प्रमुख घटक राष्ट्रीय जनता दल के 77 विधायक हैं। अपनी अनूठी संवाद शैली के लिए पहचाने जाने वाले लालू प्रसाद की पार्टी इस बार राज्य में 155-165 सीट पर चुनाव लड़ सकती है। इसकी तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। शायद यही वजह है कि पार्टी ने अति पिछड़ी जाति के वरिष्ठ नेता मंगनी लाल मंडल को प्रदेश अध्यक्ष बना दिया है। जानकार बताते हैं कि राजद की इस तैयारी की काट के लिए राजग भी धरातल पर डटा हुआ है। राजद जिन मुद्दों के सहारे मैदान में उतरने की तैयारी में है, वह हकीकत से परे है, जबकि भाजपा अलग रणनीति पर काम कर रही है। राजद का अभियान आमजन से जुड़ना और मतदान के लिए तैयार करना है। इसके लिए राजद के कार्यकर्ता बूथ स्तर तक लगातार काम कर रहे हैं। पार्टी का मानना है कि उसकी रणनीति अभेद्य है। इसे समझना अन्य दलों के वश की बात नहीं।

राजद के बिना कांग्रेस के अस्तित्व पर संकट

इंडिया गठबंधन की दूसरी मुख्य घटक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस है। बिहार में कांग्रेस के 19 विधायक हैं। यह वही कांग्रेस है, जिसका 90 के दशक से पूर्व बिहार में एकछत्र राज हुआ करता था। परिस्थितियां बदलीं और इसका जनाधार सिमटता चला गया। आज इसकी सियासी कहानी बदल चुकी है। स्थिति यह है कि राज्य में बिना राजद के कांग्रेस के अस्तित्व पर संकट सा दिखने लगता है। हालांकि हाल के दिनों में पार्टी ने कुछ प्रयोग किये हैं, लेकिन आत्मविश्वास अब भी कम ही है। बिहार में अन्य अभियानों के अलावा कांग्रेस माई-बहिन मान योजना पर ध्यान केंद्रित किये हुए हैं। इसके तहत पार्टी के कार्यकर्ता घर-घर जाकर महिलाओं से प्रपत्र भरवा रहे हैं। पार्टी को भरोसा है कि प्रपत्र भरने वाली महिलाएं उन्हें वोट देंगी। राजनीति को समझने वाले कहते हैं कि बदले हालात में आक्रामकता जरूरी है, जो कांग्रेस के अभियान में नहीं दिख रहा। पार्टी का कहना है कि परिणाम इस बार अप्रत्याशित होगा। केंद्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन में स्थानीय कार्यकर्ताओं की मेहनत रंग लायेगी।

वामदलों के पास कुल 15 विधायक

अब बात बिहार में इंडिया गठबंधन के घटक वाम दलों की। यहां भाकपा (माले) के 11 और भाकपा और माकपा के दो-दो विधायक विधानसभा में हैं। इस प्रकार वाम दलों के पास कुल 15 विधायक हैं। यहां भाकपा (माले) बिहार में जनाधार की बदौलत अपनी आक्रामकता के लिए पहचानी जाती है। हालांकि पूरे बिहार में उसका असर नहीं है, लेकिन जहां भी मौजूदगी है, वहां ठीक-ठाक है। पार्टी को विस्तार देने के लिए संगठन में लगातार काम चल रहा है। इन तीनों दलों के नेता भी अपनी समृद्धशाली सियासी अतीत की ओर लौटने की कोशिश में हैं। वाम दलों के हौसले इस बार पहले से अधिक बुलंद हैं। ये तीनों दल इस बार 45 सीटें मांग रहे हैं।

60 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कर रहे मुकेश सहनी

वीआइपी के मुखिया मुकेश सहनी हैं। पिछले चुनाव में उनकी पार्टी के तीन विधायक चुने गये थे। बाद में तीनों ने उनका साथ छोड़ दिया। फिलहाल वीआइपी का एक भी सदस्य विधानसभा में नहीं है। हालांकि तैयारियां जबरदस्त हैं। अपनी तैयारियों के बल पर मुकेश सहनी इस बार 60 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कर रहे हैं। हालांकि उन्हें पता है कि इतनी सीटें नहीं मिलेंगी। फिर भी मुंह खोलने में क्या दिक्कत है। बताते हैं कि मुकेश सहनी इंडिया गठबंधन की कमजोर कड़ी हैं।

इंडिया गठबंधन के घटक दलों के इन दावों के बीच अब सबसे बड़ी चुनौती राजद के सामने है। पार्टी ने तेजस्वी यादव के लिए अपना सब कुछ झोंकने की तैयारी की है। ऐसे में सहयोगी दलों के दावों का बोझ वह कितनी दूर तक ढो सकेगी, यह देखना बेहद दिलचस्प होगा। फिलहाल तो इंडिया गठबंधन का सामूहिक नेतृत्व सब कुछ ठीक होने का दावा कर रहा है, लेकिन इस दावे में आत्मविश्वास की कमी साफ दिखाई दे रही है।

शिबू सोरेन के स्वास्थ्य को लेकर की गयी पूजा-अर्चना

भगवान जगन्नाथ से जल्द स्वस्थ होने की कामना की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झामुमो नेता और कार्यकर्ता शिबू सोरेन के जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। पार्टी के नेता मनोज पांडेय सहित कई कार्यकर्ताओं ने भगवान जगन्नाथ से शिबू सोरेन के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन का दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में इलाज चल रहा है।

शिबू सोरेन रूटीन चेकअप के लिए दिल्ली गये थे, लेकिन अस्पताल में उनकी तबीयत बिगड़ गयी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत परिवार के अन्य सदस्य भी दिल्ली में हैं और शिबू सोरेन की तबीयत को लेकर चिंतित हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और राज्यपाल संतोष गंगवार ने भी दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में शिबू सोरेन से मुलाकात की थी और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली थी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी अपने पिता के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं और दिल्ली में ही रुके हुए हैं। जिसके चलते हेमंत सोरेन शुक्रवार को रांची नहीं आ सके और ऐतिहासिक रथ यात्रा में शामिल नहीं हो सके।

3 महीने तक बंद रहेगा बेतला पार्क और पीटीआर

आजाद सिपाही संवाददाता

मानसून में थमेगी जंगल की रौनक, 1 जुलाई से 31 सितंबर तक प्रतिबंध

रांची। झारखंड का एकमात्र टाइगर रिजर्व, पलामू टाइगर रिजर्व (पीटीआर) और इसके तहत आने वाला बेतला नेशनल पार्क एक जुलाई से पर्यटकों के लिए बंद हो जायेगा। यह प्रतिबंध 31 सितंबर तक जारी रहेगा। बरसात के इन तीन महीनों में किसी भी तरह की पर्यटन गतिविधियों की अनुमति नहीं होगी। वन विभाग ने यह निर्णय जंगल की जैव विविधता की सुरक्षा और वन्य जीवों के स्वाभाविक जीवन-चक्र को ध्यान में रखते हुए लिया है। जुलाई से सितंबर का समय बाघों और अन्य जंगली जीवों के प्रजनन का प्रमुख काल होता है। विभाग का मानना है कि पर्यटकों की आवाजाही इस प्राकृतिक प्रक्रिया में बाधा बन सकती है। पलामू टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक प्रजेशकांत जेना के मुताबिक, यह समय वन्यजीवों की दृष्टि से संवेदनशील होता है। शांत वातावरण में ही उनका प्रजनन सहज रूप से हो सकता है। इसी कारण पर्यटन गतिविधियां रोकी जाती हैं। मानसून के दौरान जंगल के भीतर नदी-नाले उफान पर होते हैं। कई जगहों पर रास्ते टूट जाते हैं, जिससे पर्यटकों की सुरक्षा में बाधा आती है। वन विभाग के लिए इन हालातों में निगरानी और बचाव प्रबंधन कर पाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में रिजर्व क्षेत्र में विशेष गश्ती दलों की तैनाती की जायेगी, जो वन्यजीवों की गतिविधियों पर नजर रखेंगे।

झारखंड में उर्दू शिक्षकों के लिए 7232 पद होंगे सृजित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य के सरकारी स्कूलों में उर्दू शिक्षकों के लिए 7232 पद सृजित किये जायेंगे। इसकी अनुशंसा मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुए प्रशासी पदवर्ग समिति ने की है। इस समिति के सदस्य विकास आयुक्त, कार्मिक सचिव, वित्त सचिव और योजना विकास विभाग के सचिव हैं। इसके तहत प्रारंभिक विद्यालय में उर्दू के लिए इंटरमीडिएट प्रशिक्षित सहायक आचार्य के 5478 पद और मध्य विद्यालयों में स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्य के 1754 पद सृजित किये जायेंगे। प्रशासी पदवर्ग समिति ने उर्दू सहायक शिक्षक के पूर्व से सृजित एवं रिक्त कुल 3712 पदों को सरेंडर करने की अनुशंसा की है। प्रस्तावित पदों का सृजन चरणबद्ध किया जायेगा। प्रथम चरण में 60 प्रतिशत पदों यानि इंटरमीडिएट प्रशिक्षित सहायक आचार्य के 3287 पद और स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्य के 1052 पद, कुल 4339 पदों का सृजन किये जायेंगे।

इन अनुशंसित पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात प्रशासी विभाग शेष बचे 40 प्रतिशत पदों के सृजन का प्रस्ताव प्रशासी पदवर्ग समिति के विचारार्थ प्रस्तुत करेंगे। सृजित पदों के लिए झारखंड प्रारंभिक विद्यालय सहायक आचार्य (नियुक्ति, प्रोन्नति एवं सेवाशर्त) नियमावली, 2022 (यथा संशोधित) द्वारा स्वीकृत पे-लेवल (वेतनमान/ग्रेड पे) अंतिमरूपेण प्रभावी होगा।

21 मोटरयान निरीक्षक के पद होंगे सृजित

प्रशासी पदवर्ग समिति ने परिवहन निदेशालय के अंतर्गत मोटरयान निरीक्षक का 21 पदों के सृजन की स्वीकृति की अनुशंसा की है। सृजित पदों के लिए झारखंड मोटरयान निरीक्षक संवर्ग (नियुक्ति, प्रोन्नति एवं सेवा की अन्य शर्तें) नियमावली, 2010 द्वारा स्वीकृत वेतनमान/ग्रेड पे अंतिमरूपेण प्रभावी होगा। वहीं झारखंड पंचायत राज स्वशासन परिषद के कार्यों के निष्पादन के लिए विभिन्न पदों के सृजन की स्वीकृति की अनुशंसा की है।

सदर अस्पताल में लगेगी ब्रेस्ट कैंसर की जांच करने वाली मैमोग्राफी मशीन

आयुष्मान लाभार्थियों को निःशुल्क सेवा मिलेगी

रोटरी क्लब ऑफ रांची की ओर से प्रोजेक्ट आरोग्यम-बैटलिंग ब्रेस्ट कैंसर के तहत यह मशीन लगायी जा रही है

40 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को कैंसर का खतरा

40 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं में स्तन कैंसर का जोखिम अधिक होता है। प्रारंभिक अवस्था में कैंसर की पहचान से न केवल इलाज आसान होता है, बल्कि जान भी बचायी जा सकती है। मैमोग्राफी एक प्रभावी तकनीक है। इससे छोटी से छोटी गांठ, ऊतक में बदलाव या असामान्य संरचना का पता क्लीनिक लक्षणों के प्रकट होने से पहले लगाया जा सकता है। यह सुविधा स्तन कैंसर की प्रारंभिक जांच और रोकथाम में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। महिलाओं के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रोटरी क्लब की ओर से सदर अस्पताल रांची में 30 जून को अत्याधुनिक डिजिटल मैमोग्राफी मशीन वीनस डीआरवी प्लस लगायी जायेगी। उक्त जानकारी शुक्रवार को रोटरी क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता क्लब के प्रवक्ता प्रवीण राजगढ़िया ने दी। उन्होंने बताया कि रोटरी क्लब ऑफ रांची की ओर से प्रोजेक्ट आरोग्यम-बैटलिंग ब्रेस्ट कैंसर के तहत यह मशीन लगायी जा रही है। इसमें दक्षिण कोरिया के रोटरी क्लब सुवोन-नोसोंग डी-3750 का भी सहयोग मिला है। मशीन की कीमत लगभग 45 लाख रुपये है। रोटरी क्लब रांची के अध्यक्ष गौरव बागरॉय ने बताया कि इस मशीन लगने के बाद सदर अस्पताल में ब्रेस्ट कैंसर जांच की सुविधा काफी कम दर पर उपलब्ध होगी। आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों को यह सेवा पूरी तरह निःशुल्क मिलेगी। इस पहल का उद्देश्य सिर्फ एक मशीन स्थापित करना नहीं है, बल्कि महिलाओं को समय पर जांच के लिए प्रोत्साहित करना और स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाना है। उन्होंने बताया कि मशीन का उद्घाटन मुख्य अतिथि डीजी रोटेरियन बिपिन चाचन, फर्स्ट लेडी रोटेरियन शिल्पी चाचन, सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार करेंगे। इस प्रोजेक्ट को मदद करने वालों में रोटेरियन विपिन चाचन, सुरेश साबू, बिनोद सरावगी, रविंदर सिंह चड्ढा, सुमित अग्रवाल, रमेश धरणीधरका, ललित त्रिपाठी, पवन जायसवाल, आदित्य मल्होत्रा, राजेश नाथ शाहदेव सहित अन्य शामिल हैं।

www.epaper.azadsipahi.in

28 जून, 2025
आषाढ़, शुक्ल पक्ष, तृतीया
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
शनिवार, वर्ष 10, अंक 248

राजनाथ सिंह ने तनाव कम करने के लिए चीन को सुझाये चार विकल्प

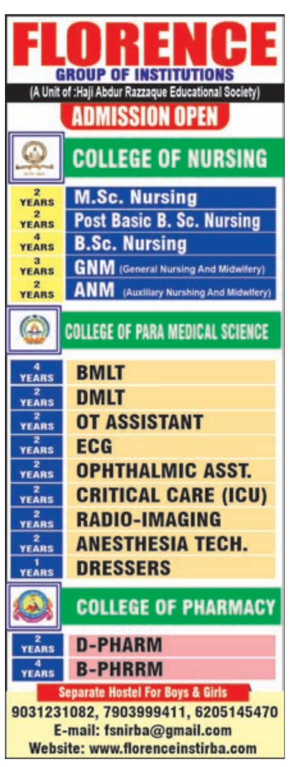

पुरी और रांची में रथयात्रा की धूम, उमड़े श्रद्धालु

■ भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथ खींचे गये

■ पुरी में रात होने के कारण रुकी यात्रा, आज फिर शुरू होगी

■ रांची में मौसीबाड़ी गये भगवान जगन्नाथ, पांच जुलाई को लौटेंगे

रांची/पुरी (आजाद सिपाही)। ओड़िशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा शुरू हो गयी है। इसे 'पहांडी' अनुष्ठान कहा जाता है। देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु रथ यात्रा जुलूस में शामिल होने के लिए पुरी में जुटे हैं। भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ को 12वीं शताब्दी के मंदिर से पहांडी में बिठाकर मंदिर के सिंह द्वार के सामने खड़े उनके संबंधित रथों तक ले जाया जाता है। इस दौरान भव्य जुलूस निकलता है। सिंह द्वारा से भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और महाप्रभु जगन्नाथ के रथों को खींचकर श्री गुंडिचा मंदिर ले जाया जाता है, जो पुरी जगन्नाथ मंदिर से लगभग 2.6 किलोमीटर दूर है। गुंडिचा मंदिर महाप्रभु जगन्नाथ, उनके भाई भगवान बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा की मौसी का घर माना जाता है। इधर, झारखंड के रांची में भी रथयात्रा की धूम है। जगन्नाथपुर मंदिर क्षेत्र में भक्तों का सैलाब जुटा। यहां भी भक्तों ने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथ को खींचा और उन्हें मौसीबाड़ी तक ले गये।

भक्तों ने सबसे पहले भगवान बलभद्र का रथ खींचा

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर/पुरी। पुरी में शुक्रवार शाम पूरे विधि विदान के साथ रथयात्रा का शुरू हुई। सुबह मंगल आरती और विधि विधान पूजा के बाद भगवान जगन्नाथ को नंदी घोष रथ, देवी सुभद्रा को दर्पदलन और बलभद्र को तालध्वज रथ पर विराजित किया गया है। रथ पर भगवान की विधिवत पूजा और भोग हुआ। दोपहर 3 बजे पुरी राजपरिवार के गजपति दिव्य सिंह देव ने रथ के आगे सोने के झाड़ू से बुहारा लगाकर रथ यात्रा की शुरुआत की।

सबसे पहले भगवान बलभद्र का रथ भक्तों ने खींचा। कुछ दूर खींचने के बाद रथ को विश्राम दिया गया है। देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ का रथ कुछ दूरी तक ही खींचा गया। ये दोनों रथ मंदिर के पास ही खड़े हैं।

रथ यात्रा अब अगले दिन शुरू होगी, क्योंकि सूर्यास्त के बाद रथ नहीं खींचे जाते। यह रथ यात्रा शनिवार को गुंडीचा मंदिर पहुंचेंगी। इसके बाद 9 दिन तक भगवान जगन्नाथ अपनी मौसी के यहां गुंडीचा मंदिर में ठहरेंगे। उनके साथ सुभद्रा और बलभद्र भी रहेंगे। 5 जुलाई को भगवान वापस मुख्य मंदिर लौट आयेंगे।

वहीं, पुरी में भगवान जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच लगभग 1500 भाजपा युवा मोर्चा स्वयंसेवकों ने सार्वजनिक सेवा के प्रति अपने समर्पण को प्रदर्शित करते हुए एंबुलेंस के लिए रास्ता सुनिश्चित करने के लिए मानव श्रृंखला बनायी।

ऐतिहासिक जगन्नाथ मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची के धुर्वा स्थित ऐतिहासिक जगन्नाथ मंदिर में शुक्रवार को रथयात्रा के पावन अवसर पर आस्था का अद्भुत जनसैलाब उमड़ा। पूजा करने के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। रथ को खींचने के लिए हर कोई उत्साहित था। भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की भव्य रथयात्रा मंदिर परिसर से विधिपूर्वक निकाली गयी। रथ खींचने और भगवान के दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालु मंदिर पहुंचे, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिभाव और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठा। शुक्रवार सुबह पांच बजे से ही पूजा-अर्चना शुरू हुई। सुबह से ही श्रद्धालु आने लगे थे। दोपहर बाद सबसे पहले भगवान गरुड़ की प्रतिमा को मंदिर से बाहर लाया गया। इसके बाद विशेष विधि-विधान के साथ भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ को पुजारियों द्वारा बाहर लाया गया। ढोल-नगाड़ों, भेर और शंखध्वनि के बीच तीनों विग्रहों को भक्तों के जयघोष के साथ रथ पर विधिपूर्वक विराजमान कराया गया। मंदिर से लगभग 200 मीटर दूर एक विशाल रथ खड़ा था, जहां भक्तों की जय-जयकार और पारंपरिक संगीत की गूंज के बीच भगवान की प्रतिमाओं को रथ तक ले जाकर स्थापित किया गया। वहां लगभग एक घंटे तक मंत्रोच्चार और विशेष पूजन हुआ. इसके बाद जैसे ही रथयात्रा प्रारंभ हुई।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पर किया भावुक पोस्ट

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हर वर्ष रथयात्रा में शामिल होते थे। इस वर्ष वह शामिल नहीं हो सके। इसे लेकर उन्होंने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट किया है। हेमंत ने लिखा है कि 'आज महाप्रभु भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा का ऐतिहासिक और पावन महापर्व होता है। हर साल मैं वहां उपस्थित होता था। अभी आदरणीय बाबा दिशोम गुरुजी अस्वस्थ हैं, इसलिए मैं रथयात्रा में शामिल नहीं हो पाया हूं। भगवान जगन्नाथ से प्रार्थना करता हूं कि गुरुजी जल्द से जल्द स्वस्थ होकर हम सभी के बीच आयें और हमेशा की तरह अपना आशीर्वाद बनायें रखें। भगवान जगन्नाथ सभी का कल्याण करें, धन्यवाद, जोहार !'

लातेहार में अवैध कोयला लदे दस हाइवा जब्त, चार चालक गिरफ्तार

- अवैध कोयला लेकर झारखंड-बिहार बॉर्डर पर ले जाया जा रहा था
- डीएफओ ने छापेमारी के दौरान पकड़ा

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। लातेहार में कोयला तस्करी पर बड़ी कार्रवाई की की गयी। बालूमाथ थाना क्षेत्र का मगध संघ मित्रा कॉल माइंस से अवैध कोयला झारखंड बॉर्डर पर बने डिपो ले जाया जा रहा था। रास्ते में वन विभाग की टीम ने उन्हें दबोच लिया। टीम ने जब चोलकों से कोयला और वाहन के कागजात मांगे तो वह दिखा नहीं पाये। इसबीच अंधेरे का फायदा उठा कर हाइवा के छह चालक भागने में कामयाब हो गये। जबकि चार चोलकों को गिरफ्तार कर लिया गया। सभी 10 हाइवा को जब्त कर लिये गये। वहीं पांच अन्य संदिग्ध लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है।

जानकारी के अनुसार लातेहार क्षेत्र में कोयले के काला कारोबार की जानकारी चतरा डीएफओ मुकेश कुमार को मिली। एक टीम गठित कर चतरा वन विभाग कार्यालय के समीप जिला वन क्षेत्र पदाधिकारी ने दस हाइवा को रोक कर जांच प्रारंभ किये। इसी बीच छह चालक अंधेरे का फायदा उठा कर भागने में सफल हो गये। उसके बाद से माफियों में हड़कंप मच गया है। उधर, वैगनआर गाड़ी से हाइवा का स्कॉर्ट कर रहे युवक अमन कुमार, कलाम अंसारी, अनुज कुमार और पंकज कुमार को भी हिरासत में लिया गया है। सभी बालूमाथ और लोहरदगा के रहने वाले हैं। उनसे पूछताछ की जा रही है। मगध संघमित्रा के महाप्रबंधक नृपेंद्र नाथ ने फोन पर कहा कि जो भी हाइवा पकड़ा है और जो भी लगो पकड़े गये हैं, उन पर मामला दर्ज हो। उसकी सही तरीके से जांच हो। इसके अलावा जो लोग इसमें शामिल हैं, उन सभी पर भी मामला दर्ज हो।

आकांक्षी जिला कार्यक्रम में चतरा को मिला शीर्ष स्थान

नीति आयोग से मिलेगा 10 करोड़ का पुरस्कार

- गढ़वा जिला का शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नीति आयोग द्वारा आयोजित ऑनलाइन समीक्षा बैठक में मार्च 2025 की डेल्टा रैंकिंग के अनुसार चतरा जिला ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए देश के 112 आकांक्षी जिलों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के संयुक्त प्रयासों, नवाचारों तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का प्रतिफल है। इसके अलावा गढ़वा को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन परफॉमेंस के लिए भी चुना गया है।

नीति आयोग द्वारा यह जानकारी शुक्रवार को ऑनलाइन बैठक के माध्यम से साझा की गयी। जिसमें चतरा जिले की बहुआयामी प्रगति विशेषकर स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि, वित्तीय समावेशन तथा बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में सराहा गया। उल्लेखनीय है कि शीर्ष प्रदर्शन करने वाले जिले को नीति आयोग द्वारा 10 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जायेगी, जिसका उद्देश्य जिला स्तर पर विकासात्मक पहलों को और अधिक गति देना है।

इस उपलब्धि पर उपायुक्त कीर्तिश्री ने जिले की पूरी प्रशासनिक टीम, विभागीय अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और जनता को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान जिले के लिए गर्व का विषय है और हम सभी मिलकर इसे बनाये रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह सफलता आकांक्षी जिला कार्यक्रम के उद्देश्यों को साकार करने की दिशा में चतरा जिले की मजबूत पहल और सतत प्रयास का प्रमाण है।

शिबू सोरेन की सेहत स्थिर, सभी कर रहे हैं स्वस्थ होने की कामना

- कार्यकर्ताओं ने गुरुजी की तस्वीर के साथ जगन्नाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना
- बाबूलाल मरांडी ने जल्द स्वस्थ होने की कामना की
- रघुवर दास ने फोन पर हेमंत सोरेन से बात की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। दिशोम गुरु शिबू सोरेन की तबीयत खराब होने के बाद उनका इलाज दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में चल रहा है। जहां राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत परिवार के लोग और पार्टी नेता मौजूद हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी गुरुवार को अस्पताल पहुंच कर उनके स्वास्थ की जानकारी ली थीं। वहीं झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और कार्यकर्ता शिबू सोरेन के जल्द स्वस्थ होने की कामना को लेकर पूजा अर्चना कर रहे हैं।

शिबू सोरेन के बीमार होने के बाद से सीएम हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन, विधायक बसंत सोरेन लगातार दिल्ली में ही डेरा डाले हुए है। नेफ्रोलॉजी विभाग के डॉक्टर एके भल्ला की अगुवाई में डॉक्टरों की टीम गुरु जी का इलाज कर रही है। उनकी हालत स्थिर बतायी जा रही है।

वहीं, झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी, श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव और झारखंड कांग्रेस के सह प्रभारी बेला प्रसाद के साथ उन्हें देखने दिल्ली पहुंचे।

वहीं, भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उनके स्वास्थ्य होने की कामना की, तो पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से फोन पर बात की। उन्होंने लिखा कि मै महाप्रभु भगवान जगन्नाथ से बाबा के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं, वो यथाशीघ्र स्वस्थ होकर झारखंड की जनता की सेवा में जुट जायें।

कोलकाता के लॉ कॉलेज में छात्रा से गैंगरेप

- चारों आरोपियों को पुलिस हिरासत में भेजा गया

आजाद सिपाही संवाददाता

कोलकाता। कोलकाता में लॉ कॉलेज की स्टूडेंट से गैंगरेप मामले के चारों आरोपियों को कोर्ट ने शुक्रवार को 10 जुलाई तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को बुधवार को गिरफ्तार किया था। एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी शुक्रवार सुबह हुई। घटना 25 जून की है।

पुलिस के मुताबिक, वारदात को अंजाम ग्राउंड फ्लोर के एक गार्ड रूम में दिया गया है। आरोपियों का नाम मनोजीत मिश्रा (31), जैब अहमद (19) और प्रमित मुखर्जी (20) है। गिरफ्तार आरोपियों में दो कॉलेज के छात्र हैं और एक पूर्व छात्र है। भाजपा ने एक आरोपी मनोजीत मिश्रा के तृणमूल कांग्रेस से जुड़े होने का आरोप लगाया है। पीड़ित छात्रा कोलकाता लॉ कॉलेज में पढ़ रही है। तीनों आरोपी भी इसी कॉलेज के छात्र हैं।

गैंग रेप का वीडियो भी बनाया : पुलिस की एफआइआर के मुताबिक कोलकाता लॉ कॉलेज के कैंपस के एक गार्ड रूम में गैंगरेप बुधवार शाम 7:30 बजे से रात 8:50 बजे के बीच किया गया। पीड़ित की शिकायत के अनुसार आरोपियों ने पहले मुझे कॉलेज में रुकने के लिए कहा। इसके बाद ग्राउंड फ्लोर के एक कमरे में ले गये, जहां आरोपियों ने रात करीब 10 बजे तक उसके साथ दुष्कर्म किया।

पीड़ित ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि सामूहिक दुष्कर्म के दौरान रिकॉर्डिंग भी की गयी। बाद में मुझे धमकी दी कि अगर मैंने किसी से इस घटना के बारे में बात की तो वे वीडियो को इंटरनेट पर वायरल कर देंगे।

चारों आरोपियों के मोबाइल जब्त : पुलिस के मुताबिक दो आरोपी मोनोजित मिश्रा और जैब अहमद को 26 जून को शाम 7:20 और 7:35 बजे के बीच सिद्धार्थ शंकर राय शिशु उद्यान के पास से पकड़ा गया। दोनों के मोबाइल फोन पुलिस ने बरामद कर लिए हैं। तीसरे आरोपी प्रमित मुखर्जी को 27 जून को उसके घर से गिरफ्तार किया गया और उसका मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। चौथा आरोपी शुक्रवार को पकड़ा गया है। कॉलेज की उप-प्राचार्या डॉ नयना चटर्जी ने बताया कि मुख्य आरोपी कॉलेज का पूर्व छात्र और वकील है। उसे संस्थान की गवर्निंग बॉडी ने अस्थायी नियुक्ति दी गयी थी।

भाजपा ने एक आरोपी को तृणमूल से जुड़ा बताया

भाजपा नेता अमित मालवीय ने सोशल मीडिया पर एक बंगाली न्यूज रिपोर्ट शेयर करते हुए लिखा कि हैरान कर देने वाली घटना! एक महिला लॉ छात्रा के साथ कॉलेज परिसर में गैंगरेप हुआ। आरोपियों में एक पूर्व छात्र और दो कॉलेज स्टाफ शामिल हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस मामले में एक तृणमूल कांग्रेस से जुड़ा व्यक्ति भी शामिल है।

महिला आयोग ने कहा: जांच समय से पूरी हो

राष्ट्रीय महिला आयोग ने कोलकाता गैंगरेप मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग की चेयरपर्सन विजया रहाटकर ने कोलकाता पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर कहा कि इस घटना की तुरंत और तय समय में जांच की जाए। भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की जाये। भारतीय न्याय संहिता की धारा 396 के तहत मुआवजा भी दिया जाये।

जगन्नाथपुर रथ मेले में पारंपरिक हथियारों, वाद्य यंत्रों और लोक शिल्प की धूम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जगन्नाथपुर रथ यात्रा के अवसर पर लगे मेले में इस बार पारंपरिक हथियारों, वाद्य यंत्रों और लोक जीवन से जुड़े उपयोगी सामानों की भारी बिक्री देखने को मिल रही रही है। मेला परिसर में झारखंड के कोने-कोने से आये कारीगर और दुकानदार अपने सामानों को सजा कर बैठे हैं।

तोरपा की कुमनी और तीर-धनुष आकर्षण का केंद्र : तोरपा से आये ग्रामीणों द्वारा बनायी गयी कुमनी की कीमत 200 से 650 रुपये के बीच है। पारंपरिक तीर-धनुष की बिक्री भी अच्छी हो रही है, जिसकी कीमत 350 रुपये है।

बोकारो का मांदर बना लोगों की पसंद : मेले मे बोकारो से लाये गये पारंपरिक संगीत वाद्य यंत्र मांदर 2500 रुपये में बिक रहे हैं। इसका गूंजता स्वर लोगों को अपनी संस्कृति की याद दिला रहा है।

घाटशिला के तीर धनुष की भारी मांग : घाटशिला से लाये गये लकड़ी और बांस से बने तीर-धनुष की कीमत 350 रुपये प्रति सेट है। बड़े आकार का तीर-धनुष 850 रुपये तक में बिक रहा है।

मांडर की राजपति देवी बेच रही हुक्का और डिबरी : मांडर से आयी राजपति देवी ने बताया कि वे चार हुक्का लेकर आयी थीं, जिनमें से एक बिक चुका है। एक हुक्के की कीमत 800 रुपये हैं। सिल्वर कलर की डिबरी 600 रुपये में उपलब्ध है, जो ग्रामीण घरों में आज भी उपयोग में लायी जाती है।

कांके का नगाड़ा और ढोल : चदरिया कपड़े से बना कांके का नगाड़ा और 3500 रुपये की कीमत वाला पारंपरिक ढोल लोगों को अपनी ओर खींच रहा है।

मछली पकड़ने का जाल आकर्षण का केंद्र : मछली पकड़ने का 5 फीट का जाल 600 रुपये में बिक रहा है। 6 फीट का जाल 1400 रुपये में उपलब्ध है। बंगाल से लाया गया 15 फीट का मछली पकड़ने वाला जाल भी लोगों के आकर्षण का केंद्र है।

लोक संस्कृति के साथ व्यापार का संगम : रथ मेले में केवल श्रद्धा ही नहीं, लोक शिल्प, पारंपरिक जीवनशैली और आदिवासी कला की झलक भी देखने को मिल रही है। लोग इन चीजों को खरीद कर अपनी संस्कृति से जुड़ाव महसूस कर रहे हैं।

रथ यात्रा सुचारू और सुरक्षित रूप से संपन्न

जिला प्रशासन और पुलिस की पूरी टीम ने चाक-चौबंद व्यवस्था सुनिश्चित की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। शुक्रवार को झारखंड की राजधानी रांची के जगन्नाथपुर, धुर्वा से ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथ यात्रा पूरे विधि-विधान और भव्यता के साथ मुख्य मंदिर से मौसीबाड़ी पहुंची। इस पवित्र यात्रा में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र, और सुभद्रा के रथ को हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक खींचा, और रथ यात्रा अपने गंतव्य तक पहुंची। इस दौरान जिला प्रशासन और पुलिस की पूरी टीम ने चाक-चौबंद व्यवस्था सुनिश्चित की, जिससे यह आयोजन सुचारू और सुरक्षित रूप से संपन्न हुआ।

प्रशासनिक व्यवस्था और सुरक्षा के कड़े इंतजाम

जिला प्रशासन ने रथ यात्रा और इसके साथ आयोजित होने वाले रथ यात्रा के लिए व्यापक तैयारियां की थीं। रथ यात्रा मार्ग और मेला परिसर में सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन, और वॉच टावर स्थापित किये गये। पुलिसकर्मी, पुरुष और महिला, के साथ-साथ मजिस्ट्रेट तैनात किये गये। सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी भीड़ पर नजर रखने के लिए मौजूद रहे। नीलाद्री भवन में एक कमांड सेंटर स्थापित किया गया, जहां ड्रोन और सीसीटीवी फुटेज से निगरानी की जा रही हैं।

सुचारु यात्रा के लिए यातायात प्रबंधन

रथ यात्रा के दौरान सुगम यातायात के लिए धुर्वा गोलचक्कर से पुराना विधानसभा, प्रभात तारा मैदान से शालीमार बाजार चौक, तिरिल मोड़ से मौसीबाड़ी गोलचक्कर, और अन्य मार्गों पर वाहनों का प्रवेश निषेध रहा। रथ यात्रा के दौरान पुलिस महानिरीक्षक मनोज कौशिक, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रांची, मंजूनाथ भजंत्री, डीआइजी सह वरीय पुलिस अधीक्षक रांची चंदन कुमार सिन्हा, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) राजेश्वर नाथ आलोक, पुलिस अधीक्षक (नगर) अजित कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी (सदर) उत्कर्ष कुमार, जिला नजारत उप समाहर्ता डॉ सुदेश कुमार, पुलिस उपाधीक्षक (हटिया व सदर), और अन्य संबंधित पदाधिकारी मौजूद रहे। इनके नेतृत्व में सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित की गयीं।

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने भी श्रद्धा पूर्वक भगवान के रथ को खींचा। इस दौरान उन्होंने पूरे विधि व्यवस्था पर नजर बनाये रखा था और मेला में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। जिला प्रशासन और मंदिर समिति ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे इस पवित्र आयोजन में शामिल होकर भगवान जगन्नाथ के दर्शन करें और व्यवस्था बनाये रखने में सहयोग करें।

पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल की संसदीय समिति की बैठक

सांसदों ने रेल विकास कार्यों को लेकर दिये सुझाव

पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने जताया आभार

आजाद सिपाही संवाददाता

हाजीपुर। शुक्रवार को पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल की संसदीय समिति की बैठक का आयोजन मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, डीडीयू के सभागार में किया गया। इस बैठक में पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल क्षेत्राधिकार के सांसद ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम द्वारा की गयी। बैठक में सांसद द्वारा जनहित से जुड़े मुद्दे एवं रेल के सर्वांगीण विकास हेतु अपने-अपने सुझावों को रखा गया। इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह, पं दीन दयाल उपाध्याय मंडल के मंडल रेल प्रबंधक उदय सिंह मीना सहित मुख्यालय एवं मंडल के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम, चंदौली के सांसद वीरेंद्र सिंह, सासाराम के सांसद मनोज कुमार, आरा के सांसद सुदामा प्रसाद, काराकाट के सांसद राजा राम सिंह और राज्य सभा की सांसद दर्शना सिंह एवं साधना सिंह उपस्थित थीं। इनके अलावा केंद्रीय मंत्री सह गया के सांसद जीतन राम मांझी के प्रतिनिधि राजेश कुमार पांडेय, बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह के प्रतिनिधि अजीत, औरंगाबाद के सांसद अभय कुमार सिन्हा के प्रतिनिधि संजय कुमार उपस्थित थे।

रथयात्रा के पहले दिन योगदा सत्संग महाविद्यालय ने स्टॉल लगाया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची के प्रसिद्ध रथयात्रा के पहले दिन योगदा सत्संग महाविद्यालय की ओर से श्रद्धालुओं के लिए एक स्टॉल लगाया गया।

इस स्टॉल में महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने कर्मचारियों के साथ मिलकर श्रद्धालुओं को जल और अल्पाहार देकर अपने सेवाभाव का परिचय दिया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी एनसीसी कैडेट्स पूरी निष्ठा व तन्मयता के साथ रथ सेवा में जुटे रहे। उन्होंने श्रद्धालुओं की सेवा में अपना बहुमूल्य योगदान दिया। इस विशेष अवसर पर एनसीसी पदाधिकारी डॉ. अभिषेक पांडेय, जयंत मुखोपाध्याय, गोवर्धन कुमार, संजय पाठक, अजय कुमार, रतिया उरांव, रवि राहुल, विकास कुमार, सन्नी कुमार सोनी, विकास पासवान, सोनु कुमार, कुश कुमार, संजय कुमार, रणधीर प्रवीण गाड़ी सहित अन्य का बहुमूल्य योगदान रहा।

सीसीएल के उत्तरी कर्णपुरा क्षेत्र में शिकायत निवारण शिविर का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। निदेशक (मानव संसाधन), सीसीएल मुख्यालय, रांची के मार्गदर्शन में शुक्रवार को सीसीएल के उत्तरी कर्णपुरा क्षेत्र में एक शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 25 शिकायतें दर्ज की गयी, इनमें से ज्यादातर सीएमपीएफ, पेंशन, सेवानिवृत्त बकाया राशि के भुगतान से संबंधित थीं। इस शिविर में संबंधित क्षेत्र के शिकायतकताओं के लंबित मामलों को जानने के बाद कुछ मामलों का समाधान किया गया और शिकायतों के समयबद्ध और विशिष्ट समाधान का आश्वासन दिया गया। सीसीएल प्रबंधन की यह सोच है कि अगर हम अपने कर्मचारियों एवं हितधारकों के समस्याओं का तीव्र गति से निपटारा करेंगे, तो इससे कंपनी का समावेशी विकास होगा। इस शिविर में सीसीएल मुख्यालय, रांची से कविता गुप्ता, महाप्रबंधक(मा.सं./श्रमशक्ति/समाधान), संजय कुमार चौबे (मुख्य प्रबंधक - मा. सं, पेंशन विभाग), गौतम चौधरी, मुख्य प्रबंधक(मा.सं/समाधान सेल), शिखा अवस्थी, सहायक प्रबंधक(मा.सं.) और अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

नौ जिलों में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जायेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद और जेआइटीएम स्किल्स प्राइवेट लिमिटेड ने मिलकर एक अनूठा स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू किया है।

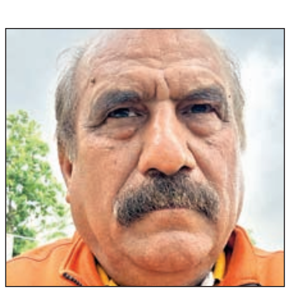

इस प्रोग्राम के तहत झारखंड के नौ जिलों में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जायेगा। यह पहल न केवल रोजगार परक कोर्सेज प्रदान कर रही है। बल्कि भविष्योन्मुखी तकनीकों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ), रोबोटिक्स, और 5जी को शामिल करने की योजना के साथ वोकेशनल शिक्षा को नयी ऊंचाइयों तक ले जा रही है। यह कार्यक्रम विशेष रूप से उन महिलाओं के लिये डिजाइन किया गया है जो आत्मनिर्भर बनना चाहती हैं। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद छात्राओं को नोएडा में स्थापित ट्रांजिट होम में स्थानांतरित किया जाता है। यहां उन्हें नौकरी के अवसर प्रदान किये जाते हैं। जेआइटीएम स्किल्स ने 50 से अधिक कंपनियों के साथ साझेदारी की है, जो प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार प्रदान करती है। ऑन-जॉब ट्रेनिंग और इंडस्ट्री एक्सपोजर के माध्यम से छात्रों को उद्योग की मांगों के अनुरूप तैयार किया जाता है। प्रशिक्षण पूरा होने पर मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्र प्रदान किये जाते हैं। पूर्व प्रोफेसर दिल्ली यूनिवर्सिटी योगेश कुमार ने कहा कि हमारा लक्ष्य झारखंड के युवा न केवल वर्तमान की जरूरतों को पूरा करें, बल्कि अक रोबोटिक्स और 5जी जैसे भविष्योन्मुखी क्षेत्रों में भी पारंगत हो। योगेश कुमार ने कहा कि झारखंड सरकार हमारी इस पहल को पूर्ण समर्थन दे रहे हैं। सीएम हेमंत सोरेन स्वयं स्किल डेवलपमेंट में गहरी रुचि लेते हैं, और प्रमाणपत्र वितरण जैसे कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

रांची एयरपोर्ट पर इंडिगो विमान का टायर पंक्चर, उड़ान हुई रद्द

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर शुक्रवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गयी, जब कोलकाता से आया इंडिगो का एक विमान उड़ान भरने से पहले तकनीकी दिक्कत की चपेट में आ गया। पटना और लखनऊ जाने वाले यात्रियों को लेकर उड़ान भरने वाला यह विमान टायर पंक्चर होने के कारण रांची में ही ग्राउंडेड कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, यह विमान दोपहर 3:15 बजे कोलकाता से रांची पहुंचा था। लैंडिंग के बाद जब उसे एप्रन पर खड़ा कर जांच की गयी, तो अगले पहिए में तकनीकी खराबी पायी गयी। इसके बाद सुरक्षा कारणों से उड़ान को तत्काल रद्द कर दिया गया। इस विमान में पटना और लखनऊ के लिए यात्री सवार थे। उड़ान रद्द होने की सूचना मिलते ही यात्रियों में बेचैनी फैल गयी। एयरलाइन प्रबंधन ने पटना जाने वाले यात्रियों को टैक्सी से रवाना किया, जबकि लखनऊ की ओर बढ़ने वाले यात्रियों को पहले दिल्ली भेजा गया, जहां से उन्हें कनेक्टिंग फ्लाइट दी गयी। इंडिगो एयरलाइंस ने जानकारी दी है कि तकनीकी मरम्मत के बाद यह विमान रांची से उड़ान भरेगा।

जन्मदिन पर शिक्षिका ने विद्यालय को दिया पंखा

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय बानपुर की हिंदी शिक्षिका किरण कुमारी ने अपने जन्मदिन के अवसर पर एक सराहनीय पहल करते हुए विद्यालय को पंखा भेंट किया। यह उपहार उन्होंने विद्यालय के हॉल में पंखों की कमी को देखते हुए दिया, जिससे अभिभावकों एवं अतिथियों को मीटिंग के दौरान गर्मी से राहत मिल सके। किरण कुमारी ने बताया कि विद्यालय में बैठक के दौरान पंखे की कमी के कारण सभी को परेशानी होती थी। उन्होंने कहा कि यह पंखा एक छोटा सा प्रयास है, जिससे विद्यालय को बेहतर बनाया जा सके। इस अवसर पर विद्यालय में शिक्षिका का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया और छात्रों के बीच मिठाइयां भी वितरित की गयीं। वहीं विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिका और विद्यार्थी इस पहल से अभिभूत नजर आये। मौके पर प्रभारी प्रधानाचार्य आनंद कुमार साहू सहित शिक्षक कुंदन कुमार, विवेक कुमार, कुंज बिहारी महतो, नम्रता प्रकाश, अनामिका झा, गंगाधर मुंडा, सारिका टोप्पो, नवीन कुमार, गुंजन उरांव एवं बीएड के प्रशिक्षु उपस्थित थे।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
200000 Subscribers
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	27.6 °c	22.2 °c
सूर्यास्त (आज)	:	18.36 बजे
सूर्योदय (कल)	:	05.05 बजे

चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति : पंडाल निर्माण के लिए भूमि पूजन

मानव जीवन यात्रा को आदि से अंत तक दिखायेगा : रमेश सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आषाढ़ शुक्ल द्वितीया रथ यात्रा के अवसर पर शुक्रवार को रांची के मेन रोड स्थित चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति ने पंडाल निर्माण के लिए भूमि पूजन किया। भूमि पूजन कार्यक्रम में चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति के संस्थापक सदस्य अध्यक्ष रमेश सिंह सहित कई अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भूमि पूजन कार्यक्रम के बाद चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष रमेश सिंह ने बताया कि चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति का पूजा पंडाल इस बार फिर से नयी थीम पर आधारित होगा। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी सांस्कृतिक संध्या का आयोजन नवरात्र के दौरान किया जायेगा। इसमें भोजपुरी स्टार पवन सिंह सहित कई कलाकार शामिल होंगे। साथ ही पूजा के दौरान सुरक्षा के खास इंतजाम किये जायेंगे। थीम आधारित लाइटिंग भी मां भवानी के भक्तों को खास तौर पर आकर्षित करेगी। रमेश सिंह ने बताया कि मानव जीवन भ्रूण से लेकर अस्थि विसर्जन तक का प्रारूप चित्रण पूजा पंडाल में प्रदर्शित की जायेगी। समिति की ओर से विगत कई वर्षों से सनातन संस्कृति को वर्तमान समय में जागृत करने का प्रयास किया जाता रहा है।

एसबीयू में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का समापन

कार्यक्रम में भारत और विदेशों से सौ से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। शिक्षकों में अनुसंधान क्षमताओं और शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के निमित्त सरला बिरला विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट द्वारा आयोजित पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम – रिसर्च मेथडोलॉजी एडवांस्ड प्रोग्राम (रिमैप 2025) का शुक्रवार को समापन हुआ। इस कार्यक्रम में भारत और विदेशों से सौ से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया और इसमें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों द्वारा सत्रों का आयोजन किया गया। प्रमुख विशेषज्ञों में एसबीयू के कुलपति प्रो सी जगनाथन, संत जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता की डॉ सुमंत दत्ता, सनवे यूनिवर्सिटी, मलेशिया के डॉ चार्ल्स जेबराजकृती, गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के पूर्व डीन डॉ अंबरती नागेश्वर राव, बीआइटी मेसरा के प्रो आनंद प्रसाद सिन्हा, जैन यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु के डॉ पी श्रीनिवासन, वीएनएसजीयू, सूरत के डॉ धवल मेहता, प्रधान संपादक, एफआइआइबी बिजनेस रिव्यू के डॉ सुधीर राणा, फैकल्टी ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट और रिमैप 2025 के संयोजक डीन डॉ अरबिंद भंडारी शामिल हुए।

कार्यक्रम में प्रकाशन में नैतिकता, उच्च-इंडेक्स जर्नल लेखन, अनुसंधान में एआइ, मापन एवं स्केलिंग तकनीक और भौगोलिक डेटा का उपयोग जैसे प्रमुख विषय शामिल रहे। प्रतिभागियों को एसपीएसएस, एनविवो, स्मार्ट पीएलएस बिब्लियोमेट्रिक विश्लेषण और परामीट्रिक और नॉन-पेरामीट्रिक हाइपोथीसिस परीक्षण जैसे टूल्स के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

समापन सत्र में डॉ अरविंद भंडारी द्वारा कार्यक्रम की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी और प्रतिभागियों से फीडबैक लिया गया। विवि के महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक ने शिक्षकों की सामाजिक भूमिका पर बल देते हुए राष्ट्र निर्माण में सहायक प्रभावी अनुसंधान को बढ़ावा देने की बात कही। कुलपति प्रो सी जगनाथन ने रिमैप 2025 के सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति को बधाई दी और शोध प्रक्रिया में एआइ जैसी उभरती तकनीकों के समावेश की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय में मजबूत अकादमिक शोध संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए शिक्षकों और प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

रजिस्ट्रार प्रो एसबी डांडिन ने कार्यक्रम को शोध योजना के लिए दूरदर्शी रोडमैप बताया। सरला बिरला विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान और राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने इस कार्यक्रम के आयोजन पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

अमरनाथ यात्रा के लिए 170 श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

सभी अमरनाथ यात्रियों को भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संजय जायसवाल ने अंग वस्त्र और तिलक लगाकर सम्मानित किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। समाजसेवी मनोज कुमार जायसवाल के नेतृत्व में 170 अमरनाथ यात्रियों का जत्था शुक्रवार को रांची रेलवे स्टेशन से रवाना हुआ। सभी अमरनाथ यात्रियों को भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संजय कुमार जायसवाल ने अंग वस्त्र और तिलक लगाकर रवाना किये। साथ ही सभी की यात्रा मंगलमय हो इसकी कामना की।

मनोज कुमार जायसवाल ने बताया कि यात्रा जम्मू से पहलगांव, चंदनवाड़ी फिर वहां से पैदल यात्रा कर अमरनाथ का पवित्र गुफा का दर्शन करेंगे। फिर वापस श्रीनगर आयेंगे खीर भवानी का दर्शन करेंगे। इसके बाद अमृतसर में स्वर्ण मंदिर का दर्शन करेंगे और वैष्णो देवी का भी दर्शन करेंगे। इसके बाद रांची वापस लौटेंगे। रांची आने के बाद देवघर में बाबा का दर्शन करेंगे मां तारापीठ का दर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि बाबा अमरनाथ से झारखंड की खुशहाली झारखंड की जनता के चेहरे पर खुशी और अच्छी खेती हो इसका आशीर्वाद मांगेंगे। इस यात्रा में मुख्य रूप से उपस्थित श्रद्धालुओं में विजय चौधरी, अजित मालाकार, आकाश वीर, अगनु लोहरा, मनीष सोनी, नवनीत मदम, आभा कुमारी अग्रवाल, बलराम अग्रवाल, सुमित्रा देवी, अजय कुमार महतो, अमित, पंकज, अंशिका जायसवाल, विश्वजीत कुमार, राजेश कुजूर, हनी कुमार, संजू साहू, नितेश बढाई, रूपा गोप, आनंद कुमार सोनी, शक्ति कुमार सहित अन्य श्रद्धालुओं मौजूद थे।

श्री राधा कृष्ण मंदिर में महाभोग प्रसाद का वितरण

विशेष पूजा एवं भजन-कीर्तन का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग में श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम श्री राधा कृष्ण मंदिर में जगन्नाथ प्रभु की रथ यात्रा के पावन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर श्री राधा कृष्णजी का भव्य अलौकिक श्रृंगार, विशेष पूजा अर्चना, खिचड़ी प्रसाद महाभोग भजन-कीर्तन एवं सामूहिक महाआरती का आयोजन किया गया। श्री राज श्यामजी को खिचड़ी महाभोग, फल, मेवा, चूरमा, पंचामृत, पेड़ा का विधिवत भोग पुजारी अरविंद पांडे द्वारा लगाया गया। पूरे विधि विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना एवं महाआरती की गयी। तत्पश्चात भजन- कीर्तन के कार्यक्रम में महिलाओं ने अपने सुमधुर मनमोहक भजनों से भक्तों को अमृत गंगा का रसपान कराते हुए खूब झूमाया। मंदिर में सैकड़ों भक्तों ने सामूहिक महाआरती में भाग लिया। तत्पश्चात हजारों श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी महाभोग प्रसाद का वितरण किया गया। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल एवं प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने कहा कि मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। उन्होंने कहा कि जगन्नाथ प्रभु जी की रथ यात्रा महोत्सव आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। रथ यात्रा (श्रीकृष्ण), बलभद्र और सुभद्रा से जुड़ी होती है। इस दिन श्रीकृष्ण उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को सजाकर उनकी रथ यात्रा निकाली जाती है। रथ खींचने का पुण्य अगाध माना जाता है। भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने के बाद भक्तों की सारी पीड़ाएं और समस्याएं दूर होती है। 27 जून से प्रारंभ होकर 6 जुलाई तक फैला यह महोत्सव भव्य रथों, अनुष्ठानों और भक्तों की भावनाओं का संगम है। इस मौके पर डूंगरमल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, मनोज चौधरी, सज्जन पाड़िया, संजय सर्राफ पूरणमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल, विशाल जालान, विष्णु सोनी, सुनील पोद्दार, सुरेश अग्रवाल, पवन पोद्दार, नंदकिशोर चौधरी, प्रमिला पुरोहित, उर्मिला पाडिया, कविता गाडोदिया, संतोष देवी अग्रवाल, सत्यभामा गोयनका, मंगला मोदी, ललिता अग्रवाल, शकुंतला केजरीवाल उपस्थित थे।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में वात्सल्यम 2 का आयोजन

वीर नारियों की गाथाओं से गूंजा मंच

कार्यक्रम में रथ यात्रा की भव्य झांकी प्रस्तुत की गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची में वात्सल्यम 2 के अंतर्गत ग्रैंडपैरेंट्स डे का भव्य आयोजन अत्यंत श्रद्धा, प्रेम और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन एमपावेरिया-भारतीय नारियों की गौरवगाथा विषय पर केंद्रित था। इस अवसर पर रथ यात्रा उत्सव को भी पारंपरिक भव्यता के साथ मनाया गया। सरला बिरला विश्वविद्यालय के महानिदेशक प्रो डॉ गोपाल पाठक भी इस मौके पर उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मधुर स्वागत गीत एवं नृत्य ने वातावरण को उल्लास से भर दिया। कार्यक्रम में रथ यात्रा की भव्य झांकी प्रस्तुत की गयी, जिसमें विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक समन्वय और परंपराओं की झलक को सुंदरता से मंचित किया। इसके उपरांत विद्यालय की उपलब्धियों का वार्षिक प्रतिवेदन वाइस हेड बॉय द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसमें शैक्षणिक, सह-पाठ्य और सांस्कृतिक क्षेत्रों में विद्यालय की उपलब्धियों का विस्तार से वर्णन किया गया। वर्ष 2025 की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मंच पर सम्मानित किया गया और उनकी प्रेरक सफलता की कहानियां भी साझा की गयीं।

पहली कक्षा के विद्यार्थियों ने भारतीय इतिहास की महान नारियों की गाथाओं को बड़ी आत्मीयता और जीवंतता से प्रस्तुत किया। मंच पर मीरा बाई की श्रीकृष्ण के प्रति भक्ति, नायकी देवी के साहस, रानी राशमोनी के सामाजिक योगदान, जीजा बाई के प्रेरणादायी नेतृत्व, रानी गाइडिन्ल्यू के देशभक्तिपूर्ण योगदान और माता भागो की वीरता की अत्यंत सजीव एवं सराहनीय प्रस्तुति अभिनय के माध्यम से दर्शायी गयी। रथ यात्रा एवं सावन के पावन मौसम पर आधारित एक विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुति ने दर्शकों को परंपरा, भक्ति और उल्लास से ओत-प्रोत कर दिया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन, विद्यालय गीत और राष्ट्रीय गान के साथ हुआ, जिससे संपूर्ण आयोजन को गरिमापूर्ण पूर्णता प्राप्त हुई।

सरला बिरला विश्वविद्यालय के महानिदेशक प्रो डॉ गोपाल पाठक ने संस्था को आमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि छात्रों का चरित्र निर्माण केवल शिक्षकों की ही नहीं, अपितु अभिभावकों की भी समान भागीदारी का विषय है। जब परिवार और विद्यालय एकरूप होकर मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करते हैं, तभी एक सशक्त, जागरूक और संवेदनशील पीढ़ी का निर्माण संभव होता है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारत की वीरांगनाओं की त्याग-तपस्या, साहस और योगदान से हम सबको प्रेरणा लेकर ऐसी संतानों का निर्माण करना चाहिए जो देश की गरिमा को नयी ऊंचाइयों तक पहुंचायें। प्राचार्या परमजीत कौर ने अपने प्रेरणास्पद संबोधन में छात्रों एवं शिक्षकों के सामूहिक प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि देश की वीर बेटियों की गाथाओं को मंच पर जीवंत कर बच्चों ने जिस समर्पण व आत्मविभोरता से प्रस्तुत किया, वह प्रशंसनीय है।

आज आवश्यकता है कि हम बच्चों में बचपन से ही साहस, श्रद्धा और सेवा जैसे गुणों का बीजारोपण करें। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया कि वे उन लोगों के प्रति आभारी रहें जो उनकी गलतियों को सुधारकर उनके चरित्र को आकार देते हैं। वे ऐसा इसलिए करते हैं, क्योंकि वे उनकी परवाह करते हैं और चाहते हैं कि वे खुद का एक आदर्श संस्करण बनें।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने 1960.4299 करोड़ का ऋण वितरित किया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। 27 जून को मनाये जाने वाले विश्व एमएसएमई दिवस के अवसर पर भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंकों में से एक बैंक ऑफ बड़ौदा ने ओडिशा में एमएसएमई और कृषि जैसे प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए समावेशी विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया है। वित्त वर्ष 2024-25 में बैंक ने ओड़िशा में प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र में 19604299 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किये। इसमें से एमएसएमइ को 16102960 करोड़ रुपये के ऋण और कृषि के अंतर्गत किसानों को 132739 करोड़ रुपये के ऋण वितरित की गये। बैंक अपने इस प्रयास से पूरे राज्य में रोजगार सृजन, वित्तीय समावेशन और जमीनी स्तर पर विकास करने सहायक रहा। इस अवसर पर बैंक ऑफ बड़ौदा, अंचल प्रमुख, भुवनेश्वर अंचल ने कहा कि अपार आर्थिक संभावनाओं के साथ ओड़िशा एक उदीयमान राज्य है। लघु उद्यमियों, प्रतिष्ठानों, किसानों और स्थानीय समुदाय राज्य के विकास की रफ्तार बढ़ाने और राज्य के सर्वांगीण विकास में सफलता की गाथा लिखने में अपना अतुलनीय योगदान दे रहे हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा में एमएसएमई और अन्य प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों द्वारा राष्ट्र की प्रगति में निभायी जाने वाली परिवर्तनकारी भूमिका को हम पहचानते हैं और ओडिशा राज्य में सतत और समावेशी विकास का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा की ओड़िशा में अपने 202 शाखाओं के नेटवर्क के साथ व्यापक उपस्थिति है, जिनमें से 72 प्रतिशत शाखाएं अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं। हाल ही में बैंक ने ओड़िशा में तीन महिला शाखाएं भी खोली हैं, जो पूरी तरह से महिलाओं द्वारा संचालित है ये शाखाएं महिला कर्मचारियों को महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाने के लिए अधिक अवसर प्रदान करती हैं और साथ ही महिला ग्राहकों के लिए एक सहायक वातावरण भी बनाती है।

अपराध नियंत्रण में कम्युनिटी पुलिसिंग सहायक

पुलिस और समुदाय के बीच समन्वय से बेहतर परिणाम संभव

मिथिलेश कुमार सिंह

कम्युनिटी पुलिसिंग अपराध नियंत्रण में सहायक हो सकती है। पुलिस और समुदाय में समन्वय से काफी हद तक अपराध पर काबू पाया जा सकता है। बढ़ते अपराध पर काबू पाना और विभिन्न समारोहों पर विधि-व्यवस्था संधारण पुलिस के लिए बड़ी चुनौती होती है। कम्युनिटी पुलिसिंग के माध्यम से समुदाय को अपराध की रोकथाम और सुरक्षा के बारे में जागरूक किए जाने की जरूरत है। इससे समुदाय के सदस्य पुलिस को अपराध और अपराधियों के बारे में जानकारी प्रदान कर सकते हैं। कम्युनिटी पुलिसिंग पुलिस और समुदाय के बीच विश्वास निर्माण में मदद करती है, जिससे समुदाय पुलिस के साथ सहयोग करने के लिए अधिक इच्छुक होता है।

कम्युनिटी पुलिसिंग के माध्यम से पुलिस और समुदाय मिलकर निवारक कार्यवाही कर सकते हैं, जैसे कि क्षेत्र में नियमित गश्त और निगरानी करना।

कम्युनिटी पुलिसिंग अपराध दर में कमी लाने में मदद कर सकती है, सामुदायिक सुरक्षा में सुधार करती है और समुदाय के सदस्यों को अधिक सुरक्षित महसूस कराती है। इसलिए पुलिस विभाग को इस दिशा में भी प्रयासरत रहने की आवश्यकता है। इससे अपराध दर में कमी आ सकती है। साथ ही इस प्रयास से सामुदायिक सुरक्षा में भी सुधार संभव है।

नक्सलवाद पर काबू पाने में भी सहायक है कम्युनिटी पुलिसिंग

कम्युनिटी पुलिसिंग नक्सलवाद पर काबू पाने में भी काफी सहायक साबित हो सकता है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थानीय समुदायों के विकास के लिए काम करना, जैसे कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर प्रदान करना आदि प्रयासों से ग्रामीण युवाओं को समाज के मुख्य धारा में लाने में सफलता मिल सकती है। स्थानीय लोगों को आर्थिक अवसर प्रदान करने से नक्सलवाद के प्रति आकर्षण कम हो सकता है। स्थानीय समुदायों को प्रोत्साहित करने से बेहतर और सकारात्मक परिणाम संभव है।

कम्युनिटी पुलिसिंग के माध्यम से खासकर सुदूरवर्ती ग्रामीण इलाकों में नक्सलवाद के बारे में जागरूकता अभियान चलाना और लोगों को इसके खतरों के बारे में बताया जाना चाहिए।

स्थानीय मीडिया का उपयोग करके नक्सलवाद के खिलाफ संदेश फैलाना, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लिए विशेष योजनाएं बनाना और उन्हें लागू करना, स्थानीय समुदाय को नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में शामिल करना और उन्हें आवश्यक संसाधन प्रदान करना, नक्सलियों के लिए पुनर्वास कार्यक्रम चलाना और उन्हें समाज में पुनः एकीकृत करने में मदद करना, नक्सलवाद से संबंधित मामलों में न्यायिक प्रक्रिया को तेजी से और पारदर्शी बनाना आदि उपायों को लागू करने से नक्सलवाद पर काबू पाने में मदद मिल सकती है।

(लेखक : झारखंड के सेवानिवृत्त पुलिस उपाधीक्षक हैं।)

मजदूरों का निवाला छीनने का घिनौना खेल नहीं खेलने दिया जायेगा: संतोष कुमार सोनी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मजदूरों का निवाला छीनने का घिनौना खेल नहीं खेलने दिया जायेगा। उक्त बातें झारखंड राज्य खाद्य निगम के मोटिया मजदूर संघ के केंद्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार सोनी ने कही। सोनी ने शुक्रवार को कहा कि पिछले दिनों हटिया रैक से ट्रक नंबर ओडी16ई - 7853 खाद्यान्न (गेहूं) लोड कर गुमला स्थित एफसीआई के डिपो के लिए निकली थी, लेकिन एफसीआइ और झारखंड राज्य खाद्य निगम के कुछ अधिकारियों के मिलीभगत से उक्त ट्रक के ड्राइवर को ट्रांसपोर्टर ने आदेश दिया माल सीधे कामडारा लेकर पहुंचो। इस बात को ड्राइवर मधु ने खुद स्वीकारा है, जबकि नियमानुसार रैक से लोड गाड़ी सीधे एफसीआइ का डिपो जाती है। फिर वहां कार्यरत मजदूर उसे खाली कर गोदाम में स्टॉक लगाते हैं। इसके बाद जेएसएफसी गोदामों के लिए मजदूर लोड करते हैं। इस प्रकार मजदूरों को दो बार काम करने का मौका मिलता है, लेकिन खाद्यान्न का कालाबाजारी के चक्कर में मजदूरों का हक छीन कर रैक से सीधे ब्लॉक में गाड़ी भेजा गया। खबर तो यह भी है कि उसी दिन कामडारा के अलावे बसिया में दो और पालकोट में एक ट्रक भेजा गया था। इससे साफ जाहिर होता है कि विभाग के बगैर मिलीभगत के इस तरह के बड़े पैमाने पर कालाबाजारी नहीं किया जा सकता। इधर जब मामला का उजागर हुआ तब झारखंड राज्य खाद्य एवं असैनिक आपूर्ति निगम लिमिटेड रांची के प्रबंध निदेशक सत्येंद्र कुमार ने गुमला के परिवहन-सह-हथालन अभिकर्ता रामप्रसाद सोनी को जवाब तलब किया है। पूछे गये स्पष्टीकरण में साफ साफ कहा गया है कि गेहूं लदा वाहन जो एफसीआई के डिपो में जानी है उसे जेएसएफसी गोदाम के पास ले जाना नियम के विरुद्ध है। यह कृत्य ट्रांसपोर्टर के द्वारा खाद्यान्न कालाबाजारी की मंशा को परिलक्षित करता है। वहीं सोनी ने यह भी कहा कि अगर उक्त ट्रांसपोर्टर के विरुद्ध विभाग के द्वारा कड़ी कार्रवाई नहीं की जाती है, तो बाध्य होकर आंदोलन करना पड़ेगा।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष रोजी-रोजगार में सुधार। नयी व्यापारिक योजना बनेगी। आमदनी के साधन बनेंगे।

वृष लाभ के नये अवसर। नौकरी पेशा वालों के लिए समय ठीक। यशस्वी कार्य करने का अवसर।

मिथुन घरेलू सामजस्य बनेगा। नौकरी में पदोन्नति तथा व्यवसाय में लाभ। प्रेम संबंधों में सुधार।

कर्क अध्ययन अध्यवसाय में रूचि। सुख-सौहार्द्र की वृद्धि। कर्मक्षेत्र में संतोषजनक वातावरण रहेगा।

सिंह रुके हुए कार्य में तेजी आयेगी। लाभ के नये अवसर प्राप्त होंगे। जॉब में बदलाव होगा।

कन्या बेरोजगारों को रोजगार मिलने की संभावना। क्रमशः आमदनी के साधनों में सुधार होगा।

तुला प्रेम प्रसंग में उलझनें दूर होंगी। बकाये रकम की प्राप्ति। व्यापारिक यात्रा लाभप्रद।

वृश्चिक क्रोध पर नियंत्रण रखें। परिश्रम-से नौकरी-व्यापार में उन्नति। आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी।

धनु कर्मक्षेत्र में प्रशंसनीय कार्य करने का अवसर मिलेगा। पैसे का लाभ। बड़े-बुजुर्गों का प्यार मिलेगा।

मकर भाग-दौड़ करनी पड़ सकती है। आय के स्रोत बढ़ेंगे? संतान संबंधी समस्या का हल होगा।

कुंभ कार्य में भाग्य बाधा हो सकती है। जॉब में अप्रिय प्रसंगों की प्राप्ति। सेहत को लेकर चिंता।

मीन काम-काज की स्थिति में सुधार। प्रेम संबंधों को लेकर परेशानी। नया काम करने से नुकसान।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक/अभियांत्रिकी, दक्षिण पूर्व रेलवे, चक्रधरपुर खुली निविदा के तहत ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। इस निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है, और प्राप्त ऐसे किसी भी मैनुअल प्रस्ताव को नज़रअंदाज़ कर दिया जाएगा। निविदा सूचना संख्या: सीकेपी-ईस्ट-25-26-16, दिनांक: 26.06.2025। कार्य का नाम : आदित्यपुर में द्रुत वाटरिंग व्यवस्था के प्रावधान के लिए अभियांत्रिकी कार्य। निविदा मूल्य: ₹ 1,24,58,811.18। बयाना राशि: ₹2,12,300। निविदा प्रपत्र की कीमत: ₹ 0। खुलने की तारीख: 21.07.2025। निविदा वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदादाता/बोलीदाताओं के पास क्लास-III डिजीटल सिग्नेचर प्रमाणपत्र अवश्य होना चाहिए और उन्हें आईआरईपीएस पोर्टल के अधीन अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। सिर्फ पंजीकृत निविदादाता/बोलीदाता ही ई-निविदा में भाग ले सकते हैं। ई-निविदा में भाग लेते समय सभी सम्बंधित कागजात अवश्य अपलोड करने होंगे। द्रष्टव्य: ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदादाताओं को निःशुल्क जारी किये जायेंगे (प्राधिकारी - रेलवे बोर्ड की पत्र संख्या 2020/सीई-I/सीटी/3ई/जीसीसी/पॉलिसी दिनांक 16.07.2020)। (PR-325)

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.SBP-ELECT-2025-T-249

कार्य का नाम : सुगम्य भारत अभियान के अधीन सम्बलपुर मण्डल के खरियार रोड (01), हीराकुद (01), सम्बलपुर सिटी (01) एवं रेढ़ाखोल (01) में स्थित स्टेशन भवनों में 4 संख्यक लिफ्ट का प्रावधान।

कार्य का अनुमानित लागत : ₹ 2,03,98,659.31, EMD : ₹ 2,52,000/-, कार्य पूरा होने की अवधि : स्वीकृतिपत्र जारी होने कि तिथि से 12 (बारह) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 16.07.2025 को 1530 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/ शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पन्द्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (सा) / सम्बलपुर

PR-291/Q/25-26

पूर्व मध्य रेल

ई. निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से निम्न कार्य हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई. निविदा सं० पूमरे–मुप्रअ–नि–द–पीएसएस –02–25–26 दो पैकेट सिस्टम, कार्य का नाम : सीएओ/सी/दक्षिण के अधिकार क्षेत्र के तहत गैर–ईपीसी अनुबंध के माध्यम से निष्पादित विभिन्न निर्माण स्थलों/वर्गों पर परियोजना पर्यवेक्षण सेवाएं (पीएसएस) प्रदान करना। अंकलित मूल्य (रू) : 52,40,49,540.00, बोली प्रतिभूति (रू): 27,70,300.00, कार्य पूर्ण करने की अवधि : 36 महीने। निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 16.07.2025, 12.00 बजे।

ऐसी ई–निविदाओं के तहत डाक/ कुरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल निविदा अस्वीकार्य होगा तथा उसके बारे में बिना किसी विचार के तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई–निविदा दस्तावेज सहित की संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : http//www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

द्रष्टव्य : निविदा सूचना में पाए गए किसी भी विसंगति विवरण के मामले में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा। प्रत्याशित निविदादाताओं को यह सलाह दी जाती है कि इस ई–निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/ शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम पंद्रह दिन पहले वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/दक्षिण/महेन्द्रूघाट, पटना

पीआर/493/सीओएन–एमएचएक्स/सीओएनएसटी/टी/25–26/40

चौंकानेवाली जीत

अमेरिका के सबसे बड़े शहर न्यूयॉर्क में जोहरान ममदानी की सफलता केवल चुनावी जीत नहीं, बड़े राजनीतिक और सामाजिक बदलाव की शुरुआत है। उन्होंने मेयर पद के लिए डेमोक्रेटिक प्राइमरी में पूर्व गवर्नर Andrew Cuomo को पराजित किया। ममदानी अब इतिहास रचने की दहलीज पर खड़े हैं।

जनता से संवाद : भारतीय जड़ों वाले 33 साल के इस युवा नेता ने उन लोगों की आवाज उठाई, जो न्यू यॉर्क की चकाचौंध में हाशिये पर समझे जाते हैं। उन्होंने टीवी स्टूडियो, ऑनलाइन इंटरव्यू और महंगे विज्ञापनों से ज्यादा तवज्जो जनता से सीधे संवाद को दी। वह सड़कों पर उतरे, गलियों में गये और आम लोगों से बातचीत कर उनकी नब्ज जानी। न्यू यॉर्क का वर्किंग क्लास इस शहर में बढ़ते खर्च से परेशान है, ममदानी ने इसके समाधान का वादा किया है।

मध्यम वर्ग की ताकत : उनके वादों पर गौर करें, तो फ्री पब्लिक ट्रांसपोर्ट, किराये पर लगाम, न्यूनतम वेतन जैसे मुद्दे एक नजर में न्यूयॉर्क जैसे शहर के एजेंडे से बाहर की चीज लगते हैं, लेकिन ममदानी की जीत से जाहिर होता है कि मध्यम वर्ग की समस्या हर जगह एक जैसी है। इस वर्ग को ऐसे नेतृत्व की जरूरत है, जो उनकी परेशानियों को समझ कर उनका हल पेश कर सके। ममदानी ने बिल्कुल यही किया।

ममदानी ऐसे वक्त उभरे हैं, जब ट्रंप प्रशासन प्रवासियों को लेकर बेहद सख्त है। वह इस बात के प्रतीक हैं कि अमेरिका में अब भी सपनों के लिए जगह है। हालांकि उनके सामने चुनौतियां कई हैं।

युद्ध का फैक्टर : ममदानी को प्रोग्रेसिव माना जाता है। वह उदार हैं, युवा हैं और अपनी बात स्पष्ट तरीके से रखते हैं - खास कर इस्राइल-हमास जंग के मसले पर उन्होंने बिन्यामिन नेतन्याहू को आड़े हाथों लिया। इसे भी एक अहम फैक्टर माना जा रहा है। अमेरिकी जनता जंग से त्रस्त आ चुकी है। यूक्रेन हो या गाजा - लड़ाई के खर्च का एक बड़ा हिस्सा उसकी जेब से जा रहा है। फिर गाजा में पैदा हुई मानवीय त्रासदी ने भी इस्राइली पीएम नेतन्याहू के खिलाफ गुस्सा पैदा किया है। ऐसे में ममदानी का साफ स्टैंड लेना लोगों को भा गया।

आगे बड़ी चुनौती : ममदानी ऐसे वक्त उभरे हैं, जब ट्रंप प्रशासन प्रवासियों को लेकर बेहद सख्त है। वह इस बात के प्रतीक हैं कि अमेरिका में अब भी सपनों के लिए जगह है। हालांकि उनके सामने चुनौतियां कई हैं। उनकी उम्मीदवारी तय होने के बाद राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने उन पर निशाना साधा। वह खुद भी ट्रंप की नीतियों के आलोचक रहे हैं। उनके कुछ बयानों-प्रदर्शनों से भारतीय कम्युनिटी भी नाराज है। अभी तक की उनकी सियासत किसी आंदोलनकारी जैसी रही है, लेकिन अब उनसे ज्यादा परिपक्वता की अपेक्षा होगी।

अभिमत
आजाद सिपाही

आपातकाल के दमनचक्र के पहले शिकार वे विपक्षी नेता बने जिन्होंने सरकार की नीतियों का विरोध किया था। हजारों लोगों को कठोर मीसा (मेंटिनेंस ऑफ इंटरनल सेक्युरिटी एक्ट) और भारत रक्षा अधिनियम (डिफेंस ऑफ इंडिया एक्ट) के तहत जेल में डाला गया, इसके बाद धीरे-धीरे देश का हर नागरिक देश पर थोपे गए आपातकाल के इस काले अध्याय के घावों का अनुभव करने लगा था। इस कालखंड में देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के तीन स्तंभ कहे जाने वाले कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका पर अभूतपूर्व हमला हुआ। इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार के अविवेकपूर्ण निर्णयों के दंश आज भी देश की जनता के मानस पटल पर एक भयावह स्मृति के रूप में अंकित हैं।

आपातकाल का काला अध्याय : एक त्रासद स्मृति

अर्जुन राम मेघवाल

पचास वर्ष पूर्व, 25 जून 1975 का दिन भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण दिन था जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर देश में आपातकाल की घोषणा की, जिसने देश के संविधान की आत्मा को कुचल कर रख दिया। इसके बाद देश में आपातकाल के 21 महीनों ने भारतवासियों की लोकतंत्र, सरकार और संवैधानिक विरासत की समझ को पूरी तरह से झकझोर कर रख दिया। यह वह क्षण था, जब लोकतंत्र की जननी कहे जाने वाले भारत को तत्कालीन तानाशाही सरकार के अविवेकपूर्ण और क्रूर निर्णय से शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इंदिरा गांधी को 1971 के लोकसभा चुनाव में गड़बड़ी करने का दोषी ठहराते हुए उनका लोकसभा के लिए निर्वाचन अमान्य घोषित कर दिया था। इसके बाद इंदिरा गांधी के इस्तीफे की मांग बढ़ती गयी और इसी बीच इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 की रात तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद को एक सादे कागज पर (बिना कैबिनेट की सहमति और आधिकारिक लेटरहेड के) अनुच्छेद 352 के तहत आंतरिक अशांति के आधार पर देश में आपातकाल लागू करने की सिफारिश कर दी। यह देश की संवैधानिक शासन व्यवस्था पर सीधा प्रहार था। अगले दिन 26 जून 1975 को सुबह 6 बजे कैबिनेट की बैठक में यह विषय औपचारिक रूप से प्रस्तुत किया गया। इस कदम से देश में कांग्रेस के तानाशाही शासन की शुरुआत हुई। जनता को संविधान से मिली आजादी रातों-रात समाप्त कर दी गयी।

हमारा संविधान पीढ़ियों की कुर्बानियों, बुद्धिमत्ता, आशाओं और आकांक्षाओं का परिणाम है।

अनुच्छेद 19 के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, संगठन बनाने और देश के भीतर आने-जाने की स्वतंत्रता एक झटके में खत्म कर दी गयी। जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी देने वाला अनुच्छेद 21 निरर्थक हो गया। सबसे दुखद यह था कि बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर ने संविधान के जिस अनुच्छेद 32-जो नागरिकों को न्यायालय जाने का अधिकार देता है– को संविधान की आत्मा कहा था, उसे भी निरस्त कर दिया गया।

आपातकाल के दमनचक्र के पहले शिकार वे विपक्षी नेता बने जिन्होंने सरकार की नीतियों का विरोध किया था। हजारों लोगों को कठोर मीसा (मेंटिनेंस ऑफ इंटरनल सेक्युरिटी एक्ट) और भारत रक्षा अधिनियम (डिफेंस ऑफ इंडिया एक्ट) के तहत जेल में डाला गया, इसके बाद धीरे-धीरे देश का हर नागरिक देश पर थोपे गए आपातकाल के इस काले अध्याय के घावों का अनुभव करने लगा था। इस कालखंड में देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के तीन स्तंभ कहे जाने वाले कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका पर अभूतपूर्व हमला हुआ। इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार के अविवेकपूर्ण निर्णयों के दंश आज भी देश की जनता के मानस पटल पर एक भयावह स्मृति के रूप में अंकित हैं। मेरे 90 वर्षीय दादा जी को उसी दौर में अपने रोजमर्रा के काम के दौरान गायों की देखभाल करते हुए ऊंगली में गहरी चोट लग गई थी जिसके इलाज के लिए उन्हें बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन अस्पताल में उन्हें पता चला कि नसबंदी लक्ष्यों को पूरा करने के सरकारी दबाव के चलते डॉक्टर उन्हें जबरदस्ती नसबंदी के लिए तैयार कर रहे हैं। इस अमानवीय स्थिति को भांपते हुए मेरे दादा जी अस्पताल से भाग निकले और बिना इलाज के वापस लौट गए। इस प्रकार जनता को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले अस्पताल भयावह कष्ट देने वाले केन्द्र के रूप में बदल गये थे। हालांकि वे बच गये, लेकिन उस भयावह अनुभव ने पूरे समुदाय को गहरे डर और सदमे से भर दिया था। दुर्भाग्यवश 1975 से 1977 के बीच एक करोड़ से अधिक लोगों की जबरन नसबंदी करा दी गई- यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे शर्मनाक अध्याय बन गया। उस काले दौर में प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग केवल एक परिवार के हित में किस हद तक किया गया, इसका सबसे बड़ा उदाहरण 24 मार्च 1976 को संजय गांधी की बीकानेर यात्रा थी। न तो उनके पास कोई संवैधानिक पद था, न ही वे राजकीय अतिथि थे, फिर भी उनके स्वागत में सरकारी संसाधनों की खुलकर बबार्दी की गयी। उस समय मैं डाक एवं तार विभाग में टेलीफोन ऑपरेटर था और मुझे यह जानकर घोर आश्चर्य हुआ कि रैली में विशिष्ट लोगों के लिए बनाए गए मंच के नीचे अस्थायी टेलीफोन कनेक्शन लगाने के आदेश दिये गये–जबकि ऐसी व्यवस्था केवल प्रधानमंत्री के लिए की जाती है। यह घटना सरकारी तंत्र पर संजय गांधी के न केवल अनुचित प्रभाव को दर्शाती है, बल्कि यह बताती है कि कैसे तत्कालीन सरकारी तंत्र को व्यक्तिगत और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति हेतु काम करने के लिए विवश कर दिया गया था। ऐसे दौर में जबकि सामान्य जनता के मौलिक अधिकार छीन लिये गये थे, तब जनता के पैसों से किये गये ऐसे दिखावे संविधान की गरिमा के प्रति घोर उपेक्षा और सरकार के नैतिक पतन को दर्शाते हैं। वह भारत में लोकतंत्र के हनन का सबसे बुरा दौर था।

आपातकाल के दौरान इंदिरा गांधी की सत्तालोलुपता का एक दूसरा उदाहरण 42वें संविधान संशोधन करना था जिसके माध्यम से लोकसभा का कार्यकाल पांच वर्ष से बढ़ाकर छह वर्ष कर दिया गया। ऐसा कर-के लोकतंत्र में जनादेश की गरिमा को और अधिक कम किया गया और आम चुनाव कराए बिना सरकार के कार्यकाल को बढ़ा दिया गया। इस संशोधन के द्वारा संविधान की उद्देश्यिका में तीन नये शब्द सामाजिक, पंथनिरपेक्ष और अखंडता जोड़े गये और ऐसा करके मूल संविधान से छेड़छाड़ की गी। आपातकाल के दौरान सरकार द्वारा 48 अध्यादेश जारी किये गये और इन्हें पारित करने में संसद में चर्चा, विधेयकों की जांच-पड़ताल और संशोधन करने की प्रक्रिया की अनदेखी की गयी।

हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस समय मात्र 25 वर्ष के थे, लेकिन उन्होंने साहसपूर्वक इस तानाशाही शासन का विरोध किया। उन्होंने अपनी पहचान छिपाकर अलग-अलग नामों से भूमिगत रहकर गुप्त बैठकों का आयोजन किया और आपातकाल विरोधी साहित्य एवं पत्र-पत्रिकाओं के प्रकाशन एवं वितरण में यत्न से जुटे रहे। जब आरएसएस को प्रतिबंधित कर दिए जाने के कारण इसे भूमिगत होना पड़ा तब मोदी जी ने गुजरात लोक संघर्ष समिति के महासचिव के रूप में लोकतंत्र की रक्षा हेतु अहम भूमिका निभायी।

विगत में संविधान की आत्मा पर किए गए गहरे प्रहार की याद में मोदी सरकार ने 11 जुलाई 2024 को जारी की गयी गजट अधिसूचना के माध्यम से 25 जून का दिन संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। यह दिन उस विश्वसघात की याद दिलाता है जो आपातकाल के दौरान संविधान के मूल सिद्धांतों के साथ किया गया था।

यह प्रत्येक नागरिक को लोकतंत्र का जागरूक प्रहरी बनने की प्रेरणा देता है, ताकि हम इतिहास के उन काले अध्यायों से सीख प्राप्त करें और हम काफी यत्न से प्राप्त की गयी स्वतंत्रता के मूल्यों की रक्षा कर सकें। देश में आपातकाल का काला अध्याय 50 वर्ष पहले समाप्त हो गया है लेकिन वह भयावह दौर हमें इस बात की याद दिलाता है कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए हमें हमेशा सजग प्रहरी बने रहने की आवश्यकता है।

हमारा संविधान पीढ़ियों की कुर्बानियों, बुद्धिमत्ता, आशाओं और आकांक्षाओं का परिणाम है। आज जब भारत हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में विकसित भारत @ 2047 की ओर अग्रसर है, तो हमें एक जीवंत और विकसित लोकतांत्रिक राष्ट्र के निर्माण हेतु अपने नागरिकों के संकल्प से सामर्थ्य प्राप्त कर राष्ट्र की पवित्रता की रक्षा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को एक बार फिर से दोहराने की आवश्यकता है।

(लेखक : केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री, भारत सरकार हैं।)

कोल्हान की खबरें

जहां सोच-श्रद्धा और सेवा है वहां महाप्रभु जगन्नाथ हैं : काले

- देवनगर, बाराद्वारी की भव्य रथयात्रा में शामिल हुए काले, श्रद्धा और आस्था का उमड़ा जनसैलाब

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। बाराद्वारी स्थित देवनगर गांधी आश्रम श्री जगन्नाथ मंदिर में आयोजित भव्य रथयात्रा महोत्सव अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और माता सुभद्रा जी की पारंपरिक रथयात्रा ने सम्पूर्ण क्षेत्र को भक्तिरस में सराबोर कर दिया।

इस पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी झारखंड के प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने महाप्रभु के रथ को खींचने का सौभाग्य प्राप्त किया और श्रीजगन्नाथजी के श्रीचरणों में नमन कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की मंगलकामना की।

श्री काले ने कहा कि महाप्रभु श्री जगन्नाथ की रथयात्रा न केवल धार्मिक आस्था का उत्सव है, बल्कि यह हमें एकता, सेवा और समर्पण का भी संदेश देती है। हमारा शहर एक शांतिप्रिय और सौहार्दपूर्ण समाज का प्रतीक है, जहां हर पर्व और त्योहार मिल-जुलकर उल्लासपूर्वक मनाया जाता है। यहां जनमानस की श्रद्धा और भक्ति देख कर गर्व और आनंद होता है। मैं प्रार्थना करता हूं कि भगवान जगन्नाथ की कृपा सदैव सभी श्रद्धालुओं और देशवासियों पर बनी रहे। रथयात्रा से पूर्व विधिवत पूजन-अर्चन संपन्न हुआ। रथ खिंचाई के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह और भक्ति की अद्भुत छवि देखने को मिली।

टॉपर शांभवी जायसवाल को शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने एक लाख की प्रोत्साहन राशि सौंपी

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। लौहनगरी जमशेदपुर की होनहार बेटी और लोयोला स्कूल की छात्रा शांभवी जायसवाल ने आईसीएससी 2025 की 10वीं बोर्ड परीक्षा में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर पूरे देश में झारखंड का नाम रोशन किया। शांभवी ने सभी विषयों में 100 में से 100 अंक प्राप्त कर देशभर में टॉप किया।शुक्रवार को शांभवी जायसवाल के असाधारण उपलब्धि पर खुसी जाहिर करते हुए झांरखण्ड सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री रामदास सोरेन ने एक लाख की प्रतिभा प्रोत्साहन राशि प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। जमशेदपुर परिसदन में आयोजित सम्मान समारोह में मंत्री रामदास सोरेन ने शांभवी के माता पिता को भी गुलदस्ता भेट कर सम्मानित किया।

शांभवी जैसी प्रतिभाएं झारखंड की पहचान :- शिक्षा मंत्री

मंत्री रामदास सोरेन ने कहा शांभवी की यह उपलब्धि पूरे राज्य के लिए गौरव की बात है।शांभवी की सफलता के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी बधाई दी। मंत्री श्री सोरेन ने कहा झारखंड में हेमंत सरकार पूर्व से भी होनहार विद्यार्थियों को हरसंभव सहयोग करती रही और आगे भी जारी रहेगी। मंत्री ने कहा शांभवी की मेहनत,लगन और अनुशासन हर छात्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है।उन्होंने समाज के सभी लोगों से अपील की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और बच्चों को पढ़ाई के प्रति प्रेरित करें। यह न केवल एक छात्रा के सफलता की कहानी बल्कि अनुशासन,निरंतर अभ्यास,परिवार और संस्थान के सहयोग से कोई भी विद्यार्थी मुकाम हासिल कर सकते है।शांभवी के प्रयास राज्य के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

शांभवी ने मंत्री रामदास सोरेन के प्रति जताया आभार,आगे भी उपलब्धि के लिए इच्छा जताई।

शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के हाथों सम्मानित होने के बाद शांभवी के चहरे खिल उठी।उन्होंने पत्रकारो के समक्ष कहा शिक्षा मंत्री के द्वारा सम्मानित किए जाने से शिक्षा के प्रति मनोबल बड़ा है।उन्होंने राज्य के हेमंत सरकार और शिक्षा मंत्री के प्रति आभार जताया।शांभवी ने अपने माता-पिता,शिक्षकों और स्कूल प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए अपनी सफलता का श्रेय नियमित अध्ययन, आत्मविश्वास और लक्ष्य के प्रति समर्पण बताया। शांभवी ने कहा वह आगे भी अपने राज्य और देश का नाम रोशन करना चाहती है। इस अवसर पर पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी, झामुमो के वरिष्ठ नेता मोहन कार्माकर, शिक्षा विभाग के अधिकारीगण, बड़ी संख्या में शिक्षक-छात्र उपस्थित रहे।

दिनेश कुमार ने भगवान जगन्नाथ से लिया आशीर्वाद

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। महाप्रभु जगन्नाथ जी की रथ यात्रा के पावन अवसर पर लौहनगरी जमशेदपुर के विभिन्न मंदिरों से पारंपरिक रूप से रथ यात्रा निकाली गयी। शुक्रवार को बिष्टुपुर श्रीराम मंदिर, साकची उत्कल एसोसिएशन, बाराद्वारी गांधी आश्रम और मानगो हनुमान मंदिर सहित कई स्थलों पर भव्य आयोजन हुआ। पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार ने विभिन्न

स्थलों की रथ यात्राओं में भाग लिया। उन्होंने पूजा-अर्चना कर रथ की रस्सियां खींचीं और भगवान से सर्वकल्याण, सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। दिनेश कुमार ने कहा कि रथ यात्रा भारतीय संस्कृति और आस्था का जीवंत उदाहरण है, जो हमें भक्ति, सेवा और एकता का संदेश देती है। मौके पर अशोक सामंत, हरीश कुमार, किसलय, यश कुमार आदि उपस्थित रहे।

विधायक मंगल कालिंदी ने रस्सी खींच कर लिया आशीर्वाद

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ रथ यात्रा के अवसर पर जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी ने बिष्टुपुर राम मंदिर, जुगसलाई रथ गली हनुमान मंदिर, कदमा नारवा और बड़ा गोविंदपुर खाखरीपाड़ा में आयोजित रथ यात्राओं में भाग लिया। विधायक ने रस्सी खींचकर भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद लिया।विधायक ने कहा रथ यात्रा हमें त्याग, समर्पण और निःस्वार्थ सेवा का पाठ पढ़ाती है। यह पावन यात्रा झारखंडवासियों के जीवन में नई ऊर्जा और सकारात्मकता लाए यही कामना करते है। इस अवसर पर हजारों हजार की संख्या मे श्रद्धालु शामिल रहे।

सिविल कोर्ट में पेयजल उपकरण का उद्घाटन

जमशेदपुर। रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर स्टील सिटी ने शुक्रवार को साकची स्थित सिविल कोर्ट परिसर में तीन नल वाले पेयजल उपकरण और 80 लीटर की ठंडे पेयजल कियोस्क का उद्घाटन किया। साथ ही 100 लीटर क्षमता के 10 डस्टबिन और 10 पौधे भी दान किए।इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार पांडेय, प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय अजीत कुमार सिंह, विमलेश कुमार सहाय, डालसा सचिव, जिला बार संघ के सचिव कुमार राजेश रंजन सहित कई न्यायिक पदाधिकारी एवं कोर्ट के कर्मचारी व रोटरी क्लब की ओर से जिला गवर्नर आरटीएन बिपिन चाचान, आरटीएन शिल्पी चाचान, अध्यक्ष शिवानी गोयल, सचिव डॉ. प्रियंका सिंह समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

संविधान से 'सेक्युलर' और 'सोशलिस्ट' शब्द हटाने की आरएसएस की मांग पर बोला हमला

यह भारत की आत्मा पर हमला, बाबा साहेब और जयप्रकाश नारायण का अपमान : कुणाल षाड़ंगी

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा भारतीय संविधान से ₹सेक्युलर₹ और ₹सोशलिस्ट₹ शब्दों को हटाने की सार्वजनिक मांग पर देशभर में राजनीतिक घमासान शुरू हो गया।यह विवाद ऐसे समय में सामने आया जब देश में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियाँ जोरों पर हैं। ऐसे में यह बयान राजनीतिक गलियारों में बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है। शुक्रवार को जमशेदपुर परिसदन में झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता और पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी ने इस मुद्दे पर पत्रकारों के समक्ष तीखी प्रतिक्रिया दी।श्री

षाड़ंगी ने कहा भारतीय जनता पार्टी को बौद्धिक मार्गदर्शन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से मिलता है।संघ द्वारा संविधान की मूल आत्मा धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद पर सीधा प्रहार किया गया। यह केवल दो शब्दों को हटाने की बात नहीं बल्कि भारत की लोकतांत्रिक नींव और समानता के सिद्धांतों पर हमला है।उन्होंने आगे कहा यह मांग न सिर्फ बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जैसे संविधान निमार्ताओं का अपमान है।जिन्होंने भारत को एक धर्मनिरपेक्ष गणराज्य के रूप में परिभाषित किया।यह जयप्रकाश नारायण जैसे समाजवादी विचारधारा के जननायकों का भी निरादर है।जिन्होंने भारत को समाजिक न्याय और समता का रास्ता दिखाया। झामुमो नेता ने इस संवेदनशील मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से जवाब देने के लिए आग्रह किया।उन्होंने कहा देश को यह जानने का अधिकार है क्या भाजपा इस विचारधारा के साथ खड़ी है? क्या भाजपा भारत को एक धार्मिक राष्ट्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है? उन्होंने कहा आरएसएस की यह मांग भारत की आत्मा, संविधान की आत्मा और बाबा साहेब के विजन पर सीधा हमला है। इस अवसर पर राजा सिंह प्रमोद लाल शामिल रहे

रंका में किसानों के बीच 16 क्विंटल मक्का और मडुवा बीज का वितरण

रंका (आजाद सिपाही)। रंका प्रखंड विकास पदाधिकारी शुभम बेला तोपनों ने 25 जून 2025 को किसानों के बीच 16 क्विंटल मक्का और मडुआ बीज का वितरण किया। जिससे 6 क्विंटल कडुआ और 10 क्विंटल मक्का बीज शामिल है। इसके संबंध में बीटीएम त्रिभुवन सिंह ने आजाद सिपाही को बताया कि वितीय वर्ष 2025-26 में खरीफ मौसम में किसानों के बीच एनएफएसएम कोर्स सीरियल एवं एनएफएसएम फैक्ट्री सीरियल के तहत 6 क्विंटल मडुवा और 10 क्विंटल मक्का बीज प्राप्त हुआ है।जिसे चयनित गांव कुद्रुम और खुरा में मक्का तथा सेवाडीह एवं शेरासाम गांव में मडुआ बीज का वितरण किया गया। जिसका शुभारंभ रंका प्रखंड विकास पदाधिकारी शुभम बेला तोपनों, बीटीएम त्रिभुवन सिंह,बीस सूत्री प्रखंड अध्यक्ष अहमद अली अंसारी, सांसद प्रतिनिधि कमलेश नंदन सिन्हा, विधायक प्रतिनिधि चप्पू चंद्रवंशी ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर काफी संख्या में महिला पुरुष किसान उपस्थित थे।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के शिक्षक का हार्ट अटैक से निधन

केतार (आजाद सिपाही)। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के शिक्षक प्रखंड क्षेत्र के बलिगढ़ पंचायत अंतर्गत दासीपुर गांव निवासी धनंजय विश्वकर्मा लगभग उम्र 36 की तबीयत शुक्रवार की अहले सुबह अचानक बिगड़ गयी। उनके सीने में जोर से दर्द होना शुरू हुआ। आनन फानन में परिजनों ने इलाज हेतु सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल के लिए रेफर किया। जहां रास्ते में ही शिक्षक धनंजय विश्वकर्मा का मृत्यु हो गया। सदर अस्पताल गढ़वा के चिकित्सकों ने विश्वकर्मा को मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि पहले से उनका तबीयत ठीक था अचानक सीने में दर्द होने लगा एवं सांस लेने में परेशानी होने लगी थी। गढ़वा सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद घर लाया गया। मृत्यु की खबर जैसे ही गांव में मिली तो प्रखंड क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गयी। धनंजय विश्वकर्मा भरा पूरा परिवार छोड़ गये। उनके 13 वर्ष की एक पुत्री और 6 और 10 वर्ष के दो पुत्र है।

चिरइया टांड़ के सुकन साह बैजनाथ धाम के लिए रवाना

भंडरिया (आजाद सिपाही)। भंडरिया प्रखंड के मदगड़ी (क) पंचायत के चिरईया टाड गांव के निवासी सुकन साह पैदल यात्रा करते हुए बाबा भोले के नगरी बाबा बैजनाथ धाम को पैदल यात्रा मे निकले यात्रा में निकलने से पूर्व परिवार के सदस्य समेत गांव के लोगों के साथ स्थानीय शिव मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना कर यात्रा का शुभारंभ किया। इस संबंध में शिव भक्त सुकन साह से पूछे जाने पर बताया कि भगवान भोले संकर पर आस्था को लेकर हम घर से पैदल ही 600 किलोमीटर का दूरी तय कर सावन माह में जल चढ़ाने का संकल्प लेकर निकल रहा हूं। प्रतिदिन 30 किलोमीटर पैदल रेगने का लक्ष्य है आज के बीसवें दिन बाबा बैजनाथ धाम मंदिर में जलाभिषेक करेंगे। इनके यात्रा के शुभारंभ में मुख्य रूप से पुरोहित अवधेश उपाध्याय ने गांव के बाबा भोलेनाथ के मंदिर मे विधिवत पूजा अर्चना कराये। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष ठाकुर प्रसाद महतो कुंवर सिंह मंटू गुप्ता बैजनाथ साह विनोद गुप्ता, सुग्रीव प्रजापति, लव यादव, जय कुमार महतो, आनंद गुप्ता सुमित दर्जनों की संख्या में महिला पुरुष थे उपस्थित।

शिवाला मंदिर में नौ दिवसीय रामकथा शुरू

रमना (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय के नीचे बाजार शिवाला मंदिर के प्रांगण में नौ दिवसीय प्रभु श्री रामकथा गुरुवार को श्री रामदरबार के चित्र पर पूजा पाठ व आरती के बाद संगीतमय रामकथा का शुरूआत पंडित श्री दुर्गेश नंदन जी महाराज के द्वारा कही गयी। इस दौरान प्रयागराज अयोध्या से आये पंडित श्री दुर्गेश नंदन जी महाराज ने कहा कि आज लोग अपने धर्म के नहीं बल्कि पश्चिमी सभ्यता को बहुत ही तेजी के साथ अपना रहे है। जिसके कारण आज हरेक घरों में भी अफरा तफरी मची हुई है। शुकून छीन सा गया है सोशल मीडिया के सहारे जिंदगी अपना जीवन बसर कर रहे है। कहा कि आज हम सभी को मर्यादा पुरुषोतम श्री राम के आदर्श को उतारने की जरूरत है। उन्होंने श्री रामकथा महत्व के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डाक्टर पारसनाथ,बबलू गुप्ता,अर्जुन कुमार,जितेंद्र कुमार,टुनटुन सोनी,बिपुल गुप्ता,पवन गुप्ता सहित अन्य लोगों का महत्वपूर्ण भूमिका है।

पंचायत सचिवालय में ग्रामीणों को एमएसएमइ योजना की दी जानकारी

मेराल (आजाद सिपाही)। प्रखंड के चामा पंचायत सचिवालय में एमएसएमई कार्यक्रम का आयोजन जेएसएलपीएस के अध्यक्ष सुनैना देवी की अध्यक्षता में की गयी। कार्यक्रम में अग्रगति संस्था के सीएफएल सेंटर कोऑर्डिनेटर गुरूदेव विश्वकर्मा के द्वारा उपस्थित ग्रामीणों को वित्तीय साक्षरता एवं वित्तीय समावेशन की जानकारी दिया गया। मौके पर ग्रामीणों को आरबीआई एवं बैंकिंग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी के साथ-साथ साथ नियमित बचत करने एवं सामाजिक सुरक्षा योजना अंतर्गत प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, साईबर क्राइम, मुद्रा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, सावित्रीबाई फुले योजना, पर विस्तृत जानकारी देते हुए बैंक से लिए गए ऋण को ससमय वापस कर अपना क्रेडिट बनाए रखने की अपील की गई। कार्यक्रम में सुजीत कुमार, विशाल कुमार ठाकुर, किशुन विश्वकर्मा, सहिना खातून, सविता देवी, ललिता देवी, रशीद अंसारी आदि शामिल थे।

खबर का असर : एसडीएम ने डंडई में अवैध देशी शराब को लेकर चलाया सर्च अभियान

दो शराब भट्ठियां ध्वस्त महुआ जावा किया नष्ट

आजाद सिपाही संवाददाता

डंडई/ गढ़वा। सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार द्वारा अवैध शराब के व्यापार पर कड़ाई जारी है। प्राप्त शिकायतों के आलोक में शुक्रवार को उन्होंने डंडई प्रखंड के जरही गांव जाकर थाना प्रभारी अनिमेष शांतिकारी को साथ लेकर सघन सर्च अभियान एवं छापेमारी की। इस छापेमारी के दौरान उन्हें दो अवैध शराब भट्ठियां चलती हुयीं मिलीं। मिनी फैक्ट्री की शक्ल में इन दोनों अवैध शराब भट्ठियों को उन्होंने मौके पर मौजूद डंडई थाना पुलिस बल की मदद से ध्वस्त करवा दिया। इसके अलावा एक घर के बेसमेंट में शराब निर्माण की सामग्री एवं उपकरणों के अलावा एक गैलन में निर्मित शराब रखी पाई गई। उक्त सभी सामग्रियों को भी मौके पर नष्ट कर दिया गया।

थाना को नियमित गश्ती करने का निर्देश : उन्होंने उत्पाद विभाग और डंडई थाना प्रभारी को निर्देश दिया गया कि जरही गांव में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री को लेकर लगातार शिकायतें मिलती हैं, नशे के उक्त अवैध कार्य पर प्रभावी रोकथाम के लिए उन्हें नियमित कार्रवाई करनी होगी। उन्होंने कहा कि शराबखोरी हमेशा से विधि व्यवस्था बनाए रखने में सबसे बड़ी बाधक बनती है।

मुखिया और चौकीदार भी रहें सक्रिय : एसडीएम में कहा कि उनके अनुमंडल क्षेत्र में यदि किसी भी गांव में संगठनात्मक रूप से इस प्रकार के अवैध शराब के ऐसे कारखाने मिलते हैं तो संबंधित मुखिया और चौकीदार पर भी जिम्मेदारी तय की जायेगी। उन्होंने कहा कि मुखिया और ग्राम चौकीदार का भी दायित्व है कि वे अपने गांव में दिनदहाड़े चल रही इस प्रकार की आपराधिक गतिविधियों की जानकारी पुलिस और प्रशासन को दें।

कार्रवाई जारी रहेगी : संजय कुमार ने कहा कि कानून व्यवस्था के दृष्टिकोण से इस गांव पर वे नियमित नजर रखेंगे। उन्हें शिकायत मिली है कि हर रविवार यहां लगने वाले बाजार में खुलेआम अवैध शराब की बेरोकटोक बिक्री होती है, जिससे हमेशा इस गांव में अशांति और तना-तनी का माहौल रहता है। यदि उनकी आगामी स्थल जांच में इस शिकायत को सही पाया जायेगा तो इसके लिए उत्पाद विभाग के संबंधित कर्मियों और स्थानीय पुलिस की जवाबदेही सीधे तौर पर तय की जायेगी।

जरही बाजार में महुआ शरा
की हो रही खुलेआम बिक्र

ग्रामीण बोले- शराब बिक्री और लोगों को पीने से बाजार करने वाली भीड़ पर पड़ रहा दुष्परिणाम

आजाद सिपाही संवाददाता

डंडई। थाना क्षेत्र के जरही साप्ताहिक बाजार रविवार के दिन खुलेआम दुकान लगाकर शराब की बिक्री जोरों पर किया जा रहा है। जरही के हरियारा मैदान में केवल शराब और मांस की ...

पड़ रहा है। शराब खरीद... बगल चखना रख बड़े म... महुआ का शराब पी रहे हैं। शराब विक्रेता बाजार में ... होकर शराब की बिक्री जो... करते नजर आ रहे हैं। शरा... दुकान पर सबसे अधिक यु... की भीड़ देखे जा रहे हैं। जि... सबसे अधिक प्रभाव बाजार... आने बच्चों पर भी पड़ र... जरही साप्ताहिक बाजार ... के पूरे दिन हरियारा मैद...

सर्च अभियान के दौरान भट्ठी को ध्वस्त करते थाना प्रभारी और 17 जून को छपी खबर की कटिंग।

अनंत प्रताप देव ने पंचायतों में भ्रमण कर शोकाकुल परिवार को ढाढ़स बंधाया

आजाद सिपाही संवाददाता

रमना। झामुमो विधायक अनंत प्रताप देव ने प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में भ्रमण कर शोकाकुल परिवार से मिलकर ढांढस बंधाया। जिसमें मुख्य रूप से सिलिदाग पंचायत के सीताराम चंद्रवंशी,बद्री राम के पत्नी पार्वती देवी व स्वर्गीय रूपेण राम चंद्रवंशी के साथ ही भागोडीह पंचायत के चुन्दी गांव के ब्रजपात से हुई मौत हुए लखन भुईयां व संग्दीध अवस्था में कुएं में मिला विकेश साह के परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाते हुए हर संभव मदद दिलाने की बात कही। इस मौके पर विधायक अनंत प्रताप देव ने मृतक के घर पहुंचकर शोक जताते हुए स्थानीय पुलिस प्रशासन को आवश्यक दिशा निर्देश दिया है। मौके पर विधायक प्रतिनिधि रोहित वर्मा, प्रखंड अध्यक्ष विशेश्वर मेहता, युवा मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष मुन्ना पासवान, सचिव राकेश सिंह, संदीप कुमार चंद्रवंशी, अनिल गुप्ता, रामचंद्र राम,पवन गुप्ता, सोनू सिंह, नागेंद्र सिंह, सुनील राम, बबलू सिंह,सोनू सिंह, राजकुमार, लालमन मेहता, विनोद गुप्ता, राजीव कुमार सहित कई लोग मौजूद थे।

एसडीएम ने मझिआंव में दो विकास योजनाओं की जांच की

वार्ड तीन में तालाब सौंदर्यीकरण और वार्ड 11, खजुरी में पीसीसी सड़क निर्माण की हुई जांच

आजाद सिपाही संवाददाता

मझिआंव। स्थानीय विधायक नरेश प्रसाद सिंह द्वारा की गयी शिकायत के आलोक में जिला से प्राप्त जांच के आदेश के अनुपालन में सदर एसडीएम संजय कुमार ने मझिआंव नगर पंचायत क्षेत्र में चल रही दो प्रमुख विकास योजनाओं का औचक निरीक्षण किया और संबंधित पदाधिकारियों और कर्मियों की मौजूदगी में शिकायत के बिंदुओं पर जांच की। निरीक्षण और जांच के दौरान एसडीएम ने वार्ड संख्या 3 में हो रहे तालाब सौंदर्यीकरण कार्य की स्थिति जानी। इस योजना के तहत बाउंड्री वॉल और अन्य कार्य किए जा रहे हैं। संजय कुमार ने मौके पर निर्माण की गुणवत्ता और काम की प्रगति, भुगतान की स्थिति की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने वार्ड संख्या 11, खजूरी में हुए पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का भी जायजा लिया। उन्होंने सड़क की लंबाई, चौड़ाई, मोटाई और निर्माण सामग्री की जांच की तथा तकनीकी कर्मियों से बातचीत कर कार्य की तकनीकी स्थिति समझी। इस निरीक्षण के दौरान अंचल अधिकारी प्रमोद कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी शैलेश कुमार तथा नगर पंचायत के तकनीकी कर्मचारी भी उपस्थित रहे। नगर पंचायत के सभी तकनीकी अधिकारियों से आवश्यक पूछताछ भी की गयी। एसडीएम संजय कुमार ने बताया कि जांच प्रतिवेदन तैयार कर जिला के वरीय पदाधिकारियों को को सौंपा जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुणवत्ता में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और अनियमितता की स्थिति में संबंधित एजेंसियों पर सख्त कार्रवाई की अनुशंसा की जायेगी।

विद्यालय की भूमि पर अतिक्रमण की शिकायत पर एसडीएम ने की जांच, सीओ से मांगी रिपोर्ट

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने मझिआंव प्रखंड अंतर्गत रपुरा गांव के प्राथमिक विद्यालय की भूमि पर स्थानीय लोगों द्वारा जबरदस्ती जोत कोड़ के आरोप संबंधी शिकायत की स्थल जांच की। इस दौरान वे अपने साथ अंचल अधिकारी, अंचल निरीक्षक, राजस्व कर्मचारी तथा अमीन को भी साथ ले गए थे। मौके पर पहुंचकर उन्होंने न केवल शिकायत करने वाले प्रधानाचार्य बल्कि जिन पर अतिक्रमण का आरोप था उन किसानों को तथा स्थानीय लोगों को भी बुलाया गया था। सभी पक्षों से आवश्यक पूछताछ कर एसडीएम ने अंचल अधिकारी एवं उनकी राजस्व टीम को दो दिनों में नापी एवं अन्य जांच कर प्रतिवेदन समर्पित करने को कहा।

एसडीएम ने संबंधित प्रधानाचार्य को निर्देश दिया कि जब भी विद्यालय में कोई कानून व्यवस्था से जुड़ा विषय सामने आए तो वे प्रशासनिक पदाधिकारियों को शिकायत के साथ साथ अपने जिला शिक्षा अधीक्षक या प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को जरूर बताएं।

आदित्यपुर में नकली पुलिस बनकर वसूली करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

बोलेरो वाहन में पुलिस बोर्ड लगाकर करते थे भय पैदा, हुंडई वरना कार जब्त

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। आदित्यपुर क्षेत्र के ऑटो क्लस्टर के समीप ट्रैफिक पोस्ट के पास नकली पुलिस बनकर अवैध वसूली करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गौतम कुमार और कुख्यात अपराधकर्मी विक्की नंदी को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में विक्की नंदी को मास्टरमाइंड बताया जा रहा है।उल्लेखनीय है आरोपी बिना नंबर प्लेट वाली बोलेरो में काले शीशे और पुलिस का बोर्ड लगाकर राहगीरों से डराकर वसूली कर रहे थे। घटना के बाद पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत के निर्देश पर एक विशेष छापेमारी दल गठित किया गया। जिसने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को दबोच लिया।पुलिस ने दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। साथ ही हुंडई वरना कार को भी जब्त किया गया है।जिसका उपयोग आरोपी कर रहे थे। इससे पहले 9 जून को विक्की नंदी के बड़े भाई बिट्टू नंदी को भी इसी मामले में जेल भेजा जा चुका है।पुलिस अब इस फर्जीवाड़े से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुट गयी है।

विश्व एमएसएमइ दिवस पर सीआइआइ झारखंड ने विशेष सत्र का किया आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। विश्व एमएसएमई दिवस 2025 के अवसर पर सीआईआई झारखंड द्वारा स्केलिंग एमएसएमईएस टू नई हाइट्स विषय पर एक महत्वपूर्ण सत्र का आयोजन किया। शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य एमएसएमईएस को वित्तीय पहुंच, सरकारी योजनाओं की जानकारी,स्किल डेवेलपमेंट और डिजिटल परिवर्तन के जरिये प्रतिस्पर्धी एवं भविष्य-उन्मुख बनाने पर केंद्रित करना रहा। कार्यक्रम में सीआईआई झारखंड राज्य परिषद के उपाध्यक्ष दिलू पारिख, जमशेदपुर जोनल काउंसिल के उपाध्यक्ष विशाल अग्रवाला, एमएसएमई पैनल संयोजक राजीव बंसल, पूर्व चेयरमैन रंजीत सिंह, सह-संयोजक राजीव शुक्ला एवं पूर्व चेयरमैन तपस साहू समेत कई उद्योग जगत के प्रमुख वक्ताओं ने एमएसएमई सेक्टर के चुनौतियों और संभावनाओं पर विचार साझा किया। वक्ताओं ने एमएसएमई को आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य में रीढ़ की हड्डी बताते हुए स्थायित्व, नवाचार, और ग्लोबल वैल्यू चेन से जुड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया।कार्यक्रम में सरायकेला-खरसावां जैसे औद्योगिक क्षेत्रों की भूमिका की सराहना की गई और सीआईआई के मार्गदर्शन में नए विचारों और सहयोग की भावना को बल मिला।सीआईआई झारखंड ने एमएसएमईएस को प्रशिक्षण, नेटवर्किंग और नीति संवाद के माध्यम से सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

सुब्रतो कप फुटबॉल टूर्नामेंट में पतरिया और खरौंधा की टीम विजेता

आजाद सिपाही संवाददाता

कांडी। प्रखंड मुख्यालय स्थित जमा दो उच्च विद्यालय कांडी के खेल मैदान में प्रखंड स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। टूर्नामेंट में दो आयु वर्गों 17 वर्षीय और 15 वर्षीय बालक वर्ग में मुकाबले खेले गये। 17 वर्षीय बालक वर्ग में जमा दो उच्च विद्यालय खरौंधा की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबले में जमा दो उच्च विद्यालय गरदाहा को 2-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस वर्ग में कुल चार टीमों ने हिस्सा लिया। वहीं 15 वर्षीय बालक वर्ग में कुल 17 टीमों ने भाग लिया। रोमांचक फाइनल मुकाबला जमा दो उच्च विद्यालय कांडी और मध्य विद्यालय पतरिया के बीच खेला गया। निर्धारित समय और पेनाल्टी शूटआउट में स्कोर बराबर रहने के बाद मैच का निर्णय टॉस से किया गया, जिसमें मध्य विद्यालय पतरिया विजयी रही। तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में जमा दो उच्च विद्यालय गरदाहा ने मध्य विद्यालय अधौरा को 2-0 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। इससे पूर्व टूर्नामेंट का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश सहाय और विद्यालय के प्राचार्य निरंजन साहू ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मैच रेफरी के रूप में लक्ष्मण राम और रौशनदीप टोप्पो ने अपनी भूमिका निभायी। इस अवसर पर बीपीओ रविंद्र कुमार मेहता, बीआरपी जय प्रकाश लाल, सीआरपी प्रभु राम, खेल शिक्षक राजेश चंद्रवंशी, अजय कांत, आशा कुमारी, शिक्षक महमूद अली और अवध विहारी यादव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सीवरेज निर्माण कार्य की धीमी गति पर विधायक सरयू राय ने जतायी चिंता

टाटा स्टील यूआइएसएल को लिखा पत्र

जलजमाव से जूझ रहे कई मोहल्ले, अधूरे कार्यों को जल्द पूरा करने का दिया सुझाव।

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र में टाटा स्टील यूआईएसएल द्वारा किए जा रहे सीवरेज-ड्रेनेज निर्माण कार्य की धीमी गति और अधूरे हालात को लेकर विधायक सरयू राय ने गंभीर चिंता जताई। उन्होंने टाटा स्टील यूआईएसएल के प्रबंध निदेशक को पत्र लिखकर जलजमाव से उत्पन्न समस्याओं की जानकारी दी और निर्माण कार्य तेज करने व जल प्रवाह की व्यवस्था सुचारू रखने की मांग की।सरयू राय ने पत्र में कहा क्षेत्र भ्रमण के दौरान सोनारी अमृता अपार्टमेंट, निर्मल बस्ती की जाहिरा कॉलोनी, और गांधी रोड सहित कई स्थानों पर सीवरेज कार्य अधूरा पाया गया है। बरसात का पानी इन क्षेत्रों के घरों में घुस रहा है, जिससे बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। संवेदकों द्वारा गड्ढा खोदकर छोड़ दिए जाने के कारण आवागमन बाधित है और रहवासी परेशान हैं। विधायक ने अधूरे निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण किए जाएं, जहां कार्य पूरा नहीं हो सकता, वहां मलबा हटाकर जल प्रवाह सुचारू किया जाये।

रथारुढ़ होकर भक्तों को दर्शन देने निकले भगवान जगन्नाथ

नौ दिनों तक मौसी बाड़ी में रहने के बाद छह जुलाई को मंदिर लौटेंगे तीनों विग्रह

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। जिला मुख्यालय खूंटी सहित जिले के अन्य क्षेत्रों में शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र की रथयात्रा पारंपरिक श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाली गयी। रथ यात्रा के पूर्व भगवान के तीनों विग्रहों का महास्नान, श्रृंगार सहित कई धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किये गये। जिला मुख्यालय में सीआरपीएफ 94 बटालियन के कैंप में भगवान के तीनों विग्रहों की वैदिक मंत्रों के बीच पूजा-अर्चना की गई। बाद में भंडारे का आयोजन कियाग या, जहां सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण्ण किया गया। शाम को कैंप परिसर से मिश्रा टोली स्थित दुर्गा मंदिर तक भव्य रथयात्रा निकाली गयी। सीआरपीएफ 94 बटालियन द्वारा आयोजित रथ यात्रा में सीआरपीएफ 94 बटालियन के उप कमांडेंट जयप्रकाश सिंह, चिकित्सा अधिकारी डॉ विनय कुमार यादव, खूंटी एसडीपीओ वरुण रजक, सूबेदार मेजर/जीडी संजीव कुमार, निरीक्षक/जीडी अजीत कुमार ठाकुर समेत सीआरपीएफ 94 बटालियन के अन्य अधिकारी व जवानों के अलावा क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालु महिला-पुरुष शामिल हुए। दूसरी ओर जिले के जरियागढ़ में दो रथ यात्रा निकली गयी। एक कंसारी मुहल्ले से यात्रा निकाली गयी, तो दूसरी राज परिवार की ओर से मदनमोहन गुड़ी में तीनों विग्रहों को रथारूढ़ किया और वहां से पुराने किले तक रथयात्रा निकाली गयी। जैसे ही रथयात्रा निकली, रथ का रस्सा खींचने के लिए लोगों में होड़ मच गयी। हर कोई रथ के रस्से या रथ को छूने के लिए आतुर दिखा। मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ के रथ का रस्सा को छू लेने मात्र से सभी तरह के पापों का नाश हो जाता है। भगवान के रथ के आगे भक्त मृदंग और ढोल-मंजीरे के ताल पर नाचते-गाते और भजन करते चल रहे थे। इसके अलावा कर्रा प्रखंड के झपरा, तोरपा प्रखंड मुख्यालय और तपकरा में भी पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ रथयात्रा निकाली गयी। नौ दिनों तक अपनी मौसी के घर(मौसी बाड़ी या गुंडिचा मंदिर) में रहने बाद आषढ़ शुक्ल पक्ष एकादशी अर्थात छह जुलाई को घुरती रथ के दिन तीनों विग्रह मुख्य मंदिर में लौट आयेंगे।

तोरपा की रथ यात्रा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। आषाढ़ शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि शुक्रवार को तोरपा के कोटेंगसेरा स्थित जगन्नाथ मंदिर से भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की रथयात्रा धूमधाम और पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ निकाली गयी। जय जगन्नाथ के उद्घोष के बीच भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा व भाई बलभद्र के विग्रहों को रथारुढ़ कर सैकड़ों श्रद्धालु उसे खींचकर मौसीबाड़ी तक ले गये। यात्रा के दौरान रथ का रस्सा पकड़ने के लिए श्रद्धालुओं में होड़ मची रही। शाम पांच बजे विग्रहों को रथारुढ़ किया गया और पूजा-अर्चना के बाद महाआरती की गयी और रथयात्रा निकाली गयी। राजा प्रशांत राय रथ के आगे झाड़ू लगाते चल रहे थे। मंदिर परिसर से रथयात्रा शुरू होकर, खसुआ टोली, कर्रा मोड़, मेन रोड होते हुए हिल चौक तक गयी। रथयात्रा पुनः उसी मार्ग से वापस लौटकर मौसीबाड़ी पहुंची। इसके पूर्व सुबह में मंदिर में भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र व बहन सुभद्रा की विधि विधान से पूजा-अर्चना की गयी। रथयात्रा में पूर्व विधायक कोचे मुंडा, संतोष जायसवाल, राधा दास, मंगल निलय दास, वीरेंद्र यादव, राजेश यादव, मनोज यादव, नीलांबर यादव, वीरेंद्र ओहदार, रामधन प्रभु, अनूप, चंद्रसेन हाजरा, विनोद भगत, कृष्णा आदि शामिल हुए। बड़ाईक टोली में हुई पूजा तोरपा के बड़ाईक टोली में भी भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र व बहन सुभद्रा की पूजा की गयी।

होमगार्ड बहाली में शामिल होनेवाले अभ्यर्थियों को गणेश स्पोर्टिंग क्लब देगा निःशुल्क प्रशिक्षण

पिपरवार (आजाद सिपाही)। झारखंड गृह रक्षा वाहिनी (होमगार्ड) बहाली में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को गणेश स्पोर्टिंग क्लब राय के द्वारा निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जायेगा। इस संबंध में गणेश स्पोर्टिंग क्लब राय के संस्थापक सह सचिव गणेश कुमार महतो ने बताया कि कोयलांचल क्षेत्र के वैसे महिला एवं पुरुष जिनका उम्र 19 वर्ष से लेकर 40 वर्ष तक के बीच हो, वैसे लोगो के लिए झारखंड गृह रक्षा वाहिनी (होमगार्ड) के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरा जा रहा है। उन्होंने इच्छुक अभ्यर्थियों से भी ज्यादा से ज्यादा संख्या में फॉर्म भर कर राष्ट्र की सेवा करने के लिए अहम योगदान देने की अपील की है। ऑनलाइन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 30 जून तक निश्चित है। साथ ही उन्होंने बताया कि होमगार्ड बहाली में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को गणेश स्पोर्टिंग क्लब की ओर से 1600 मीटर दौड़, ऊंची कूद, लंबी कूद एवं गोला फेंक का निःशुल्क प्रशिक्षण प्रतिदिन सुबह व शाम को अंबेडकर मैदान राय एवं डकरा स्टेडियम में दिया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए मोबाईल नंबर 7485857696, 8340792709 पर संपर्क करने की अपील की गयी।

खूंटी जिला सीलमबम संघ का गठन राजकुमार गुप्ता बने अध्यक्ष

राजकुमार गुप्ता।

खूंटी (आजाद सिपाही)। खूंटी जिला सीलमबम संघ का गठन शुक्रवार को किया गया। राजकुमार गुप्ता को संघ का अध्यक्ष बनाया गया है। इनके अलावा उपाध्यक्ष अनूप महतो तथा मिथुन मुंडा, सचिव काजल संगा, सह सचिव सिमरन पूर्ति, कोषाध्यक्ष सनातन तिरु चुने गये। राज्य संघ के निर्देश पर खूंटी जिला सीलमबम संघ का गठन खूंटी में खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया। सिलंबन प्राचीन भारत का खेल है, जो आत्मरक्षा के लिए खेला जानेवाला लाठी खेल है। यह कला दक्षिण भारत में काफी प्रचलित है। यह खेल मिनिस्ट्री आफ यूथ अफेयर्स स्पोर्टिंग भारत सरकार खेलो इंडिया स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया स्कूली गेम्स फेडरेशन से भी मान्यता प्राप्त है।

डकरा में तूरी समाज के लोगों ने की बांसपति देव की पूजा

खलारी (आजाद सिपाही)। डकरा में तूरी समाज के बांसपति देव स्थल पर शुक्रवार को पूरा विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की गयी। यह पूजा रथ यात्रा के दिन आयोजित की जाती है। जिसमें नव दंपतियों के द्वारा पूजा अर्चना के बाद शादी का मौर (सेहरा) पूजा स्थल के पास पेड़ पर चढ़ाया गया। इस विशेष पूजा में भूतनगर, खूंटी टोला, काकोरीय टांड़ के कई नव विवाहित जोड़ा शामिल होकर पूजा की। मौके पर कैलाश तूरी, कल्पना तूरी, इंदिरा तूरी, अमित तूरी, शिल्पी तूरी, सावित्री तूरी, सुनीता देवी, सीता देवी, कौशल्या देवी, प्रतिमा देवी, नैना देवी सहित कई लोग मौजूद थे।

तोरपा के रथ मेला में डालसा ने लगाया जागरूकता शिविर

खूंटी (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नयी दिल्ली एवं झालसा रांची के निर्देश पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डीएलएसए अध्यक्ष रसिकेश कुमार के मार्गदर्शन में रथ यात्रा के उपलक्ष में शुक्रवार को तोरपा प्रखंड के जगन्नाथपुर मंदिर प्रांगण में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जागरूकता अभियान में मेला में उपस्थित लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता, वरिष्ठ नागरिकों के लिए कल्याणकारी योजनाओं, निःशुल्क अधिवक्ता, प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड, लेबर कार्ड, जॉब कार्ड, बच्चों से जुड़े अधिकार, महिलाओं से जुड़े अधिकार, वृद्धा पेंशन योजना, प्रोजेक्ट शिशु योजना, पुलिस से जुड़े महिलाओं के अधिकार और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के बारे जानकारी दी गयी। साथ ही उपस्थित लोगों को कानूनी अधिकार से जुड़े पर्चे भी बांटे गए। कार्यक्रम में डालसा के पीएलवी, अंजू कच्छप, नरेश कुमार महतो के अलावा काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। यह जानकारी डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने दी।

भगवान जगन्नाथ की निकाली गयी रथ यात्रा

बुंडू (आजाद सिपाही)। बुंडू में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा बड़े धूमधाम के साथ निकाली गयी रथ यात्रा। बुंडू की श्री श्री राधा रानी मंदिर से टावर चौक काली मंदिर चौक सुभाष चौक महावीर मंदिर चौक होते हुए मौसी बाड़ी मंदिर पहुंची। इस दरमियान बड़ी संख्या में भक्तजन भगवान जगन्नाथ की रथ की डोरी खींचने के लिए उत्सुक थे। भगवान जगन्नाथ अपनी मौसी के घर में नौ दिवस तक रहेंगे, उसके पश्चात दसवे दिन अपने घर वापस लौट जायेंगे। बुंडू में या परंपरा लगभग 200 वर्षों से चली आ रही है, जिसमें भक्तजन बड़े उत्सुकता के साथ इस रथयात्रा में भाग लेते हैं।

मानकीडीह में हर्षोल्लास के साथ निकाली गयी रथ यात्रा, भक्ति में डूबे श्रद्धालु

आजाद सिपाही संवाददाता

मानकीडीह में रथ यात्रा के दौरान रथ में सवार भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा।

सोनाहातू। शुक्रवार को सोनाहातू प्रखंड के मानकीडीह गांव में रथ यात्रा निकाली गई। लोगों ने हरे कृष्णा हरे राम की धुन पर नाचते-गाते आस्था की डुबकी लगायी। श्रद्धालुओं की भीड़ की गूंज और भक्तिमय माहौल के बीच भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा अपने भव्य रथों पर सवार होकर गांव के मौसीबाड़ी पहुंचे। ठाकुरबाड़ी मंदिर से शुरू होकर गांव के मार्गों से गुजरते हुए मौसीबाड़ी के प्रांगण में यात्रा संपन्न हुई। पुरोहित गुणाधर बनर्जी और कामेश्वर बनर्जी के द्वारा विधिवत पूजन किया गया। मौसीबाड़ी परिसर में मेला लगा। मौके पर आयोजन समिति के राधानाथ भगत, किशोरी भगत, घनश्याम भगत, मुखिया ललिता देवी, ग्राम प्रधान कार्तिक सिंह मानकी, प्रधान सिंह मानकी, चिरंजीवी सिंह मुंडा, बसंत सिंह मुंडा, प्रताप सिंह मुंडा, क्षेत्र मोहन सिंह मानकी, तुलसी स्वांसी, दुर्योधन हजाम, फागुराम लोहरा, सोनाराम पुरान, बासुदेव पुरान, राजकिशोर सिंह मुंडा, सुधीर सिंह मुंडा, विपद सिंह मुंडा सहित सभी सदस्यों का योगदान रहा।

सड़क हादसे में युवक की मौत, एक घायल

खूंटी (आजाद सिपाही)। कर्रा- रांची रोड पर कर्रा थाना क्षेत्र के कच्चाबारी पतरा टोली के समीप शुक्रवार को हुए सड़क हादसे में खूंटी निवासी सन्नी कुमार नामक 26 वर्षीय युवक की मौत हो गयी, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, खूंटी हीतूटोला निवासी शनि कुमार (28 वर्ष) अपने मित्र शांति नगर खूंटी निवासी अमर स्वासी (37 वर्ष) के साथ रांची के मेसरा कदल से कार से खूंटी लौट रहा था। लौटते समय कच्चाबारी पतरा टोली के समीप तेज रफ्तार के कारण कार अनियंत्रित होकर एक पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि सन्नी कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी, जबकि अमर स्वासी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही कर्रा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कर्रा लाया गया, जहां चिकित्सकों ने सन्नी कुमार को मृत घोषित कर दिया, वहीं गंभीर रूप से घायल अमर स्वांसी को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रांची रेफर कर दिया गया।

बारिश के कारण कई गांवों का टूटा संपर्क, आवागमन बाधित, लोग परेशान

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। कोयलांचल क्षेत्र के बुंडू पंचायत में मानसून की पहली बारिश ने लोगों की परेशानी बढ़ाकर रख दी है। अत्यधिक बारिश होने के कारण बुंडू पंचायत के कई जगहों पर निमार्णाधीन पुल पुलिया का डायवर्सन बह जाने के कारण लोगों की परेशानी बढ़ गई है। डायवर्सन बहने के कारण कई गांव का संपर्क एक दूसरे से कट गया है। जबकि आवागमन भी बाधित हो चुका है। इस संबंध में स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि बुंडू से लेकर केरेडारी के बीच करीब तीन पुल-पुलिया का निर्माण कार्य अधूरा पड़ा हुआ है। निर्माण कार्य कर रहे कंपनी के संवेदक की लापरवाही के कारण अभी तक पुल पुलिया का निर्माण कार्य पूरा नहीं किया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि हफुआ नाला के समीप बनाये जा रहे पुल का निर्माण कार्य अधूरा पड़ा हुआ है। वहीं आवागमन के लिए उसके बगल में बनाया गया डायवर्सन तेज पानी के बहाव में बह गया, जिसके कारण बूंडु, बटुका, खपिया, किरीगढ़ा, कोले, लोहरसा, हेंदेगीर, पताल, हफुआ, बाराडीह सहित अन्य कई गांव का संपर्क एक दूसरे से कट गया है। वहीं लोगों को आवागमन करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार इसकी शिकायत स्थानीय जन प्रतिनिधियों से की गयी, लेकिन किसी के द्वारा इस पर कोई पहल नहीं किया गया है, जिसके कारण ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गयी है। ग्रामीणों का कहना है कि अभी मानसून की पहली बारिश मे यह हाल हो चुका है, जबकि अभी पूरी बरसात बाकी है आगे न जाने क्या होगा। गांव के ग्रामीणों ने स्थानीय सांसद, विधायक एवं जनप्रतिनिधियों के अलावा जिला प्रशासन से इस गंभीर समस्या पर विशेष ध्यान देते हुए इसका समाधान करने की मांग की है।

चतरा जिला पीएचडी विभाग के अधिकारियों ने पिपरवार का किया दौरा

हर घर जल योजना के तहत बन रही जलमीनार और पाइप लाइन के कार्यों का किया निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बचरा दक्षिणी, बचरा उतरी और किचटो पंचायत में डीएमएफटी फंड से हर घर जल योजना के तहत बन रहे जलमीनार एवं पाइप लाइन बिछाने को लेकर शुक्रवार को पीएचडी विभाग के एसडीओ मोहम्मद फैजल ने निरीक्षण किया। उन्होंने बचरा दक्षिणी के बिसुझापा, बचरा उत्तरी के बचरा बस्ती एवं किचटो पंचायत के नगडुआ व होसीर आदि जगहों का निरीक्षण किया। इस दौरान काम में आ रही परेशानियों को देखा, जिसमें बिसझापा सपही नदी के पास कुछ काम करना रह गया है तथा नगडुआ रेल पुल के पास रेलवे से एनओसी लेकर पाइप लाइन बिछाया जायेगा। इसके बाद ही आगे काम हो सकेगा। सांसद प्रतिनिधी रविंद्र सिंह ने बताया कि रेलवे विभाग से संपर्क कर एनओसी करा लिया जायेगा। उन्होंने यह भी कहा कि सितंबर माह के अंतिम सप्ताह में बचरा बस्ती, होसीर, नगडुआ, हेमनदाग, परटांड़, हरगड़वा, हेसाबार आदि गांव में पाइप से पानी आपूर्ति का ट्रायल करने का लक्ष्य है। इसके बाद अक्टूबर महीना से नियमित पानी आपूर्ति शुरू कर दिया जायेगा। बचरा एक नंबर में जलमीनार का काम लगभग पूरा कर लिया गया है। पाइप लगाने का कार्य शुरू कर दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि विगत दिनों चतरा उपायुक्त से मिलकर डीएमएफटी फंड से हर घर जल योजना में हो रही देरी से उपायुक्त का ध्यान आकृष्ट कराया था, साथ ही पांच साल से भी ज्यादा समय से काम शुरू नही होने की जानकारी दी थी, इसके पश्चात पीएचडी की टीम ने बचरा दक्षिणी, बचरा उत्तरी, किचटो पंचायत का दौरा किया। इस अवसर पर एसडीओ मोहम्मद फैजल, सांसद प्रतिनिधि रवींद्र सिंह, जेई विपुल तिर्की, मोहम्मद जमीर, दिलेश्वर महतो, निराला संत, सरोज, शिवकुमार, केवल, मीटन आदि लोग उपस्थित थे।

मैकलुस्कीगंज में जोभीया पुल का पहुंच पथ क्षतिग्रस्त

मैकलुस्कीगंज (आजाद सिपाही)। मैकलुस्कीगंज डेगाडेगी पथ पर जोभीया पुल का पहुंच पथ क्षतिग्रस्त हो गया है। पहुंच पथ क्षतिग्रस्त होने से पुल की रेलिंग भी धंस सकता है। स्थिति ऐसा है कि पुल के पहुंच पथ पर बने गड्ढे और उसमें जमा बरसाती पानी व दिन ब दिन गड्ढे की बढ़ती गहराई, इन दिनों राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। इस मार्ग से गुजरने वाले वाहनों को पता ही नहीं चलता की गड्ढे की गहराई कितना है। वहीं गुजरने वाले राहगीरों को उठने वाले कीचड़ से पैदल व दोपहिया वाहन चालकों को अपने कपड़े बचाना भी मुश्किल हो जाता है। हेसालौंग टेना मोड़ से डेगाडेगी जाने वाले यह सड़क लातेहार जिले को जोड़ता है, जिससे होकर डुमारो पंचायत के लोग गुजरते हैं व इसी सड़क पर वाई बीएन गुरुकुलम स्कूल, जागृति विहार, डेगाडेगी पर्यटन स्थल भी अवस्थित है। कुछ महीने पूर्व ही पुलिया का निर्माण ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल विभाग व सड़क का निर्माण डीएमएफटी फंड से हुआ है। लपरा मुखिया पुतुल देवी, पूर्व अंतरराष्ट्रीय वालीबाल कोच शेखर बोस, पूर्व मुखिया दीपक राणा, महादेव राणा, वाईबीएन स्कूल के संचालक सहित आस पास के ग्रामीण ने प्रशासन से उक्त गड्ढे को भरवाकर मरम्मतीकरन करने की अपील किया है।

सीसीएल प्रबंधन और जेएलकेएम के बीच वार्ता विफल, 30 से अनिश्चितकालीन धरना की घोषणा

आजाद सिपाही संवाददाता

प्रबंधन और कंपनी के साथ वार्ता में मौजूद लोग।

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय में शुक्रवार को स्थानीय सीसीएल प्रबंधन, हेम्स कंपनी और झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के प्रतिनिधियों के बीच वार्ता हुई। जिसकी अध्यक्षता पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबंधक संजीव कुमार और संचालन कार्मिक एवं प्रशासनिक अधिकारी नागेश कुमार गोपाल ने किया। इस वार्ता में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के द्वारा बचरा रेलवे साइडिंग में कार्यरत असंगठित मजदूरों की विभिन्न समस्या एवं मांगों से संबंधित सौंपे गये मांग पत्र पर चर्चा की गयी, जिसमें मुख्य रूप से असंगठित मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी देने, एचपीसी का लाभ देने सहित अन्य मांगों पर चर्चा की गयी। वक्ताओं ने कहा कि इससे पूर्व दो महीने पहले हेम्स कंपनी के साथ वार्ता हुई थी, जिसमें असंगठित मजदूरो का वेतन बढ़ाने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन वेतन में किसी भी प्रकार की बढ़ोतरी अभी तक नहीं की गई है, जिसके कारण मजदूरों को काफी परेशानी हो रही है। मजदूरों की परेशानी को देखते हुए झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने आंदोलन का आह्वान किया है। इधर काफी विचार विमर्श के बावजूद वार्ता में किसी भी प्रकार की सहमति नहीं बनने के कारण वार्ता विफल हो गई। सीसीएल प्रबंधन और कंपनी के द्वारा इसके लिए समय मांगा गया, लेकिन जेएलकेएम द्वारा इसे स्वीकार नही किया गया। वार्ता विफल होने के बाद पार्टी के द्वारा 30 जून से पिपर वार महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना देने की घोषणा कर दी, जिससे प्रबंधन की परेशानी बढ़ गयी है। वार्ता में मुख्य रूप से पिपरवार महाप्रबंधक संजीव कुमार, कार्मिक एवं प्रशासनिक अधिकारी नागेश कुमार गोपाल, एरिया सिक्योरिटी ऑफिसर हेमचंद महतो, कार्मिक प्रबंधक अरुण कुमार महतो, साईडिंग मैनेजर धीरप्रताप सिंह, हेम्स कंपनी के डेगन प्रजापति, आरबी सिंह के अलावा जेएलकेएम के बड़कागांव विधानसभा प्रभारी बालेश्वर महतो, रतिया गंझु, बिजय कुमार महतो, दीपक कुमार महतो, कृष्णा यादव, महेंद्र महतो, मुंशी महतो सहित काफी संख्या में असंगठित मजदूर मौजूद थे।

रैयत विस्थापित मोर्चा ने सात सूत्री मांगों को लेकर 30 जून से राजधर साइडिंग बंद का किया आह्वान

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के अशोक परियोजना के राजधर साइडिंग के रैयत, विस्थापित, प्रभावित बेरोजगारों को रोजगार एवं संवैधानिक हक अधिकार देने सहित सात सूत्री मांगों को लेकर 30 जून से राजधर साईडिंग बंद का आह्वान किया है। इसको लेकर मोर्चा के क्षेत्रीय सचिव रामचंद्र उरांव ने स्थानीय सीसीएल प्रबंधन को सात सूत्री मांग पत्र देकर विस्थापित ग्रामीणों की मांगों को पूरा करने की मांग की है। साथ ही मांगे पूरी नहीं होने पर 30 जून से राजधर साइडिंग अनिश्चितकालीन के लिए बंद की घोषणा दी है। मोर्चा की प्रमुख मांगों में राजधर साईडिग में सभी तरह के ट्रांसपोर्टिंग व लोडिंग का काम रैयत विस्थापित प्रभावित को देने, सैंपलिंग कार्य मुंशी सुपरवाइजर इत्यादि कार्यों में रैयत विस्थापित प्रभावित परिवार की बहाली करने, राजधर साइडिंग को प्रदूषण मुक्त करने, राजधर रेलवे फाटक से लेकर के सीएचपी/सीपीपी, सीआईएसएफ बैरक के निकट तक सड़क का पक्कीकरण करने, राजधर साइडिंग से विस्थापित हुए रैयतों के लंबित नौकरी,मुआवजा, पुनर्वास, भूखंड के बदले एक मुस्त भुगतान अविलंब करने, एक करोड़ तक की निविदा कार्य विस्थापित बेरोजगारों को देने सहित अन्य मांगे शामिल है। उन्होंने इस आंदोलन में सभी बेरोजगार, रैयत, प्रभावित, विस्थापित ग्रामीणों को शामिल होने की अपील की है।

डकरा में शिकायत निवारण शिविर का आयोजन

खलारी (आजाद सिपाही)। सीसीएल एनके एरिया के डकरा ऑफीसर्स क्लब में शुक्रवार को शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सीसीएल मुख्यालय से आये अधिकारियों के द्वारा लोगों की समस्याएं सुनी गयी और कई समस्याओं का त्वरित निष्पादन किया गया। मुख्य कार्मिक अधिकारी शैलेंद्र कुमार ने मुख्यालय से आई टीम और क्षेत्रीय श्रमिक प्रतिनिधियों का स्वागत किया। शिकायत निवारण शिविर में पेंशन, नौकरी, प्रमोशन, ट्रांसफर, ग्रेच्युटी भुगतान सहित कई मामले रखे गये। रिटायर हो चुके कोयला कामगार और श्रमिक प्रतिनिधियों के द्वारा दर्जनों पुराने पेंशन के मामले को रखा गया और उसके जल्द से जल्द निपटारा करने का आग्रह किया गया। शिविर में मुख्यालय से आई जीएम एचआर कविता गुप्ता, चीफ मैनेजर एचआर संजय कुमार चौबे, के मैनेजर गौतम चौधरी, असिस्टेंट मैनेजर शिखा अवस्थी, एनके एरिया के मुख्य कार्मिक अधिकारी शैलेंद्र कुमार, सुमन कुमार, मोहन कुमार, अनुज कुमार, दीपक कुमार, रानी चौबे, निखिल अखौरी, ललन प्रसाद सिंह, प्रेम कुमार, विनय सिंह मानकी, मिथिलेश कुमार सिंह, शैलेश सहित काफी संख्या में रिटायर कामगार और उनके परिजन और कई संवेदक मौजूद थे।

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 28 जून, 2025
www.azadsipahi.in

छात्र संसद के गठन को लेकर हुआ मतदान

पिठोरिया (आजाद सिपाही)। प्राचार्या किरण यादव के नेतृत्व में सामाजिक विज्ञान संकाय ने छात्र संसद के गठन को लेकर विभिन्न कार्यभार के लिए छात्रों के चयन के लिए मतदान कराया। भारतीय चुनाव प्रक्रिया पर पूर्णतः आधारित छात्र संसद के विभिन्न प्रत्याशियों के लिए हुए चुनाव में छात्रों, शिक्षकों एवं शिक्षकेतर कर्मियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। विद्यालय निर्वाचन समूह ने सारी प्रक्रिया अक्षरशः पालन किया गया। मतदान के पहले नामांकन, प्रचार आदि सारे चरण प्राचार्य एवं शिक्षकों की देखरेख में पूरा कराया गया। प्राचार्या ने अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए दिए गए साक्षात्कार में कहा कि युवा ही देश में लोकतंत्र की रीढ़ हैं। इनमें आज बोई गई लोकतंत्र के मूल्य भविष्य में एक स्वस्थ लोकतंत्र का निर्माण करेंगे। अगला चरण निर्वाचन समूह और प्राचार्य द्वारा साक्षात्कार होगा जिसके बाद चयनित छात्र छात्राओं के नाम की घोषणा की जाएगी। शपथ ग्रहण सात जुलाई को होगी।

रथ पर सवार होकर मौसी के घर पहुंचे भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और बहन सुभद्रा, नौ दिन बाद लौटेंगे

राजकिले की रथ पूजा एवं मेले में उमड़ा आस्था का सैलाब, सीसीटीवी और ड्रोन कैमरे से की गयी मेले की निगरानी

आजाद सिपाही टीम

रातू/इटकी/बेड़ो। रातू के राजकिले की ऐतिहासिक रथयात्रा पूजा एवं मेले में शुक्रवार को आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। शाम पांच बजे भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथ में सवार होकर मौसी के घर चले गये। किला स्थित जगन्नाथ मंदिर में श्रद्धालुओं ने देवी-देवताओं की पूजा की और प्रसाद वितरण किया, जिसमें भक्तो की भारी भीड़ उमड़ी। पूजा अनुष्ठान राजपुरोहित भोला शंकर मिश्र ने कराया। नौ दिनों के विश्राम के बाद भगवान जगन्नाथ मुख्य मंदिर लौट आयेंगे। उधर, मेले में सभी तरह की दुकाने सजी थी। इस दौरान ठेला खोमचा वालो की चांदी रही। श्री साईं स्वयंसेवी संस्था की ओर से मेले में नियंत्रण कक्ष स्थापित किये गए थे। जबकि सीएचसी की ओर से चिकित्सा शिविर लगाया गया था। किला प्रबंधन की की ओर से पेयजल का इंतजाम किया गया था। शांति समिति के सदस्यों की ओर से मेलार्थियों के आराम के लिए भी शिविर लगाया गया था। वहीं, मेले में मौत का कुआं एवं झूले का लोगों ने खूब आंनद उठाया। पाबंदी के बावजूद मेले में मांस, मछ्ली-शराब की खूब बिक्री हुई।

सुरक्षा के थे कड़े इंतजाम

पूजा एवं मेले में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये थे। जिसकी कमान थानेदार रामनारायण सिंह ने संभाली। मेले में जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगाये गये थे। इसके अलावा ड्रोन कैमरे से भी निगरानी की जा रही थी। पूजा के सफल आयोजन में अजय नाथ शाहदेव, कर्नल संजय नाथ शाहदेव, कुसलेंद्र सिंह, आदित्यनाथ शाहदेव, कांग्रेस नेता, जेएससीए अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव, पृथ्वीनाथ शाहदेव, आदित्येन्द्र नाथ शाहदेव, नितेश लाल नाथ शाहदेव, कुमार अतुल राज, जितेंद्र सिंह, लाल प्रवीण नाथ शाहदेव, अभिषेख सिंह, दामोदर मिश्र आदि का सराहनीय योगदान रहा।

इटकी में रथयात्रा शांतिपूर्ण संपन्न

इटकी में रथ यात्रा शुक्रवार को शांतिपूर्वक एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भक्तों की भारी भीड़ के बीच भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की रथ को हाथ से खींचकर मौसीबाड़ी स्थित मंदिर में स्थापित कर दिया। इससे पहले अहले सुबह से ही भगवान जगन्नाथ मंदिर में दर्शन के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। वहीं, शाम चार बजे से भगवान के रथ को रथ यात्रा के लिए सजाना शुरू किया गया। भगवान को रथारुढ कर उनकी आरती मिट्ठू लाल साहदेव, गौरव लाल साहदेव एवं आशीष लाल शाहदेव ने किया। उधर, मेले में पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये थे।

ईंटाचिल्द्री और चनकोपी में भक्तों ने खींचा भगवान जगन्नाथ का रथ

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के ईंटाचिल्द्री और चनकोपी गांव में पारंपरिक रथयात्रा आस्था, भक्ति एवं उत्साह के साथ मनाया गया। श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर भगवान जगन्नाथ, भाई बलराम और देवी सुभद्रा की पूजा की। प्रखंड के दोनों ऐतिहासिक स्थलों में शुक्रवार की सुबह पांच बजे तीनों विग्रह की विशेष पूजा और महाआरती के बाद श्रद्धालुओं के लिए मंदिर का दरवाजा खोल दिया गया। इस दौरान ईंटाचिल्द्री में धार्मिक अनुष्ठान पंडित पंचम नारायण पांडेय और पुजारी लाल इसकलैप नाथ शाहदेव की अगुवाई में सेवईत लाल गोकुल नाथ शाहदेव और लाल मोहन नाथ शाहदेव ने किया। वहीं चनकोपी ठाकुर बाड़ी मंदिर में पुजारी कलिंद्र मिश्रा, पुरोहित बालमुकुंद मिश्रा, रामवृक्ष मिश्रा और लाल शाहदेव की अगुवाई में धार्मिक अनुष्ठान आयोजित हुआ। इस दौरान दोनों स्थलों पर रथ मेला का आयोजन किया गया। शाम 4.30 बजे ईंटा के गांव के पहान चारो उरांव द्वारा मंदिर प्रांगण में सफेद झंडा गाड़ कर विधिवत पूजा की गयी। इसके बाद शाम पांच बजे रथयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने रथ में तीनों विग्रहों को आरूढ़ कर प्रभु जगन्नाथ स्वामी के जयघोषों के साथ रथ को खींचते हुए मौसी बाड़ी तक पहुंचाया। इधर प्रखंड के चनकोपी गांव में शाम साढ़े पांच बजे भक्तों ने भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र एवं देवी सुभद्रा को रथ पर बैठा कर पूरी श्रद्धा के साथ मौसीबाड़ी पहुंचाया। दोनों जगहों पर विधि व्यवस्था के लिए बेड़ो थाना पुलिस के एएसआई अक्षय कुमार सिंह और आशीष रंजन दल बल के साथ मौजूद थे। वहीं, रथयात्रा को सफल बनाने में लाल नवल किशोर, लाल सेवक नाथ शाहदेव, मनी साहू, सतीश यादव, लाल सुमन, लाल कमलेश, लाल विक्की, लाल सूरज, लाल अभिषेक, युवराज सिंह, मुखिया अनिता बाड़ा, पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा, कलिंद्र सिंह, कलेश्वर सिंह, लाल प्रमोद, लाल सत्येंद्र, रमेश गोप, सतीश गोप, लाल अखिलेश कुमार, लाल राजेंद्र कुमार, लाल लाल मिथिलेश कुमार, लाल बिक्रम कुमार, सिकंदर सिंह, पहान सुकरा पहान, पुजार अंगनू उरांव, बिरसा उरांव, रोजा उरांव, आयोजक लाल संजय नाथ शाहदेव, सतीश शाहदेव, शशिकांत शाहदेव, सुजीत शाहदेव, सच्चिदानंद शाहदेव, संदीप शाहदेव और मुस्तकीम अंसारी आदि ने सराहनीय योगदान दिया।

रथ यात्रा में शामिल हुईं शिल्पी नेहा तिर्की भगवान जगन्नाथ के दर पर मत्था टेका

लापुंग (आजाद सिपाही)। लापुंग के लेते के जमींदार के वंशज दुर्जय कुमार लाल, विजय कुमार लाल और अजय कुमार लाल साथ उनके परिजनों ने शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और बहन सुभद्रा की विशेष पूजा की गयी। जिसके बाद रथ पर सवार होकर भगवान जगन्नाथ अपने भाई-बहन के साथ मौसी के घर चले गये। वे वहां नौ दिन तक रहेंगें। इस अवसर पर राज्य की कृषि, सहकारिता एवं पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की भी शामिल हुए। उन्होंने भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा और बलभद्र के चरणों में मत्था टेकाकर क्षेत्र की सलामती के लिए आशीर्वाद मांगा। साथ ही रथ को खींच कर मौसी के घर पहुंचाया। मंत्री ने का कि रथ यात्रा हमारे पूर्वजों की धरोहर है। इससे बचा कर रखें। रथ यात्रा आपसी भाईचारगी का संदेश देता है। भगवान के विग्रहों को रथ में सवार कर ग्रामीणों ने रस्सी के सहारे खींच कर मौसी के घर पहुंचाया। साथ ही नव दिन बाद पुनः रथ में सवार होकर लाया जाएगा। इससे पहले रथ यात्रा की शुरूआत दुर्जय कुमार लाल के वंशज इंद्रपथ लाल, शिवनारायण लाल कर्मपथ लाल की ओर से 250 वर्ष पूर्व से किचा जाता रहा है। यह रथ गुमला जिले के रामतोलया कमडारा में चलाया जाता था। 125 वर्षों से लापुंग के लेते में शुरूआत किया गया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि जन्मेजय पाठक, लखन साहू, सुदामा महली, जयंत बरला आदि मौजूद थे।

सांप के काटने से बच्चे की मौत गम में दादी ने भी तोड़ दिया दम

माली हालत खराब होने के कारण जमीन पर सोने को थे मजबूर

आजाद सिपाही संवाददाता

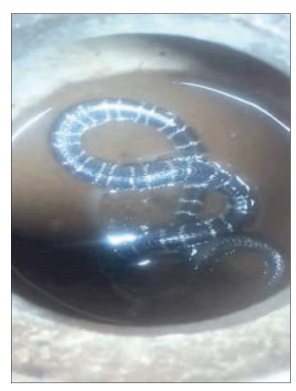

मृत बच्चे की फाइल फोटो और घायल करैत सांप।

लापुंग। प्रखंड क्षेत्र के महुंगांव पंचायत के जामाकेल गांव में गुरुवा की रात नौ बजे एक जहरीले सांप ने 12 साल के बच्चे को काट लिया, जिससे उसकी मौत हो गयी। उसकी पहचान अनिकेत उर्फ एंटोनी होरो के रूप में हुई है। वह संत मेरिस मध्य विद्यालय का छात्र था। उधर, पोते की मौत के गम में उसकी दादी रोपनी देवी की भी दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गयी। जानकारी के मुताबिक माली हालत बेहद खराब होने के कारण होरो परिवार जमीन पर ही होने को मजबूर था। इसी बीच गुरुवार की रात को भी बच्चा अनिकेत परिवार के अन्य सदस्यों के साथ जमीन पर सो रहा था। तभी करैत सांप ने उसे काट लिया। यह देख उसके परिजन तुरंत अनिकेत को लापुंग स्वास्थ्य केंद्र ले गये। जहां आठ इंजेक्शन लगाने के बावजूद इसकी तबीयत में सुधार होता ना देख चिकित्सकों ने उसे खूंटी सदर अस्पताल रेफर कर दिया। इसी बीच बच्चे की मौत हो गयी। यह देख उसकी दादी रोपनी हीरो को भी दिल का दौड़ा पड़ गया, जिससे उसकी मौत हो गयी। उधर, एक घर में दो लोगों की मौत से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गयी। पता चला है कि बच्चे की मां और पिता दोनों बाहर मजदूरी करने गये हैं। दूसरी ओर, घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया, जिनका अंतिम संस्कार गांव में किया जाएगा। लोगों की मानें तो विषैले करैत सांप को भी घायल अवस्था में रखा गया था। वहीं, खबर पाकर उप मुखिया हुलसु सह विहिप उपाध्यक्ष शुक्रवार की सुबह पीड़ित के घर पहुंचे और उन्हें सांत्वना दिया।

वाहन के धक्के से अधेड़ की मौत

बेड़ो (आजाद सिपाही)। लोहरदगा जिले के भंडरा थाना क्षेत्र के वैध खिजरी सड़क पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से 50 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गयी। उसकी पहचान मनबोध कच्छप के रूप में हुई है। घटना शुक्रवार की शाम 7.30 बजे के आसपास की है। जानकारी के मुताबिक हादसे के बाद गंभीर रूप से घायल मनबोध को आनन-फानन में बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां डॉ सुमित्रा कुमारी ने जांच के बाद मनबोध कच्छप को मृत घोषित कर दिया। इस बाबतमृतक मनबोध कच्छप की बेटी निक्की कुमारी ने बताया कि इसके पिता शौच क्रिया के लिए गए थे। वहां से वापस घर लौटने के दौरान अज्ञात वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। मृतक मनबोध कच्छप की पत्नी बुधनी देवी, बेटा सचिन कच्छप, बेटी निक्की कुमारी, तनु कुमारी और छोटा भाई अनमोल कच्छप का रो-रो कर बुरा हाल है। इधर, घटना की जानकारी मिलने पर बेड़ो थाना के एएसआई अक्षय कुमार सिंह सीएचसी पहुंचे और जानकारी ली।

ट्रेकर की चपेट में आकर महिला की मौत

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। चकला के बाइक शो रूम के पास गुरुवार की शाम सड़क पार करने के दौरान ट्रेकर की चपेट में आने से 40 वर्षीय महिला की मौत हो गयी। उसकी पहचान चकला सरना टोली निवासी सरिता देवी के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक सरिता देवी विकास बाजार से आम बेचकर मधुवन पंचवटी भवन के पास ऑटो से उतर कर सड़क पार कर रही थी। वह बाइक के शो रूम के पास सेवानिवृत्त शिक्षक कैलाश महतो रिश्ते में नाना को आम देने जा रही थी। तभी तेज गति से आ रही ट्रैकर ने अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गयी। आनन फानन में लोगों ने उसे नजदीकी डॉ आर बी सिंह के क्लिनिक ले गये, डॉ ने गंभीर स्थिति को देखते हुए रिम्स अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। वहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, अंधेरे का फायदा उठाकर भागने वाले ट्रेकर को आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की मदद से पहचान कर ली गयी है। पता चला है कि सरिता देवी के तीन पुत्र दानी नाथ कुमार, हेमंत कुमार और श्रीकांत कुमार है। वहीं, सरिता के आकस्मिक निधन से पूरा गांव में मातम है।

ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

नगड़ी (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के नारों गांव के समीप शुक्रवार की सुबह पिस्का-रांची-लोहरदगा रेल लाइन पर ट्रेन के धक्के एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। इसकी सूचना पाकर नगड़ी पुलिस घटनास्थल स्थल पहुंच गयी। वहीं, कुछ देर बाद ही मृतक की पहचान राजेश साहू (51) के रूप में हुई है। नगड़ी पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स अस्पताल भेज दिया। जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सुबह सात बजे ग्रामीणों ने रेलवे पटरी पर शव देखा। लोगों ने ही इसकी सूचना नगड़ी थाने को दी। मौके पर पहुंची नगडी पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आशंका जताई की ट्रेन की चपेट में आकर उसकी रात में ही मौत हो गई थी। शरीर पर ट्रेन की चपेट में आने से चोट के निशान भी मिले हैं। राजेश साहु लातेहार जिले के बालुमाथ थाना अंतर्गत आरा चमात गांव का हने वाला था। फिलहाल वह नगड़ी में रहकर बढ़ई मिस्त्री का काम करता था।

हुलहुंडू में पीड़ित परिवार से मिले प्रदीप तिर्की, सरकारी अनदेखी पर जतायी चिंता

नामकुम (आजाद सिपाही)। 52 पड़हा अध्यक्ष प्रदीप तिर्की ने शुक्रवार को हुलहुंडु गांव का दौरा किया और एक पीड़ित परिवार से मुलाकात की, जिनका घर मार्च महीने में गिर गया था। पीड़ित परिवार ने सरकारी सहायता के लिए आवेदन भी दिया था, लेकिन अब तक कोई मदद नहीं मिली। प्रदीप तिर्की ने बताया कि दुर्भाग्यवश घर की मरम्मत भी नहीं हो सकी थी। जिस कारण हाल ही में वह घर दोबारा गिर गया। उन्होंने सरकार से मांग की कि पीड़ित परिवार को अविलंब आर्थिक सहायता एवं आवास की सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

पौधों का वितरण

ठाकुरगांव (आजाद सिपाही)। रामकृष्ण मिशन एवं दिवयायन कृषि विज्ञान केंद्र मोराबादी के सौजन्य से शुक्रवार को बुढ़मू प्रखंड के खखरा और खरकुटोली गांव में करंज एवं जामुन के पौधों का वितरण किया गया। वितरण प्रखंड प्रमुख सत्यनारायण मुंडा, स्वामी सुखमयानंद जी महाराज एवं मुखिया कुशेन्द्र पाहन ने किया। इस अवसर पर 50 ग्रामीणों के बीच करंज पौधा, 10 किसानों के बीच जामुन पौधा व 60 किसानों के बीच आम पौधा का वितरण किया गया।

इटकी में लोढ़ा से कूच कर हत्या

रांची (आजाद सिपाही)। इटकी थाना क्षेत्र के पलमा गांव में उत्तम मलार नामक 45 वर्षीय व्यक्ति की शुक्रवार की देर शाम 7.30 बजे लोढ़ा से कूच कर हत्या कर दी गयी। इस घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई है। जानकारी के मुताबिक मलार पर लोढ़े से वार करने के बाद वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे स्वजनों और आसपास के लोगों की मदद से इलाज के लिए बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां डॉ सुमित्रा कुमारी ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। वहीं, बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची मृतक उत्तम मलार की पत्नी सिरमणि देवी ने अपने पति की हत्या करने की बात कहते हुए बार-बार बेहोश हो रही थी। इधर, घटना की जानकारी इटकी थाना प्रभारी मनीष कुमार को दी गई। इसके बाद थाना प्रभारी ने बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर घटना की जानकारी ली। उन्होनें बताया कि शनिवार को शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा। समाचार लिखे जाने जाने तक हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया था।

गरीब की बेटी की शादी में किया आर्थिक सहयोग

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। प्रखंड के मासु गांव में बेहद गरीब परिवार की बेटी प्रियंका कुमारी की शादी में आजसू की ओर से आर्थिक सहयोग किया गया। शुक्रवार को आजसू के प्रखंड अध्यक्ष जगरनाथ महतो एवं जिला सचिव सह नाइटिंगल स्कूल ऑफ नर्सिंग के निदेशक अजीत महतो ने बेटी के घर पहुंची और उसकी मां रीता देवी को खाद्य सामग्री और नकद आर्थिक सहयोग दिया। जगरनाथ महतो ने कहा कि आगे भी हर संभव सहयोग की कोशिश करेंगे। मौके पर वीरेंद्र महतो, गणेश करमाली, दीपक महतो, चंदन महतो, मनेश महतो, देवानंद महतो आदि मौजूद थे।

समारोह आयोजित कर मेधावी छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

तालीम के बिना तरक्की संभव नहीं: मुस्तफा अंसारी

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। अंजुमन फरोग-ए-तालीम के तत्वावधान में शुक्रवार को ए पब्लिक स्कूल गोंदलीपोखर में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि रिम्स अस्पताल के प्रोफेसर डॉ खुर्शीद अंसारी के अलावा विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी मुस्तफा अंसारी, डॉ असलम परवेज, अनवर खान, अब्दुल इमाम अंसारी, सिकंदर अंसारी, सरूफ खान, सत्तार अंसारी, मो उमर और सिद्धिक अंसारी शामिल हुए। इस दौरान मैट्रिक, इंटर बोर्ड, सीबीएसई एवं आईसीएसई परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करने वाली नगमा नाज, सादिया परवीन, खुशबू परवीन, हुसैन अंसारी, चांद खान, खुशनुमा परवीन, रौनक परवीन, सानिया नाज, सादिया रानी, सादिका परवीन, सानिया परवीन, बुशरा परवीन, अदीबा आफरीन एवं कहकशां परवीन को मोमेंटो, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुस्तफा अंसारी ने कहा कि तालीम के बिना तरक्की नहीं की जा सकती है। मुस्लिम समाज आज भी शिक्षा के क्षेत्र में काफी पिछड़ा हुआ है। जिसकी खास वजह शिक्षा के प्रति गलत धारणा और सोच है। इस सोच में बदलाव लाकर हीं समाज को विकसित किया जा सकता है। वहीं, डॉ खुर्शीद अंसारी ने कहा कि यह सम्मान आपको दायित्व का बोध कराता है। आप मेहनत करेंगे तो सफलता में हर कोई सहयोग करेगा। जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर ईमानदारी से प्रयास करें, निश्चित रूप से सफलता हासिल होगी। यह सम्मान और सफलता समाज के अन्य लोगों को प्रेरित करेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ साजिद अंसारी और संचालन डॉ गुलजार अंसारी ने किया। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ गुलजार, डॉ साजिद, सगीर अंसारी, साकिर अंसारी, रज्जाक अंसारी, समीर अंसारी, जमील अंसारी, आलम अंसारी, बबलू मुस्ताक, सिकंदर अंसारी आदि का अहम योगदान रहा।

दिव्यांगजनों को समर्पित प्रेरणादायक कार्यशाला

नामकुम (आजाद सिपाही)। सीआरसी रांची और दीपशिखा के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार को अपर बाजार आर्य समाज मंदिर में हेलेन केलर दिवस का आयोजन हुआ। जिसका उद्देश्य दिव्यांगजनों के अधिकारों, शिक्षा, पुनर्वास और आत्मनिर्भरता को लेकर समाज में जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और हेलेन केलर के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता डॉ अदिति भसीम ने बधिरांधता से ग्रसित दिव्यांगजनों के परिवारों में उत्पन्न मानसिक और सामाजिक तनावों पर प्रकाश डाला और समाधान सुझाए। इस मौके पर सीआरसी रांची के निदेशक सूर्यमणि प्रसाद ने कहा कि हेलेन केलर का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा है, जो यह दर्शाता है कि शिक्षा, समर्पण और समर्थन से असंभव भी संभव बन सकता है। वहीं, दीपशिखा की सचिव सुधा लहिला ने दिव्यांगता को एक अलग क्षमता बताते हुए समाज से समावेशी दृष्टिकोण अपनाने की अपील की। इसमें 75 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें दिव्यांगजन, उनके अभिभावक, छात्र-छात्राएं, सीआरसी और दीपशिखा के अधिकारी आदि शामिल थे। अंत में सभी ने सामाजिक समावेशन और दिव्यांगजनों के अधिकारों की रक्षा का संकल्प लिया।

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 28 जून, 2025
www.azadsipahi.in

गुमला में निकली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। रथ पूजा के पावन अवसर पर घाघरा प्रखंड मुख्यालय स्थित जगन्नाथ मंदिर से भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की भव्य रथ यात्रा निकाली गयी। उक्त रथ यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। चारों ओर जय श्री जगन्नाथ के उद्घोष से वातावरण गुजमान हो उठा। भव्य रूप से सजाये गये रथ को भक्तों ने रस्सी से खींचा और पूरे क्षेत्र में भ्रमण कराया। उक्त रथ यात्रा घाघरा चांदनी चौक स्थित जगन्नाथ मंदिर से शुरू होकर थाना चौक दुर्गा मंदिर स्थित मौसी बाड़ी पहुंचा। जहां तीनों का पूजन पाठ की गयी और मौसी बाड़ी में रखा गया। इस क्रम में स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार के असुविधा न हो। इसके साथ ही रथ पूजा को लेकर कई मिठाई खिलौने की दुकानें सजी। जहां लोगों ने जमकर खरीदारी किया। मौके पर लोगों ने कहा कि रथ यात्रा का यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है। बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समरसता का भी परिचायक है। मंदिर की पुजारिन प्रभा देवी ने बताया कि 9 दिनों तक भगवान जगन्नाथ बलभद्र और माता सुभद्रा मौसी बाड़ी में रहेंगे। 9 दिनों के उपरांत पुनः चांदनी चौक जगन्नाथ मंदिर में भगवान जगन्नाथ बलभद्र और माता सुभद्रा को रथ पर लाया जायेगा। मौके पर सैकड़ो की संख्या में लोग शामिल थे।

भगवान जगन्नाथ पहुंचे मौसीबाड़ी

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय एंव बनारी में शुक्रवार को रथयात्रा निकाली गयी। भगवान जगन्नाथ स्वामी, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र की इस रथयात्रा में सैकड़ों की संख्या में भक्त शामिल हुए। इस दौरान हरि बोल के उद्घोष से वातावरण गूंजता रहा। पंडित मुन्नू और टेमन दास ने तीनों विग्रहों की विधिवत पूजा- अर्चना की ओर सबों के लिए सुख, शांति, समृद्धि की प्रार्थना की। रथ यात्रा थाना परिसर स्थित मंदिर से प्रारंभ होकर मुख्यालय भ्रमण उपरांत ब्लॉक परिसर स्थित मंदिर मौसी बड़ी पहुंचा। वहीं बनारी में रथ यात्रा का आयोजन किया गया जो दुर्गा मंदिर से बाजार टाड़ स्थिति मौसी बड़ी पहुंचा जहां भक्तों का उत्साह देखते बन रहा था संयुक्त रूप से भक्तों ने रथ का रस्सी खींचक

भगवान से सुख समृद्धि की कामना की। मुनू पंडित ने कहा कि धार्मिक मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ कि इस रथ यात्रा में शामिल होने वाले भक्त को सभी तीर्थों के फल मिलता हैं। रथ यात्रा में मुख्य रूप से थानेदार राकेश कुमार भिखारी भगत मुखिया राम प्रसाद बड़ाइक केदार साहू गणेशाराम महतो बनारी में रथ यात्रा के अध्यक्ष प्रदीप उरांव सचिन जायसवाल तरुण साहू कृष्णा सिंह राजू मांझी पंचम सिंह उत्तम साहू के अलावे सैकड़ो की संख्या में भक्त उपस्थित थे।

पूजा-अर्चना के बाद बिष्णुगढ़ रायकेरा और पकरा निकली रथयात्रा

आजाद सिपाही संवाददाता

कामडारा । कामडारा प्रखंड के बिष्णुगढ़ रायकेरा और पकरा गांव में भगवान जगन्नाथ महाप्रभु के मंदिर से रथ यात्रा धूमधाम से निकाली गयी। रायकेरा में पंडित शुभांशु शेखर आचार्य और गांव पकरा में भोला दास के द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना के उपरांत रथ यात्रा निकाली गयी। पकरा बस्ती से रेल लाइन तक रथयात्रा निकाली गयी। रायकेरा गांव में रथ यात्रा का संचालन बड़ाइक अनिल सिंह ने किया। उन्होंने बताया कि इस रथ यात्रा का आयोजन हमारे पूर्वज वर्षों से करते आये हैं। वर्तमान में करीब 70 वर्षों से चली आ रही परंपरा का पालन कर रहा हूं। रथयात्रा के मौके पर रायकेरा व पकरा में मेले का भी आयोजन किया गया।उक्त दोनों जगहों पर शांति व्यवस्था को लेकर पुलिस जवान मौजूद रहे। प्रखंड में रथयात्रा शांतिपूर्ण संपन्न हुई।दोनों जगहों पर पूजा-अर्चना करने वाले भक्तों की भीड़ लगी रही।

जिले में 24 घंटे के भीतर चार ने खाया जहर, एक युवती की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुमला जिले के अलग-अलग प्रखंडों में पिछले 24 घंटे में जहर खाने से एक युवती की मौत हो गयी। जबकि तीन का सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। पहली घटना महुआ टांड़ थाना क्षेत्र की जोरी गांव की है जहां 20 वर्षीय सीता कुमारी ने चूहा मारने वाला जहर का सेवन कर लिया। स्थिति खराब होने के बाद परिजन उसे लेकर गुरुवार की देर रात सदर अस्पताल पहुंचे जहां इलाज के क्रम में शुक्रवार की दोपहर 12:30 बजे उसकी मौत हो गयी। परिजनों ने बताया उसकी दिमागी हालत खराब थी। छात्रा 7 वीं की पढ़ाई के बाद स्कूल छोड़ चुकी थी। वहीं दूसरी घटना पालकोट थाना क्षेत्र के तपकरा गांव की है जहां 18 वर्षीय लालू टेटे ने सब्जी में छिड़काव करने वाला कीटनाशक खा लिया परिजनों ने बताया गुरुवार को ही गोवा से काम कर घर लौटा था। विगत 3 वर्षों से एक लड़की को अपने पास रखा है। शाम को वह दूसरे गांव मेहमान जा रहा था पिता ने रात हो जाने का हवाला देते हुए मेहमान जाने से मना किया जिसके बाद वह दुकान से कीटनाशक ले आया और उसे खा लिया। वहीं तीसरी घटना सदर थाना क्षेत्र के मुरकुंडा गांव की है जहां 21 वर्षीय गुड्डन कुमारी ने थाइमेट का सेवन कर लिया हालांकि घटना के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। चौथी घटना सोसो महली टोली गांव की है जहां 21 वर्षीय दुर्गा कुमारी ने कीटनाशक का सेवन कर लिय। हालत खराब होने पर परिजन उसे सदर अस्पताल लेकर आये। युवती ने कीटनाशक क्यों खाया कारणों का पता नहीं चल पाया है।

घाघरा में सेनेटरी एंड टाइल्स दुकान का उद्घाटन

घाघरा (आजाद सिपाही)। घाघरा चांदनी चौक स्थित सेनेटरी एंड टाइल्स दुकान का शुभारंभ किया गया। जिसका विधिवत उद्घाटन थाना प्रभारी पुनीत मिंज, समाजसेवी शिवकुमार भगत टुनटुन, अनिरुद्ध चौबे, कृष्णा कुमार लोहरा, अगस्टिन महेश कुजूर ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। मौके पर शिवकुमार भगत और अनिरुद्ध चौबे ने कहा कि उक्त दुकान खुलने से लोगों को बाहर अब नहीं जाना पड़ेगा बेहतर समान यही प्राप्त होंगे। इसके पूर्व विधिवत पूजन पाठ कराई गई। मौके पर दुकान के संचालक अरुण कुमार पांडे, प्रदीप प्रसाद, उमेश सिंह, विनोद महतो, परमेश्वर साय सहित कई लोग उपस्थित थे।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

कैंसर से पीड़ित छात्र के इलाज में कांग्रेस नेता ने मदद का दिया आश्वासन

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुमला प्रखंड के फोरी गांव निवासी जमाल खान का 16 वर्षीय पुत्र शौकीफ खान कैंसर रोग से पीड़ित है। सदर अस्पताल में इलाज के बाद परिजन उसे अपने घर ले गए। पिता ने बताया करीब 6 माह से पुत्र को लिवर में कैंसर हो गया है। उसे दिखाने के लिए रिम्स ले गये थे जहां पेट के लिवर के मांस में कैंसर होने का पता चला उसका पेट फूल जाता है साथ ही कड़ा भी हो गया है। रिम्स के डॉक्टरों ने यहां इलाज नहीं होने की बात कही। इसके बाद उसे सदर अस्पताल लाया गया। उसके शरीर में खून की कमी हो जाती है जिसके कारण उसे हमेशा बल्ड दिया जाता है। पिता ने बताया मैं मजदूरी कर किसी तरह अपने परिवार का पालन पोषण करता हूं बेटे का ऑपरेशन कराना होगा

जिसके लिए जमशेदपुर या मुंबई ले जाना होगा। इसके इलाज के लिए मेरे पास पैसे भी नहीं है। मामले की जानकारी पर कामगार कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मुख्तार आलम पीड़ित परिवार से मिलने शुक्रवार की सुबह 10 बजे सदर अस्पताल पहुंचे वहीं पूरे मामले की जानकारी ली साथ ही मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी योजना के तहत इलाज कराने में मदद का भरोसा भी दिया।

जारी में अस्पताल तक पक्की सड़क नहीं होने से लोग परेशान

आजाद सिपाही संवाददाता

जारी। परमवीर चक्र विजेता अल्बर्ट एक्का के गृह प्रखंड में अस्पताल तक जाने के लिए पक्की सड़क है ही नही।बरसात के दिनों में मरीज गिरते पड़ते पहुंचते है अस्पताल। ज्ञात हो कि जारी प्रखंड वासियो की लम्बे अरसे से मांग थी कि जारी प्रखंड में एक अस्पताल बने। जो कि प्रखंड वासियो की मांगे पूरी हो चुकी है। लेकिन अस्पताल तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क की मांगे अब भी पूरी नही हो पाई हैं। प्रखंड के ग्रामीण जितेंद सिंह, आदित्य गिरी, मैनेजर भारती,नंद किशोर नंद,पांडु यादव,बीरेंद्र दास, आलम खान,राजू बेक सहित कई लोगो ने जानकारी देते हुए कहा कि अस्पताल जाने वाली सड़क कच्ची है और बरसात के दिनों में तो कीचड़ में सड़क तब्दील हो जाती

है। सड़क में दो पहिया वाहन तो दूर पैदल तक चलना मुश्किल हो जाती हैं और बरसात के दिनों में देखने में ऐसा प्रतीत होता हैं कि सड़क नही कोई खेत हैं। जिससे प्रखंड वासियो सहित मरीजों को आने जाने में परेशानी होती है। बारिश के मौसम में कीचड़ और जलजमाव के कारण सड़क और भी बद से बदतर हो जाती है। बरसात के मौसम में कच्ची सड़क पर कीचड़ होना एक आम समस्या है।कच्ची सड़कों पर बारिश का पानी जम जाता है। जिससे कीचड़ बनता है और चलना मुश्किल हो जाता है। प्रशासन से मांग है कि जल्द से जल्द अस्पताल तक पक्की सड़क का निर्माण हो जिससे राहगीरों को चलने में परेशानी न हो। ज्ञात हो कि जिप सदस्य दिलीप बड़ाइक भी कई बार पूर्व में जिला उपायुक्त से पक्की सड़क को लेकर मांग कर चुके है। वही अस्पताल उदघाटन के समय गुमला के पूर्व उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी इस सड़क की समस्या को अवगत हो चुके थे।

नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोप में युवक गिरफ्तार

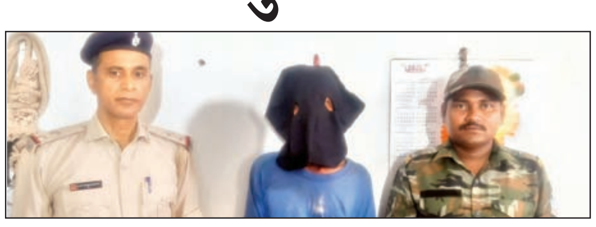

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। रायडीह थाना क्षेत्र के एक गांव में एक नाबालिग से छेड़छाड़ का मामला प्रकाश में आया है, आरोपी कई दिनों से नाबालिग के साथ छेड़ छाड़ कर रहा था, तंग आकर नाबालिग के पिता ने थाना में आवेदन करवाई की मांग की थी। जानकारी के अनुसार रायडीह थाना क्षेत्र के एक गांव की नाबालिग से गांव के ही एक 20 वर्षीय युवक मुकेश भारती छेड़छाड़ कर रहा था। बुधवार शाम को भी नाबालिग लड़की घर के बाहर थी तभी मुकेश भारती आया और नाबालिग के साथ छेड़छाड़ करने लगा लड़की ने परिजनों को आवाज लगायी तो आरोपी भाग गया। उक्त घटना से परेशान होकर नाबालिग लड़की के पिता रायडीह थाना पहुंच कर लिखित आवेदन दिया रायडीह थाना में प्राथमिकी दर्ज करते हुए आरोपी मुकेश भारती को गिरफ्तार कर पोक्सो एक्ट के तहत गुरुवार की शाम 6 बजे जेल भेज दिया गया।

करौंदी रथ बगीचा में नागपुरी रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। करौंदी रथ बगीचा में मेले का आयोजन किया गया मेले में हजारों की संख्या में भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ की पूजा अर्चना कर क्षेत्र के सुख शांति की मंगल कामना की। करौंदी जगन्नाथ मंदिर के मुख्य संरक्षक कृष्ण दयाल नारायण सिंह ने कहा कि नागपुरी कलाकारों का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। उन्होंने नागपुरी को संपर्क भाषा बनाने और बच्चों को नागपुरी पढ़ने के लिए प्रेरित करने की अपील की। एशियन हेरिटेज फाउंडेशन, साहित्य संस्कृति मंच और नागपुरी लोक अखरा के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को करौंदी रथ बगीचा में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम

में भाजपा किसान मोर्चा के नेता मंगल सिंह भोगता के साथ फीता काटकर उदघाटन करने के बाद श्री सिंह ने उक्त बातें कहीं। भाजपा किसान मोर्चा के नेता मंगल सिंह भोगता ने मेला सांस्कृतिक और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक होता है। आस्था, मनोरंजन और कारोबार का केंद्र होता है। मेला और मनोरंजन ही विरासत के धरोहर को जीवंत रखने में सहायक होगा। इस अवसर पर ट्रस्ट के प्रशिक्षु गायक रजनी रानी, शंकर सिंह, रोहित सिंह,जितेंद्र गोप, रूपा कुमारी आदि ने एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत कर नागपुरी प्रेमियों को रीझ-रंग से सराबोर कर दिया। प्रशिक्षु कलाकारों का का नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा। सचिव रामनाथ साहु ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर देर शाम तक श्रोता गण नागपुरी रंगारंग कार्यक्रम गीत संगीत का आनंद लिया।

भदौली कुदरा दुर्गा मंडप के नये भवन का शिलान्यास

आजाद सिपाही संवाददाता

सिसई। भदौली कुदरा दुर्गा मंडप के भवन काफी समय से जर्जर स्थिति में था। उसके छत गिरने के कगार में थे। जिससे श्रद्धालुओं के साथ हमेशा दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई थी।

मंडप को तोड़कर पुनः निर्माण के लिए काफी लंबे समय से विचार विमर्श किया जा रहा था। लेकिन संयोग नहीं बन पा रहा था। अंततः वो समय आ ही गया। और पूजा समिति ने मंडप के जर्जर स्थिति को देखते हुए दोनों पंचायत के ग्रामीणों के साथ बैठक कर मंडप को वृहद आकार में पुनः नवनिर्माण कराने का निर्णय लिया। इसके लिए सभी ग्रामीणों ने अपनी सहमति जतायी और शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ के शुभ रथ यात्रा के दिन आचार्य रामज्ञानी पाठक एवं विकल्प पाठक ने समाजसेवी

मुकेश श्रीवास्तव, उनकी धर्मपत्नी उर्वशी देवी, विक्रम ताम्रकर, उनकी धर्मपत्नी गुड्डी देवी एवं रोहित शर्मा के द्वारा पूजा अर्चना कराकर भूमि पूजन एवं शिलान्यास कराया गया। वर्तमान में दुर्गा मंडप का भवन जर्जर हो गया था और गिरने के कगार पर था। इसकी स्थिति को देखते हुए पूजा समिति ने संकल्प लिया कि मंडप का पुनर्निर्माण कराना है और आज वो शुभ घड़ी आ गया जब मंडप के निर्माण हेतु भूमि पूजन कर शिलान्यास किया गया। इस मौके पर हिन्दू जागरण झारखंड के प्रदेश प्रमुख संजय वर्मा, पूर्व प्रधानाचार्य पीतांबर झा, शिक्षक बिपिन झा, पंकज साहू, सिसई थाना प्रभारी संतोष सिंह, नन्दकिशोर सिंह, अजय सिंह, रामानंद सिंह, अरुण सिंह, प्रभात साहू, विकास साहू, उदयचंद देवघरिया,बंटी ताम्रकर, रोहित घंटी, शम्भु एस चौहान, चमरू महतो,हेमंत गुप्ता, सुजीत जयसवाल, परू ताम्रकर, मुकेश ताम्रकर, राजकिशोर सोनी, सनत केशरी, दीपक सिंह सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

स्पोर्ट्स

आदित्य झा तथा दिव्यांशु किशोर ने रेड में अगुवाई करते हुए मध्यांतर तक दून वारियर्स को 20 – 19 से बढ़त दिलायी।

ओलंपिक दिवस : कबड्डी प्रतियोगिता में दून वारियर्स बने चैंपियन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस के उपलक्ष में धनबाद जिला ओलम्पिक संघ द्वारा आयोजित सप्ताह -व्यापी खेल कार्यक्रम के तहत आज कबड्डी की प्रतियोगिता कुसुम विहार स्थित दून पब्लिक स्कूल में संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता के फाइनल स्पर्धा में दून वारियर्स की टीम ने 32 - 26 अंक से धनबाद कैपिटल की टीम को पराजित करते हुए ओलम्पिक दिवस ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमाया। आदित्य झा तथा दिव्यांशु किशोर ने रेड में अगुवाई करते हुए मध्यांतर तक दून वारियर्स को 20 - 19 से बढ़त दिलाया। डिफेंडर

सूरज साव और आदित्य पांडे ने मैच के दौरान बेहतर प्रदर्शन किया जबकि धनबाद कैपिटल टीम के नमन कुमार एवं अर्णव ने भी अच्छे खेल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के समापन में दून पब्लिक स्कूल के उप निदेशक सुनील कुमार तथा धनबाद जिला ओलम्पिक संघ के महासचिव रंजीत केशरी द्वारा विजेता तथा उप - विजेता टीम के सभी सदस्यों को व्यक्तिगत पदक एवं प्रमाण पत्र के साथ साथ दोनों टीमों को ओलम्पिक दिवस ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। मौके पर स्कूल के उप प्राचार्य प्रियरंजन कुमार, शशांक सिंह, प्रशासनिक पदाधिकारी दिव्यांश सिंह, जिला ओलम्पिक संघ के संयुक्त सचिव सह स्कूल के खेल विभागाध्यक्ष मृदुल बोस के अलावा देवाशीष दे, जया चक्रवर्ती, अजय कुमार रजक, अर्चना कुमारी, अर्चना सहाए, सुप्रियो मोदी आदि उपस्थित थे।

प्रथम राष्ट्रीय अंडर 18 बालक एवं बालिका कबड्डी प्रतियोगिता के झारखंड टीम पहुंची हरिद्वार

हरिद्वार (आजाद सिपाही)। हरिद्वार में 28 जून से 01 जुलाई 2025 तक आयोजित प्रथम राष्ट्रीय अंडर 18 बालक एवं बालिका कबड्डी प्रतियोगिता के लिए 32 सदस्यीय झारखण्ड बालक एवं बालिका कबड्डी टीम हावड़ा - देहदरदून एक्सप्रेस से शुक्रवार को अहले सुबह हरिद्वार पहुंच चुकी है। उक्त आशय की जानकारी कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड के अध्यक्ष गोपाल ठाकुर ने दी। अध्यक्ष श्री ठाकुर ने बताया कि इस राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए बालक वर्ग में देवघर के रितिक कुमार सिंह एवं बालिका वर्ग में धनबाद की नमिता कुमारी को कप्तान बनाकर टीम का नेतृत्व करने की जिम्मेवारी दी गयी है। इससे पूर्व कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड की ओर से चेयरमेन बिपिन कुमार सिंह के द्वारा धनबाद स्टेशन पर बुधवार को टीम को पूरी किट (जर्सी, शॉर्ट्स, टी - शर्ट्स, मैट शू एवं ट्रैक सूट) देकर शुभकामनाएं दी गयी। शुभकामना एवं बधाई देने वालों में महासचिव मुकेश कुमार सिंह, अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षक तेज नारायण प्रसाद माधव, नवनीत कुमार सोनू, जगदीश कुमार, आलोक कुमार, राजीव रंजन मिश्रा, मदन मोहन पांडेय, धर्मेंद्र सिंह, अनीता कुमारी, आशा कुमारी, हैदर हुसैन, राखी कुमारी, सुनीता कुमारी, प्रद्युम्न पांडेय, राहुल कुमार, रितेश सिंह, सीता राम आदि शामिल है।

किसान प्रशिक्षण शिविर में 170 महिला किसानों ने भाग लिया

आजाद सिपाही संवाददाता

कामडारा। कामडारा प्रखंड मुख्यालय स्थित किसान प्रशिक्षण सभागार में शुक्रावर को झास्को लेप्स रांची के द्वारा कामडारा प्रखंड के कुल एक सौ सत्तर महिला लाभार्थी किसानों ने भाग लिया, जिनमें फूलो झानो आशीर्वाद अभियान के 60 लाभार्थी शामिल थे। वैज्ञानिक पद्धति से लाह की खेती के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करना और साथ संस्था की ओर से 90 प्रतिशत अनुदानित दर पर सभी प्रशिक्षणार्थियों को लाह खेती मे प्रयुक्त होने वाले टूल किट भी वितरण किए गए।इस प्रशिक्षण कार्य के दौरान जेएसएलपीएस और उद्योगिनी संस्था कामडारा के सदस्यों के दौरान महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ट्रेनर दिलीप कुमार सिंह (लाह वैज्ञानिक),प्रवीण कुमार,मुकेश रजक,नारायण साहू , प्रदीप कुमार,करनेश लकड़ा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 28 जून, 2025
www.azadsipahi.in

इस्पात नगरी बोकारो में निकाली गयी भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा

बोकारो (आजाद सिपाही)। इस्पात नगरी में शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा धूम-धाम से निकाली गयी। विधिवत पूजा-अर्चना के साथ देव प्रतिमाओं को मंदिर प्रांगण से बाहर लाकर रथ पर आसीन किया गया। रथ की सफाई का कार्य छेरा-पन्हारा बीएसएल के निदेशक प्रभारी वीरेंद्र कुमार तिवारी ने किया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) चित्त रंजन मोहापात्रा, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (माइंस) विकास मनवती, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सीआर मिश्रा, बोकारो महिला समिति की अध्यक्ष अनीता तिवारी आदि उपस्थित थे। जानकारी के मुताबिक नगर वासियों के सम्मिलित प्रयास से रथ यात्रा जनवृत-4 स्थित जगन्नाथ मंदिर परिसर से आरंभ हुई। पूरे रास्ते नगरवासी और श्रद्धालु बारी-बारी से अपना योगदान देकर पुण्य अर्जन करते रहे। रथ यात्रा जगन्नाथ मंदिर से बोकारो जनरल अस्पताल, गांधी चौक सिटी सेंटर, पत्थरकट्टा चौक और राम मंदिर चौक होते हुए राम मंदिर पहुंची। मार्ग में स्वयंसेवी संस्था महिला समिति, बोकारो के सदस्यों ने पानी और शरबत का वितरण किया जिसमें नगर के अन्य संस्थानों ने भी योगदान किया। बोकारो महिला समिति की ओर से इस वर्ष भी रथ यात्रियों के लिए शरबत, चना, गुड़, बताशा, बुंदिया की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर समिति की अध्यक्ष अनिता तिवारी ने बताया कि भगवान श्री जगन्नाथ जी से उन्होंने बोकारोवासियों के मंगलमय जीवन के लिए कामना की। मौके पर उपाध्यक्षगण अल्का मनवती, देवजानी मिश्रा, सचिव ऋचा प्रियदर्शिनी, कोषाध्यक्ष अभिरुचि प्रिया, सांस्कृतिक सचिव श्वेता कुमार, सुरभि प्रभारी अनिशा झा, साबुन एवं सैनिटरी प्रभारी प्रीति राजेश, विद्यालय प्रभारी आशा राज, समिता मोहंती आदि ने यात्रा में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

जमसं छोड़ कई नेता एवं सैकड़ों मजदूर राष्ट्रीय जनता कामगार संघ में शामिल

धनबाद (आजाद सिपाही)। कोयलांचल की श्रमिक राजनीति में शुक्रवार को बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिला। बीसीसीएल कुसुंडा क्षेत्र संख्या 10 से जुड़े कई वरिष्ठ मजदूर-नेता जनता मजदूर संघ (जमसं) को छोड़कर राष्ट्रीय जनता कामगार संघ का दामन थाम लिया। इस सामूहिक बदलाव के दौरान बड़ी संख्या में समर्थक भी मौजूद थे। बताया जा रहा कि ये सभी नेता राष्ट्रीय जनता कामगार संघ के पूर्व अध्यक्ष रामाधीर सिंह के विचारों से प्रभावित होकर संगठन में शामिल हुए हैं। यह जानकारी राष्ट्रीय जनता कामगार संघ की महामंत्री आशनी सिंह ने कोला कुसमा स्थित प्रधान कार्यालय पृथ्वी मेंशन में संवाददाता सम्मेलन आयोजित करके दी। इस मौके पर संगठन की अध्यक्ष एवं पूर्व महापौर इंदु सिंह मौजूद थी। दोनों ने नव-शामिल नेताओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। कहा कि संगठन में अरविंद सिंह जैसे अनुभवी नेता के आने से नई ऊर्जा मिली है। कहा कि राष्ट्रीय जनता कामगार संघ का पहला उद्देश्य मजदूरों के अधिकारों की रक्षा करना और श्रमिक हितों की लड़ाई को तेज करना है। इस दौरान अरविंद सिंह को राष्ट्रीय जनता कामगार संघ का सचिव नियुक्त किया गया, जबकि बलवंत सिंह को कुसुंडा क्षेत्र का अध्यक्ष बनाया गया है। इस मौके पर अरविंद सिंह ने कहा कि वह पूर्व अध्यक्ष रामाधीर सिंह के विचारों और संघर्षशील नेतृत्व से प्रभावित होकर यह निर्णय लिये हैं। रामाधीर सिंह हमेशा मजदूरों के हक की बात करते हैं और हम उनके साथ मिलकर कामगारों की बुलंद आवाज बनेंगे।

हादसे में युवक गंभीर, नाराज लोगों ने ट्रांसपोर्टिंग ठप करायी

झरिया (आजाद सिपाही)। बस्ताकोला ओसीपी के समीप कोयला ट्रांसपोटिंग मार्ग पर शुक्रवार को कोयला लदे एक हाइवा की चपेट में आने से बिरजू भुईया (35) नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, घटना के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल बिरजू को धनबाद स्थित पीएमसीएच अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसका दाहिना पैर बुरी तरह कुचल जाने की बात कही है। इसकी सूचना पाकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंच कर आक्रोश व्यक्त करने लगे। लोगों का कहना था कि बिरजू शौच कर वापस आ रहा था, तभी एक साथ परियोजना से दर्जनों कोयला लदे हाईवा तेजी से निकलने लगे। एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में एक हाईवा चालक ने बिरजू को अपनी चपेट में ले लिया। पता चला है कि बिरजू दिहाड़ी मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता है। वह घर का एकमात्र कमाऊ सदस्य है? उसकी पत्नी पत्नी कुंती देवी एवं दो पुत्री एरोली कुमारी (17) और रोशनी कुमारी (15) है। उधर, लोगों के प्रदर्शन के चलते कोयला ट्रांसपोर्टिंग कार्य ठप हो गया। प्रदर्शनकारी घायल को मुआवजा देने और उसका समुचित इलाज करने की मांग कर रहे थे। वहीं, लोगों के आक्रोश को देखते हुए बीसीसीएल प्रबंधन और ट्रांसपोर्टिंग कंपनी के प्रतिनिधि मौके पर नहीं पहुंचे थे।

रक्तदान दयालु समाज के निर्माण में सामूहिक प्रयासों की शक्ति का प्रतीक : कुणाल दरिपा

बोकारो (आजाद सिपाही)। समाज कल्याण के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता के तहत वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड ने इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी (बोकारो चैप्टर) और सिटिजन्स फाउंडेशन के सहयोग से शुक्रवार को बोकारो के ऑक्यूपेशनल हेल्थ सेंटर (ओएचसी), 16 खाता में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। यह पहल वेदांता ईएसएल की सीएसआर इकाई के कर्मचारी वॉलंटियरिंग कार्यक्रम 'वी फॉर सोसाइटी' के तहत की गई। इस अवसर पर ईएसएल के कर्मचारियों, व्यापारिक साझेदारों और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया और रक्तदान कर जीवनदायिनी कार्य में योगदान दिया। शिविर का उद्देश्य अस्पतालों में रक्त की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करना था। इस दौरान शिविर में कुल 60 लोगों ने रक्तदान किया। इसमें मुख्य अतिथि रके रूप में इएसएल के सीएसआर प्रमुख कुणाल दरिपा शामिल हुए। इनके अलावा इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के आपदा प्रबंधन प्रमुख सुरेश कुमार भुडिया, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष डीएन चौबे, इएसएल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रवीन पिट्टा आदि उपस्थित रहे। अपने संबोधन में कुणाल दरिपा ने कहा कि यह रक्तदान शिविर एक स्वस्थ और दयालु समाज के निर्माण में सामूहिक प्रयासों की शक्ति को दर्शाता है। कर्मचारियों और भागीदारों पर गर्व है, जिन्होंने आगे आकर एक सच्ची समुदाय भावना का उदाहरण पेश किया। वहीं, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रवीन पिट्टा ने भी सभी प्रतिभागियों और स्वयंसेवकों की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान केवल जीवन बचाने का कार्य नहीं, बल्कि यह मानवता के लिए खड़े एक समुदाय के निर्माण का प्रतीक है। भारत की अग्रणी मानवीय संस्थाओं में से एक, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी ने रक्त संग्रह की संपूर्ण प्रक्रिया को सुरक्षित और चिकित्सकीय देखरेख में सुनिश्चित किया। देशभर में 1100 से अधिक शाखाओं के साथ, रेड क्रॉस आपदा राहत, स्वास्थ्य सेवा और सामुदायिक सशक्तिकरण में अहम भूमिका निभा रही है।

दिव्यांगता का दर्द : खेत-बाड़ी बेचकर इलाज कराने को मजबूर, पर नहीं मिला प्रशासन का सहयोग

विभागीय उदासीनता के कारण पांच साल से दर-दर भटक रहा पीड़ित पिता, दिव्यांग कृष्ण को अब तक नहीं मिली पेंशन

- जनता दरबार में अधिकारियों के समक्ष रखी पेंशन की मांग, पर नहीं मिला पेंशन

आजाद सिपाही संवाददाता

पेटरवार। प्रखंड मुख्यालय से महज दो किलोमीटर दूरी पर स्थित सदमा पंचायत के बुढ़वाटांड़ निवासी राम विश्वास महतो दिव्यांग पुत्र कृष्ण कुमार महतो (11) के बेहतर इलाज और सरकारी सहायता के लिए दर- दर भटकने को विवश हैं। राम विश्वास के इकलौते पुत्र कृष्ण कुमार महतो को दिव्यांगता प्रमाण पत्र में 70 फीसदी दिव्यांगता अंकित है। बावजूद इसके झारखंड सरकार की ओर से दिव्यांग पेंशन की सुविधा नहीं मिल पाई है। बतातें चलें कि करीब नौ वर्ष पूर्व कृष्ण महतो का स्वास्थ्य अचानक बिगड़ने लगा। शुरूआती दौर में राम विश्वास महतो को उम्मीद थी कि इलाज से सुधार होगा, पर स्थिति दिन-ब-दिन खराब होती गई। बेटे के इलाज के लिए खेत-खलिहान तक बेच डाले, पर फिर भी न तो स्वास्थ्य में अपेक्षित सुधार हुआ और न ही सरकार से कोई मदद मिली। राम विश्वास महतो की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी है। उनके परिवार में पांच बेटियां और एक बेटा है। कमाई का कोई स्थायी साधन नहीं है। वे कुट्टी बेचकर परिवार का भरण पोषण किया करते हैं। उन्होंने दिव्यंगता पेंशन के लिए कई बार प्रखंड कार्यालय में आवेदन किया। इसके अलावा झारखंड सरकार की ओर से लगाए जाने वाले जनता दरबार के कार्यक्रमों में भी पहुंचे पर, राम विश्वास महतो की गुहार हर बार अनसुनी ही रही। प्रशासनिक उदासीनता एवं विभागीय लापरवाही के कारण वर्षों से भटकने को मजबूर हैं। उन्होंने दिव्यांग पेंशन दिलाने कि गुहार लगाई है।

दो सरकारी दुकानों पर छापामारी, नकली शराब बरामद, पांच सेल्समैन गिरफ्तार

शराब की बोतल पर प्रिंट रेट से अधिक राशि मांगने वालों की तुरंत शिकायत करें : उत्पाद अधीक्षक

उत्पाद विभाग के सब इंस्पेक्टर हुए सस्पेंड, अन्य पर भी कार्रवाई की तैयारी

आजाद सिपाही संवाददाता

छापामारी के दौरान मौजूद उत्पाद विभाग की टीम।

धनबाद। सरकारी शराब दुकानों में विगत कई दिनों से अवैध रूप से नकली शराब बेचे जाने की सूचना मिल रही थी। जिसके आलोक में रांची से उत्पाद अधीक्षक सुधीर कुमार की अगुवाई में आई टीम ने गुरुवार की देर रात दो दुकानों में दबिश देकर नकली शराब बेचते पांच सेल्समैनों को गिरफ्तार किया है। वहीं, रांची टीम की कार्रवाई से पूरे जिले में हड़कंप मचा हुआ है। जांच टीम ने मेमको मोड़ आठलेन स्थित सरकारी शराब दुकान से 17 एवं गोल बिल्डिंग स्थित शराब दुकान से 239 छोटी बड़ी बोतल जब्त की है। जानकारी के मुताबिक नकली शराब और शराब की कीमत से अधिक पैसे वसूले जाने को लेकर काफी दिनों से शिकायतें आ रही थी। रांची उत्पाद विभाग मुख्यालय ने उत्पाद अधीक्षक सुधीर कुमार के नेतृत्व में मेमको मोड और गोल बिल्डिंग से सरकारी शराब दुकान में छापामारी की और शराब की पेटियों के बैच नंबर से मिलान किया। नंबर मिलान नहीं होने की स्थिति में सेल्समैनों से पूछताछ की गई। जिसमें संतोष जनक जवाब नहीं मिलने के बाद टीम ने तुरंत गोल बिल्डिंग स्थित शराब दुकान से सेल्समैन रंजीत कुमार और बृजेश सिंह, जबकि मेमको मोड़ से सेल्समैन राजेश कुमार, आकाश सिंह और अजय सिंह को गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि सरकारी शराब दुकानों में मिलावटी शराब बेचे जाने की लगातार शिकायतें मिल रही थी, जिसके बाद टीम गठित कर इसकी सूचना धनबाद डीसी को दी गई। डीसी के निर्देश पर रवींद्रनाथ ठाकुर एवं एलबी के सहदेव दंडाधिकारी के रूप में तैनात किए गए। दंडाधिकारी की मौजूदगी में छापामारी की गई। अधीक्षक ने ग्राहकों से अपील की कि कोई दुकानदार शराब की बोतल पर प्रिंट रेट से अधिक राशि मांगे तो तुरंत इसकी शिकायत जारी हेल्पलाइन नंबर में करें। शहर में सरकारी शराब दुकानों में यह खेल कई वर्षों से चल रहा है जहां नकली शराब की बिक्री खुलेआम सरकारी शराब दुकानों में की जाती है। इससे पहले भी गोल बिल्डिंग स्थित सरकारी शराब दुकान एवं मनईटांड़ स्थित शराब दुकान के सेल्समैनों को नकली शराब बेचने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। पर महज कुछ दिनों बाद ही जेल से छूटते ही वे लोग फिर से खुलेआम इस काम को चलाने लगते हैं। दूसरी ओर, सेल्समैनों ने शुक्रवार की सुबह सरकारी शराब दुकान बंद कर उत्पाद कार्यालय में गिरफ्तारी का जमकर विरोध किया। उनका कहना था कि मैंमको को मोड में जो 17 बोतलें अवैध शराब की जब्त की गई है वह शराब सभी ठीक है एवं सरकारी दुकान की ही है। वहीं, घटना की पुष्टि करते हुए उत्पाद विभाग के सह आयुक्त रामलीला रवानी ने कहा कि शहर के सरकारी दुकानों में इतनी बड़ी मात्रा में मिलावटी शराब मिली है, जिसमें पांच सेल्समैनो को जेल भेज दिया गया है। लगे हाथ उत्पाद विभाग के सब इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार को सस्पेंड किया गया है। साथ ही छमन कुजूर के ट्रांसफर को लेकर डीसी को पत्र भेजा गया है।

रानीबाग में छापामारी, 46.5 टन अवैध कोयला जब्त

फुसरो/बेरमो (आजाद सिपाही)। सीसीएल ढ़ोरी के जीएम रंजय सिन्हा के आदेश पर फुसरो मेन रोड के रानीबाग में अवैध रूप से किये गये कोयला संग्रह के विरुद्ध सीसीएल ढ़ोरी के सुरक्षा विभाग, सीआइएसएफ और बेरमो पुलिस ने संयुक्त छापामारी की। जिसका नेतृत्व सीसीएल ढ़ोरी के सुरक्षा अधिकारी सुरेश सिंह और सीआइएसएफ के सीनियर कमांडेंट लक्ष्मी नारायण चौधरी ने किया। करीब चार घंटे चले छापामारी में 46.570 टन कच्चा कोयला जब्त किया गया। सभी जब्त कोयले को जेसीबी से ट्रैक्टर में उठाकर अमलो रेलवे साइडिंग में कांटा कराकर डंप किया गया।

रथ यात्रा पर क्रोक एन डाइन'ज शोरूम का उद्घाटन

धनबाद (आजाद सिपाही)। सरायढेला के ब्रह्मदेव चेंबर के विपरीत दिशा में स्थित वेस्टसाइड मॉल में शुक्रवार को क्रोक एन डाइन'ज का उद्घाटन हुआ। प्रतिष्ठान के मानिक प्रत्यक्ष बर्मन ने कहा कि आज भगवान जगन्नाथ के रथ यात्रा के शुभ दिन क्रोकरीज के इस विशेष प्रतिष्ठान का शुभारंभ किया गया है। जिसमें होटल्स और घर के लिए कुशन, रॉक्स सहित अन्य ब्रांड के बहुत ही आकर्षक एवं खूबसूरत एक्रेलिक मेला माइन, बोन चाइना, फाइन चाइना, आकर्षक और खूबसूरत डिजाइन किए चम्मच, प्लेट, कप होलसेल और रिटेल में उपलब्ध है। इस दिन प्रतिष्ठान के उद्घाटन के अवसर पर रिटेलर्स के लिए 25 फीसदी और हॉलसेलर्स के लिए 35 फीसदी तक की छूट सीमित समय के लिए दी जा रही है। साथ ही एक लाख रुपयों की खरीदारी पर 10 ग्राम का सिल्वर कॉइन का ऑफर भी है। इस मौके पर शोरूम के मालिक अभिषेक बर्मन और प्रदीप कुमार आदि उपस्थित थे।

देश-संविधान बचाना है तो कांग्रेस को मजबूत करें: संतोष कुमार सिंह

भाजपा शासित राज्यों में दलित, आदिवासी एवं ओबीसी सुरक्षित नहीं

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। पूर्वी टुंडी मैनरवा टांड में प्रखंड कांग्रेस के अध्यक्ष योगेश रजक की अध्यक्षता में शुक्रवार को संगठन सृजन अभियान की बैठक हुई। जिसमें धनबाद कांग्रेस के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, जिला के कार्यकारी अध्यक्ष राशिद रजा अंसारी और प्रवेक्षक निशा सिंह भी उपस्थित रहीं। सर्वप्रथम संगठन सृजन के तहत पूर्वी टुंडी प्रखंड कांग्रेस के नवनियुक्त पदाधिकारियों और मंडल कांग्रेस अध्यक्षों को नियुक्ती पत्र दिया गया। नियुक्त मंडल अध्यक्ष को यह निर्देशित किया गया कि मंडल के अंतर्गत प्रत्येक पंचायत से एक पदाधिकारी मंडल कमेटी में शामिल करें। वहीं, धनबाद कांग्रेस के जिलाध्यक्ष ने कहा कि पार्टी वर्ष 2025 को संगठन सृजन का वर्ष मानकर काम करेगी। प्रत्येक पंचायत में प्रवेक्षक और प्रखंड कमेटी के पदाधिकारियों को जाना है। कहा कि देश और संविधान को बचाना है तो कांग्रेस को मजबूत करना होगा। जिनका देश की आजादी के आंदोलन और संविधान निर्माण में कोई योगदान नहीं रहा। जिन लोगों ने इस संविधान को बनाने में सहयोग नहीं किया, वे आज तरह-तरह की बातें कर रहे हैं। कहा कि भाजपा कांग्रेस के देशव्यापी 'संविधान बचाओ आंदोलन' से घबरा गई है, इसीलिए आज वे लोग फिर से इमरजेंसी की बात कर रहे हैं। सच्चाई यह है कि जो लोग अपने गवर्नेंस में नाकामयाब रहे और जिनकी खुद की सरकार में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और आर्थिक बदहाली चरम पर है, वे आज लोगों का ध्यान भटका रहे हैं। वहीं, जिला कार्यकारी अध्यक्ष राशिद रजा अंसारी ने कहा कि जिला कांग्रेस गांव और पंचायत में नजर आ रही है। जिला कांग्रेस, प्रखंड नगर कांग्रेस पंचायत स्तर पर जब काम करती है तो व्यक्ति विशेष की राजनीति करने वाले स्लीपर सेल टाइप के लोगों के पेट मे दर्द होने लगता है। राशिद रजाअंसारी ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि जब तक देश में पार्टी नेता राहुल गांधी जी को प्रधानमंत्री नहीं बना लेते चैन से नहीं बैठेंगे। इस मौके पर पूर्वी टुंडी प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष योगेश रजक, प्रवेक्षक निशा सिंह, असद कलीम, अब्दुल मजीद अंसारी, कालीचरण दास, देव रंजन, मुली रामदा, रजक, बिट्टू गोस्वामी, मोहन दास, बबरू वाहन दे, निर्मल रक्षित, सलीम अंसारी, धीरू मोदक, मजीद हुसैन, मधुसूदन रक्षित, किशन दास आदि मौजूद रहे।

अधिकारियों पर विद्यालय के लिए चिन्हित जमीन के बदले निजी जमीन अधिग्रहण करने का आरोप

धनबाद (आजाद सिपाही)। जिले के सबलपुर में केंद्रीय विद्यालय निर्माण के लिए पहले ही जमीन चिन्हित किया जा चुका है। बावजूद इसके सीओ शशि कांत शिखर पर निजी जमीन का अधिग्रहण करने का आरोप लगा है। मुखिया प्रतिनिधि राज किशोर गोप का कहना है कि जिस जमीन को चिन्हित किया गया था वह जीराबाद प्लॉट था। उसे रहती जमीन कैसे बना दिया गया। 18 एकड़ जमीन में कितना एकड़ जमीन रहती हो गया है। 1929 की जमीन जो राजा द्वारा दिया गया है उसे सरकार भी मानती है कि 1932 से लेकर 1946 तक जो भी जमीन दिया गया है वह मान्य होगा। इसके बावजूद भी उस जमीन को नहीं माना जा रहा है। जबकि मथुरा प्रसाद महतो ने भी अपने मंत्री पद पर रहते हुए उन्होंने सरकारी जमीन की रसीद काटना बंद करवा दिया था। आज सीओ साहब कह रहे हैं कि सरकारी जमीन है, जबकि 120 नंबर खाता जिराबाद का है। उसे जमीन माफियाओं द्वारा हड़प कर रहती कैसे बना दिया गया। सीओ गरीबों की जमीन को केंद्रीय विद्यालय के लिए चिह्नित कर रहे हैं, जिसकी रसीद पेपरपट्टा किसान के पास है। साल 1929 में इसका राजा के समय पट्टा मिला था और ये लोग खेती करते थे। वहीं, जमीन मालिक चिंटू गोप का कहना है कि पांच पीढ़ी से खेती करते आ रहे हैं। साल 1929 में जमीन का पट्टा मिला है उस समय से इस जमीन पर खेती कर अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं, लेकिन सीओ साहब जबरदस्ती जमीन सरकारी बता रहे हैं। जबकि मेरे पास जमीन का पट्टा, रसीद, म्यूटेशन का पेपर सभी मौजूद हैं। वहीं, धनबाद के सीओ ने बताया कि कोई पेपर नहीं है। उक्त जमीन सरकारी है और उसे केंद्र विद्यालय में चिन्हित किया जा रहा है।

आजाद सिपाही आइकॉन अवार्ड जैलेंद्र कुमार को

झारखंड के अग्रणी मीडिया संस्थान आजाद सिपाही की ओर से झारखंड के प्रतिष्ठित संस्थानों और हस्तियों को सम्मानित करने के लिए शुरू किये गये 'आजाद सिपाही आइकॉन अवार्ड' प्रदान करने का सिलसिला जारी है। शुक्रवार 27 जून, 2025 को राजधानी में शिक्षा और झारखंड की राजनीति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए जैलेंद्र कुमार को यह सम्मान प्रदान किया गया। आजाद सिपाही की प्रकाशक कंपनी लैंडस्केप मीडिया (प्रा) लिमिटेड के निदेशक राहुल सिंह, महाप्रबंधक पशुपति सिंह और प्रसार प्रबंधक नामधारी प्रसाद के अलावा आरएन सिंह, मार्केटिंग हेड मुकेश सिंह, सीनियर एग्जीक्यूटिव अभिषेक ने जैलेंद्र कुमार को प्रमाणपत्र सौंपा।

राजनाथ सिंह ने तनाव कम करने के लिए चीन को सुझाये चार विकल्प

- कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू करने पर जताई खुशी

एजेंसी

किंगदाओ। चीन के किंगदाओ में एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन) सम्मेलन के दौरान भारत ने चीन को संबंधों को बेहतर करने का फामूर्ला सुझाया। भारत ने सीमा पर तनाव को कम करने के लिए चीन से चार योजनाओं पर ध्यान देने के लिए कहा। साथ ही छह साल बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू करने पर खुशी जतायी।

एससीओ सम्मेलन के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने समकक्ष चीनी रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून से मुलाकात की। इस दौरान चीन को चार फामूर्लों पर काम करने के लिए कहा गया। इसमें पहला 2024 की विघटन योजना का पालन करना, दूसरा तनाव कम करने के लिए प्रयास, तीसरा सीमाओं पर सीमांकन और परिसीमन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयास और चौथा मतभेदों को दूर करने और संबंधों में सुधार के लिए नयी प्रक्रियाएं तैयार करने के लिए मौजूदा विशेष प्रतिनिधि स्तर के तंत्र का उपयोग करना शामिल है।

JAISWAL CCTV
अपने शहर राँची में एक कॉल पर घर या ऑफिस में टेक्निशियन बुलाएं
ऑफिस घर या दुकान में CCTV कैमरा लगवाएं
INTERCOM
BIOMETRICS
CCTV
9431584423
Raj Complex, Radium Road, Kutchery Road, Ranchi

ADARSH ACADEMY
Let's Start From Zero to Reach Infinity
AADHAR
VII TO X JAC /CBSE/ICSE
XI & XII JAC /CBSE/ICSE
B.Sc. Mathematics (All Semesters)
JEE/NEET
ADMISSION OPEN
For Demo Visit Our Youtube Channel ADARSH ACADEMY RANCHI
8789921216, 7061333946
Plaza Chowk: Opp. Mahila Polytechnic College, Ranchi.
Sujata Chowk: 2nd Floor, City Centre, Opp. Gossner College, Ranchi.

TEXMO
Borewell Submersibles
Single Phase/Three Phase
Domestic/Agriculture/Industrial Pumps
AQUATEX
Agricultural Monoblocks
Open-well Submersibles Pumps
Pressure Boosting Systems
Eleven Times Export Award Winner
Manufactured Exclusively by
AQUASUB ENGG. COIMBATORE
Authorised Dealer: PUMPS & PRIMOVERS
Dr. Fateullah Road, Ranchi-834001, Jharkhand
Ph.: 0651-3580818, Mob.: 9431108785, 9334702026, 9234300862
Website : www.pumpsandprimovers.co.in, Email : jai.kissan553@gmail.com

NEW LIFE CLINIC
ALL MEDICAL SPECIALISTS ARE AVAILABLE HERE
PEDIATRICIAN (शिशु रोग विशेषज्ञ)
GYNECOLOGIST (स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ)
PHYSICIAN (सामान्य रोग विशेषज्ञ)
PHYSIOTHERAPIST (फिजियोथेरेपिस्ट)
हमारे यहाँ सभी प्रकार के टीकाकरण एवं खून जाँच की सुविधा उपलब्ध है।
HOME COLLECTION ALSO AVAILABLE
9102350010, 6202354863, 6294931155
Ground Floor, Gajsagar Complex Near State Bank of India, Kokar

EXPERIENCE Happy Riding
मात्र ₹ 38,000/- On Road
बैटरी स्कूटी
कम लागत
कम खरखाव
लाइसेंस मुक्त
एक साल की वारंटी
60 किलोमीटर रेंज
CONTACT FOR DEALERSHIP
J.K SALES
Pillar No. 83, In Between O.T.C. Ground & Piska More Ratu Road, Beside M-Bazar, Lakdi Tall, Ranchi
M.- 9386070011

ACME COACHING
Classes For
+2 / I.Com. Accts, Eco., B.St.
B.Com. All Sem.
C.A./C.S. Foundation
Our Top Achievers (2025 Exams)
Home Tutions Also Available
Address Santipuram Colony, Chesire Home Road, Dipatoli, Ranchi
Mob.: 8210990620 / 9835120846

EUROKIDS GLOBAL SCHOOL
PRE-SCHOOL
PLAY GROUP, NURSERY, LKG, UKG & CLASS 1 TO 5
AGE FROM-1.8 TO 11 YEARS
Heureka, Euphonics, Mathlab
Scientific-Spark, Eurofit
Yogakids, Euro-Music, Mindful+
ENROL NOW 2025-26
Rims Road, Tunki Tola, Kokar Ranchi // Mob:-7903079507 / 8092334348

WELCOME TO KIDS SECOND HOME
LITTLE STAR KIDS PLAY SCHOOL
Your's Favorite Preschool
PLAY GROUP, NURSERY, LKG, UKG, CLASS 1,2
ADMISSION OPEN 8252797609
Chuna Bhatha Road, Near Dislreey Pull, H.B. Road, Kokar, Ranchi (Jharkhand)

JOB चाहिए ? COMPUTER सीखिए !
The LINGO
Institute of English Language & Computer Education
OUR COURSES
धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलना सिखें वैज्ञानिक एवं मनोवैज्ञानिक पद्धति द्वारा
ADCA
DCA
DTP
C++
Typing
Tally With GST
Advance Excel
सब पढ़ाते हैं हम सिखाते हैं।
Daily Practical LAB
Spoken English Basic & Advanced
9304108669
1st Floor, Anivash Complex, Opp. Dr. Amit Mukherjee Near Plaza Chowk, Ranchi - 834001 (Jharkhand)

MAHAVIR DENTAL CLINIC
Dr. Anil Kumar
B.Sc, B.D.S
M.I D.A (New Delhi)
Fee Valid For 15 Days
Time : 10AM to 02:00PM & 04:00PM To 07:00PM
6206969366, 9934943989

THE DESERVE
Sri Karishna Mathura Tower, (Near Kaveri Restaurant), Circular Road, Lalpur, Ranchi
9835722261
निःशुल्क COMPUTER प्र० (DCA)
SPOKEN ENGLISH (GD +PD)
Other Courses
ADCA / DTP / C++
A+ / JAVA / PYTHON ect.
HINDI & ENGLISH TYPING
DFA - GST
D-4 MONTH
GET JOB
MONEY BACK

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
॥ जय माँ वाली मईया ॥
पं० शम्भुनाथ उपाध्याय
दिन सोमवार से शनिवार
दिन रविवार
इन्द्रजीत भवन, पहाड़ी मंदिर के सामने, बानों मंजिल रोड, राँची-834001
9431585446 | 7903633179

Mob.: 9523367777
9931699449
SRI SAI ENTERPRISES
Khelgaon Chowk, Dipatoli, Ranchi - 834009

ADMISSION OPEN
50% OFF
TILL JUNE 2025
L.P. PUBLIC SCHOOL
50+ Years of Trusted Early Education in KOKAR
Opposite Paridhan, Near Jeep Showroom KOKAR

Reg. no. JH-20-0100987
BUBU PLAY SCHOOL
ADMISSION OPEN
SESSION 2025-26
AGE GROUP
Play Group - 2 to 3 years
Nursery - 3 to 4 years
L.K.G - 4 to 5 years
U.K.G - 5 to 6 years
ADDRESS
NAGRI - BUKRU (NEAR JATRA MAIDAN) KANKE, RANCHI (JH.) 834006
REGISTER NOW
CONTACT NO.
+91-9334814668
+91-9798295759
WEBSITE :bpsranchi.com
EMAIL ID : bubuplayschool2025@gmail.com

प्रकाशित
Verma's Today CHAPTER WISE CLASS - XI 2025
ARTS, SCIENCE, COMMERCE
कृपया पुस्तक की Cover पर VERMA PRESS PVT. LTD. का Logo और Address देखकर ही पुस्तक खरीदें।
मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान!
VERMA PRESS PVT. LTD.
4, R. G. STREET, THARPAKHNA RANCHI (JHARKHAND) - 834 001

Glossy Jewels
अब आपके शहर राँची में स्टर्लिंग सील्वर ज्वेलरी और प्रीमियम आर्टिफिशियल ज्वेलरी का विशेष संग्रह अब एक छत के नीचे
Special offer :
Flat 20% off on Sterling Silver Jewellery
Flat 50% off on Artificial Jewellery
Glossy Jewels.com
Near Satyabhama Tower, Hazaribagh Road, Lalpur, Ranchi-834001
Team of Glossy Jewels
@glossyjewels Contact@glossyjewels
7667873439

आसान नहीं फौजी कहलाना दोस्त, जज़्बात पिघलाकर रगों में लोहा भरना पड़ता है,
YODDHA DEFENCE ACADEMY
NDA Target.
NDA Foundation (11th & 12th)
NDA Pre Foundation (8th & 10th)
CDS/MNS/AF
CPMF
Director & Mentor Brig. B.G. Pathak
Nurturing our youth Shaping new soldiers
9153595906
3rd Floor Avinash Complex, East Jail Road, Lalpur, Ranchi

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**